नवबिहार टाइम्स

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

• 8 मार्च 2025 शनिवार • बोकारो संस्करण • वर्ष : 08 • अंक : 285 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो व औरंगाबाद से प्रकाशित

देश और दुनिया के इतिहास में आज की प्रमुख घटनाएं

1702 : इंग्लैंड के राजा विलियम तृतीय की मौत के बाद महारानी ऐनी ने सत्ता संभाली।

1907 : ब्रिटिश हाउस ऑफ कॉमन्स ने महिलाओं के मताधिकार से संबंधित विधेयक को ठुकरा दिया।

1909 : अमेरिकी सोशलिस्ट पार्टी ने पहली बार राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया था।

1921 : प्रसिद्ध फिल्म गीतकार साहिर लुधियानवी का जन्म हुआ।

1930 : महात्मा गांधी ने सविनय अवज्ञा आंदोलन शुरू किया।

सीता सोरेन पर फायरिंग की कोशिश, पूर्व पीए गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

धनबाद। भाजपा नेता और दिशोम गुरू शिबू सोरेन की बहू सीता सोरेन के ऊपर जानलेवा हमला किया गया है। हालांकि हमले में वह बाल-बाल बच गईं। उनके पूर्व पीए देवाशीष घोष के द्वारा यह हमला किया गया। घटना सरायढेला थाना क्षेत्र में घटी। वो शादी समारोह में शामिल होने गई थीं। बता दें कि सीता सोरेन पर उनके पूर्व पीए देवाशीष घोष ने पिस्टल से फायरिंग करने की कोशिश की। गनीमत यह रही कि वो ऐसा कुछ कर पाते इससे पहले ही उसे दबोच लिया गया और पुलिस के हवाले कर दिया गया। सीता सोरेन गुरुवार को कतरास में एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए पहुंची थीं। सरायढेला थाना क्षेत्र के सरायढेला में स्थित एक होटल में वह रुकी थीं। जहां देवाशीष घोष पहले से होटल के कमरे में मौजूद था। सीता सोरेन के घुसने के साथ ही देवाशीष घोष ने पिस्टल चलाने की कोशिश की। हालांकि इससे पहले कि वह गोली चला पाता उनके सुरक्षा गार्ड ने देवाशीष घोष को दबोच लिया। मामले की सूचना पुलिस को दी गई। सूचना मिलने के पास पुलिस मौके पर पहुंची। दो पिस्टल पुलिस ने होटल से बरामद किया है। सरायढेला के थाना प्रभारी नूतन मोदी ने बताया कि पूर्व विधायक सीता सोरेन की शिकायत पर मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी गई है। आरोपित देवाशीष घोष को गिरफ्तार कर लिया गया है। होटल के कमरे से

दो पिस्टल बरामद किए गए हैं। आरोपित देवाशीष घोष को जेल भेजा जा रहा है। डीएसपी लॉ एंड ऑर्डर नौशाद आलम ने बताया कि गुरुवार रात्रि में सूचना मिली थी कि सीता सोरेन के ऊपर उनके पूर्व पीए देवाशीष घोष के द्वारा पिस्टल तान दी गई है। सूचना मिलने के बाद पुलिस फौरन सोनोटल होटल के कमरा नंबर 618 पहुंची। जहां देवाशीष घोष के पास से एक पिस्टल पुलिस ने बरामद किया है। घटनाक्रम का पता लगाने की कोशिश की गई। प्रथम दृष्टया यह मालूम हुआ है कि पिछले विधानसभा चुनाव के फंड को लेकर सीता सोरेन और देवाशीष घोष के बीच चर्चा हो रही थी। जिसे लेकर दोनों के बीच कहा-सुनी हुई। इस दौरान देवाशीष घोष ने सीता सोरेन के ऊपर हथियार तान दिया। जांच पड़ताल के क्रम में यह भी मालूम हुआ कि वो अपने साथ पहले से ही पिस्टल रखता था। सीता सोरेन रांची से कतरास एक शादी समारोह में शामिल होने पहुंची थी। सीता सोरेन की गाड़ी देवाशीष घोष ही चला रहा था। सीता सोरेन गाड़ी में बैठी थीं। सीता सोरेन के कार्यकर्ताओं को इस बात की जानकारी थी कि देवाशीष के पास एक पिस्टल है। डीएसपी ने बताया कि रात्रि करीब 12 से 1 बजे के बीच की यह घटना है। सीता सोरेन की शिकायत पर मामला दर्ज कर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपित देवाशीष घोष को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

मंत्री और विधायकों ने की निंदा

रांची। धनबाद में पूर्व विधायक और भाजपा नेता सीता सोरेन के ऊपर हुए जानलेवा हमला हो, या चान्हो में हुई दो हत्या, रांची के बरियातू में कोयला व्यवसायी पर कातिलाना हमला या फिर जमशेदपुर में घटी घटना को लेकर आज विपक्षी दलों के विधायकों ने राज्य की गिरती विधि व्यवस्था पर सवाल खड़ा किया। वहीं वरिष्ठ झामुमो विधायक स्टीफन मरांडी ने भी ऐसी घटनाओं पर चिंता जताते हुए घटना के दोषियों पर शीघ्र कार्रवाई की मांग की है। इस बीच झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने पूर्व विधायक और सोरेन परिवार की बड़ी बहू सीता सोरेन पर हुए हमले पर प्रतिक्रिया देते हुए कह दिया कि चुनाव के समय ही उन्हें लगने लगा था कि वह गलत लोगों के हाथों में चली गई हैं और उनके आसपास में अच्छे लोग नहीं हैं।

पीवीयूएन लिमिटेड ने किसानों के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का किया आयोजन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रामगढ़। झारखंड के ग्रामीण परिदृश्य में जहां किसान मेहनत से अपनी आजीविका चलाते हैं, वहां जानकारी सबसे बहुमूल्य फसल साबित हो सकती है। इसी सोच के साथ पीवीयूएन लिमिटेड ने आज गेगड़ा गांव में किसानों के लिए एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। यह पहल किसानों की वास्तविक जरूरतों को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई थी। बीते कुछ हफ्तों में बिरसा कृषि विश्वविद्यालय, रांची के कृषि (ऑनर्स) के अंतिम वर्ष के छात्रों ने पीवीयूएनएल की सामुदायिक विकास टीम के साथ मिलकर एक व्यापक आवश्यकता मूल्यांकन सर्वेक्षण किया। सर्वेक्षण में पाया गया कि किसानों को फसल चक्र, आधुनिक सिंचाई तकनीकों, जैविक खेती के तरीकों, तथा जैविक खाद और उर्वरक बनाने की जानकारी नहीं थी। इसके अलावा, कई किसान सरकारी सब्सिडी और प्रत्यक्ष लाभ अंतरण योजनाओं से अनजान थे। आज गेगड़ा के खेत एक जीवंत कक्षा में बदल गए। युवा और बुजुर्ग किसान, पुरुष और महिलाएं सभी उत्सुकता और उम्मीद के साथ एकत्र हुए। कृषि प्रशिक्षुओं, स्थानीय कृषि मित्रों और पीवीयूएनएल के कर्मचारियों ने उन्हें सरल और प्रभावी

सिंचाई तकनीकों से अवगत कराया, जिससे जल संसाधनों का बेहतर उपयोग हो सके। जैविक खेती पर आयोजित सत्रों ने किसानों को स्थायी कृषि विधियों की जानकारी दी, जिससे मिट्टी की उर्वरता बनी रहे और रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता घटे। पीवीयूएनएल ने किसानों को विभिन्न सरकारी योजनाओं पर विस्तृत जानकारी देने के लिए सूचनात्मक पुस्तिकाएं भी वितरित कीं, जिनमें योजनाओं का लाभ उठाने की प्रक्रिया को सरल भाषा में समझाया गया था। यह पहल न केवल किसानों को तकनीकी ज्ञान से सशक्त बना रही है, बल्कि समुदाय और पीवीयूएनएल के बीच सहयोग और विश्वास को भी मजबूत कर रही है। कार्यक्रम के समापन के साथ, किसान नई आशाओं और बेहतर कृषि तकनीकों की जानकारी के साथ अपने घर लौटे। यह पीवीयूएनएल के उस संकल्प को फिर से सिद्ध करता है—जब लोग पीवीयूएनएल तक नहीं आ सकते, तो पीवीयूएनएल खुद लोगों तक पहुंचेगा।

सड़क दुर्घटना में युवक की मौत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गुमला। झारखंड के गुमला जिले में एक सड़क हादसा सामने आया है। पालकोट थाना क्षेत्र के बघिमा सेंटर के पास तेज रफ्तार बाइक के साइन बोर्ड से टकराने से 22 वर्षीय युवक की मौत हो गई।मृतक की पहचान भरनो थाना क्षेत्र के अम्बेरा गांव निवासी अंजन उरांव के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार, अंजन गुरुवार को बिना किसी को बताए पल्सर बाइक लेकर घर से निकला था।

संक्षिप्त समाचार

सागवान के बगीचे में लगी भीषण आग

जामताड़ा (नबिटा ब्यूरो)। जामताड़ा में शुक्रवार दोपहर एक निजी सागवान बागीचे में आग लग गई। मिहिजाम थाना क्षेत्र के रेलपार कृष्णा नगर में स्थित बगीचे में लगी आग से लाखों रुपए के नुकसान का अनुमान है। पूर्व चिरेका कर्मी राज बहादुर सिंह के बागीचे में लगी आग की लपटें काफी दूर तक दिखाई दीं। आसपास के रिहायशी इलाकों में धुआं फैल गया। लोगों को सांस लेने में परेशानी होने लगी। पड़ोसी उत्तम शर्मा ने तुरंत 101 डायल इमरजेंसी फायर सर्विस को सूचित किया। जामताड़ा से पहुंची फायर सर्विस की टीम ने बगीचे की चहारदीवारी का लोहे का गेट तोड़कर आग बुझाने का अभियान शुरू किया। एक घंटे की कड़ी मेहनत के बाद आग पर काबू पाया जा सका।

एयरफोर्स का फाइटर जेट जगुआर क्रैश

पंचकूला (नबिटा ब्यूरो)। एयरफोर्स का फाइटर जेट जगुआर शुक्रवार को तकनीकी खराबी की वजह से दोपहर करीब 3.45 बजे हरियाणा में पंचकूला के नजदीक क्रैश हो गया। फाइटर जेट ने अंबाला एयरबेस से प्रशिक्षण के लिए उड़ान भरी थी। हादसा के दौरान पायलट विमान से सुरक्षित बाहर निकल गया। हादसा पंचकूला के मोरनी में बालदवाला गांव के पास हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार विमान पहले पेड़ों से टकराया, फिर जंगल के बीच एक खाई में गिरा। विमान के गिरते ही उसमें आग लग गई। वह कई टुकड़ों में बंट गया। विमान के टुकड़े आसपास के क्षेत्रों में बिखरे पाए गए। पायलट विमान को रिहायशी इलाके से दूर ले गया, फिर खुद सुरक्षित रूप से बाहर निकल गया। जिसके बाद ग्रामीणों ने वहां पहुंचकर पायलट को पानी पिलाकर मदद की। हादसे की जांच के लिए वायुसेना के विशेषज्ञों की टीम मौके पर पहुंच गई है।

गोली मारकर छात्र की हत्या

समस्तीपुर (नबिटा ब्यूरो)। बिहार के समस्तीपुर में शुक्रवार शाम बाइक सवार बदमाशों ने आयुष कुमार (18) की सीने में गोली मारकर हत्या कर दी। घटना केंद्रीय विद्यालय के पीछे की है। युवक की पहचान थाना क्षेत्र के जितवारपुर बुलेचक गांव निवासी अशोक राय के बेटे आयुष कुमार के रूप में की गई है। आयुष इंटर का छात्र था। आयुष बाइक से घर का सामना लाने निकला था। केंद्रीय विद्यालय के पास से गुजरने के दौरान बाइक सवार बदमाशों ने पीछा कर उसे गोली मार दी। स्थानीय लोगों उसे सदर अस्पताल लाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

अप्रैल में बढ़ सकती है बिजली दरें

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड में बिजली की दर में बढ़ोतरी हो सकती है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में बिजली टैरिफ निर्धारित करने को लेकर कार्यवाही शुरू हो गयी है। जानकारी के मुताबिक जेबीवीएनएल ने घरेलू उपभोक्ताओं के बिजली की दरों में प्रति यूनिट दो रुपये बढ़ाने का प्रस्ताव दिया है। वर्तमान में शहरी क्षेत्र के उपभोक्ताओं का बिजली दर 6.65 रुपये प्रति यूनिट है। दो रुपये बढ़ जाने से इसकी दर 8.65 रुपये हो जाएगी। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों के बिजली उपभोक्ताओं की दर भी 6.30 से बढ़ाकर 8 रुपये करने का प्रस्ताव है। झारखंड राज्य विद्युत नियामक आयोग बिजली टैरिफ पर जनसुनवाई की प्रक्रिया आरंभ करेगा। इसकी शुरुआत 19 मार्च को चाईबासा में होगा। इसके बाद 20 को धनबाद, 21 मार्च को देवघर, 24 मार्च को डाल्टेनगंज और 25 मार्च को रांची में जनसुनवाई होगी। 26 मार्च को राज्य विद्युत सलाहकार समिति की बैठक में टैरिफ पर सहमति ली जाएगी। 31 मार्च को नये टैरिफ की घोषणा संभव है, जो 1 अप्रैल 2025 से लागू हो जाएगी। बिजली टैरिफ के अलावा फिक्सड चार्ज भी 100 रुपये प्रतिमाह से बढ़ाकर 200 रुपये करने का प्रस्ताव है। वहीं, ग्रामीण क्षेत्रों का फिक्सड चार्ज भी 75 रुपये से बढ़ाकर 150 रुपये करने का प्रस्ताव है। इसके अलावा डीएस एचटी यानी कि आवासीय कॉलोनी या अपार्टमेंट का बिजली दर भी 6.25 रुपये प्रति यूनिट से बढ़ाकर 9.50 रुपये करने का प्रस्ताव है। वहीं, फिक्सड चार्ज 150 से बढ़ाकर 250 रुपये होगा। वहीं, कमर्शियल उपभोक्ताओं की दर में भी 4.90 प्रति यूनिट की दर से बढ़ेगा।

अमेरिका और कनाडा के बाजारों में बिहार का प्रतिनिधित्व करेंगे सुधा के स्वादिष्ट उत्पाद

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शुक्रवार को एक अणे मार्ग से बिहार स्टेट मिल्क को-ऑपरेटिव फेडरेशन (कॉम्फेड) के उत्पादों के पहले निर्यात खेप को हरी झंडी दिखाई। सुधा घी, गुलाब जामुन और मखाना अब अमेरिका और कनाडा के बाजारों में बिहार का प्रतिनिधित्व करेंगे। कार्यक्रम के दौरान भेजे जानेवाले सामान घी, मखाना एवं गुलाब जामुन का मुख्यमंत्री ने अवलोकन किया। मौके पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि यह बिहार के किसानों और पशुपालकों के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कॉम्फेड को बधाई देते हुए कहा कि यह सिर्फ एक शुरुआत है आने वाले समय में और उत्पादों का निर्यात होगा। इस दौरान पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ0 एन0 विजयालक्ष्मी ने

मुख्यमंत्री को विस्तृत जानकारी देते हुये बताया कि एक वाहन में मखाना और घी को अमेरिका के लिये तथा दूसरे वाहन में गुलाब जामुन को कनाडा के लिये भेजा जा रहा है। यह वाहन समुद्री पोर्ट तक सामानों को पहुंचायेगा। समुद्री पोर्ट से फिर सामान को अमेरिका और कनाडा भेजा जायेगा। उन्होंने बताया कि गुजरात के मुद्रा पोर्ट और कोलकाता पोर्ट से 5700 किलो घी, 500 किलो मखाना और 5000 किलो गुलाब जामुन विदेशों के लिए रवाना किया गया। जबकि 48 लाख रुपए के इस निर्यात खेप में सुधा घी को 1, 5 और 10 किलो के पैक में अमेरिका भेजा जा रहा है। इसके साथ ही सुधा गुलाब जामुन 1 किलो पैक में कनाडा पहुंचेगा। इस दौरान कॉम्फेड के प्रबंध निदेशक राज कुमार ने बताया कि उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार के चलते अब उनकी सेल्फ लाइफ बढ़ गई है। अब सुधा घी 1.5 साल और गुलाब जामुन 1 साल तक ताजा रहेगा। बिहार के दुग्ध उत्पाद और पारंपरिक खाद्य सामग्री अब वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना रहे हैं। कॉम्फेड की इस पहल से बिहार के पशुपालकों और किसानों की आय में वृद्धि होगी, साथ ही प्रदेश के उत्पादों की गुणवत्ता और लोकप्रियता भी बढ़ेगी। कार्यक्रम में पशु एवं मत्स्य संसाधन मंत्री रेणु देवी ने मुख्यमंत्री को पुष्प गुच्छ भेंटकर स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान केन्द्रीय पंचायती राज, पशुपालन, डेयरी और मत्स्य पालन मंत्री राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह, बिहार की पशु एवं मत्स्य संसाधन मंत्री रेणु सिंह, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी, राजस्व मंत्री संजय सरावगी, पर्यावरण मंत्री डॉ. सुनील कुमार और सांसद संजय कुमार झा इत्यादि मौजूद थे।

दोस्त ने दोस्त की हत्या की

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

जमशेदपुर (पूर्वी सिंहभूम)। सरायकेला पुलिस ने शिवम सिंह हत्याकांड का 24 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया है। पुलिस ने दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों में सोनारी निवासी राहुल दास और कपाली निवासी मोहम्मद आसिफ शामिल हैं। सरायकेला एसडीपीओ अरविंद बिन्हा के अनुसार, मृतक शिवम सिंह और आरोपी राहुल दास दोस्त थे। शिवम के भाई की सोनारी मरीन ड्राइव में चाय की दुकान थी। राहुल की भी उसी इलाके में दुकान थी। दुकान को लेकर दोनों में अक्सर विवाद होता था। बुधवार को राहुल ने शिवम को शराब पीने के बहाने कमारगोड़ा के सुनसान इलाके में बुलाया। दोनों ने वहां शराब पी। राहुल ने पहले से रची साजिश के तहत तेज धार चापड़ से शिवम के सिर और गर्दन पर कई वार किए। शिवम की मौके पर ही मौत हो गई।

रांची में दिनदहाड़े कोयला कारोबारी को मारी गोली

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। बरियातू इलाके में दिनदहाड़े एक कोयला कारोबारी पर हमला किया गया है। कोयला कारोबारी बिपिन मिश्रा पर एक दर्जन से ज्यादा गोली चलाई गई है, जिसमें वो घायल हो गए हैं। घायल कोयला कारोबारी को नजदीक के अस्पताल में इलाज के लिए जाया गया है। जानकारी के अनुसार बरियातू थाना क्षेत्र के गवर्नमेंट गर्ल्स हाई स्कूल के पास वाली गली से जैसे ही कोयला कारोबारी बिपिन मिश्रा आगे बढ़े, पहले से घात लगाए अपराधियों ने उन पर अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। बताया जा रहा है कि विपिन मिश्रा को फायरिंग में गोली भी लगी है। वारदात के बाद अपराधी मौके से फरार हो गए, जानकारी मिलने के बाद बरियातू पुलिस मौके पर पहुंच मामले की जांच कर रही है। पुलिस के पहुंचने से पहले ही कोयला कारोबारी के परिजन उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले गए हैं। बता दें कि कोयला कारोबारी विपिन मिश्रा बरियातू इलाके में ही रहते हैं। घर से निकलने के बाद ही उन पर हमला किया गया। कारोबारी के ड्राइवर को भी गोली लगी है। वहीं जवाब में कारोबारी के बॉडीगार्ड ने भी फायरिंग की। राजधानी में दिनदहाड़े हुए इस फायरिंग की वारदात के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। वहीं दूसरी तरफ बरियातू पुलिस गोलीबारी को लेकर जांच में जुट गई है। जिस स्थान पर फायरिंग हुई है। वहां कई सीसीटीवी कैमरे लगे हुए हैं। सभी सीसीटीवी कैमरे पुलिस के द्वारा खंगाला जा रहा है। बरियातू थाना प्रभारी मनोज कुमार ने बताया कि गोलीबारी में एक व्यक्ति घायल हुए हैं, अपराधियों को गिरफ्तार करने के लिए छापेमारी की जा रही है।

साजिशकर्ता की हो चुकी है पहचान : डीजीपी

रांची (नबिटा ब्यूरो)। रांची में दिनदहाड़े कोयला कारोबारी पर जानलेवा हमला से विधि-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। यह मामला आज सदन में भी गूंजा। इस बीच विधानसभा आए सूबे के डीजीपी अनुराग गुप्ता ने स्पष्ट तौर पर कहा है कि कोयला कारोबारी बिपिन मिश्रा पर हमला करने वाले की पहचान हो गई है। जल्द ही इस मामले का खुलासा कर दिया जाएगा। डीजीपी ने बताया कि इंटरनेशनल नंबर से मैसेज आया था। उस नंबर को ट्रेस किया जा रहा है। एक बात साफ है कि इस मामले से गैंगस्टर मयंक सिंह से जोड़कर दिखाने की कोशिश हो रही है, लेकिन पुलिस ने साजिशकर्ता की पहचान कर ली है। जल्द ही पूरे मामले का खुलासा कर दिया जाएगा।

रेलवे सुरक्षा बल की महिला कर्मी मिर्च स्प्रे कैन से होंगी लैस

कोलकाता (नबिटा ब्यूरो)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर भारतीय रेलवे ने महिला रेलवे सुरक्षा बल कर्मियों को मिर्च स्प्रे कैन से लैस करने का निर्णय लिया है। यह गैर-घातक लेकिन प्रभावी उपकरण महिला आरपीएफ कर्मियों को चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों से निपटने में मदद करेगा, विशेष रूप से उन मामलों में जहां वे अकेली यात्रा कर रही महिला यात्रियों या बच्चों के साथ यात्रा कर रही महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित कर रही हों। यह पहल भारतीय रेलवे की लैंगिक समावेशन, महिला सशक्तिकरण और सुरक्षा में सुधार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। मिर्च स्प्रे कैन से लैस होकर महिला आरपीएफ कर्मी खतरों को रोकने, उत्पीड़न की घटनाओं का जवाब देने और आपात स्थितियों को प्रभावी ढंग से संभालने में सक्षम होंगी। यह विशेष रूप से उन संवेदनशील स्थानों में उपयोगी होगा, जैसे कि सुनसान स्टेशन, चलती ट्रेनें और दूरस्थ रेलवे क्षेत्र, जहां तत्काल समर्थन उपलब्ध नहीं हो सकता। इस पहल का समर्थन करते हुए रेलवे सुरक्षा बल के महानिदेशक मनोज यादव ने कहा, ''यह पहल प्रधानमंत्री के महिला सशक्तिकरण और सार्वजनिक स्थानों को सुरक्षित बनाने के दृष्टिकोण के अनुरूप है। भारतीय रेलवे लगातार महिलाओं की यात्रा को सुरक्षित और सुविधाजनक बनाने के लिए कई उपाय कर रहा है। हमारी महिला आरपीएफ कर्मी ताकत, देखभाल और दृढ़ संकल्प का प्रतीक हैं। मिर्च स्प्रे कैन से लैस करके हम उनकी आत्मविश्वास और कार्यक्षमता को बढ़ा रहे हैं, साथ ही यह स्पष्ट संदेश दे रहे हैं कि यात्रियों की सुरक्षा, विशेष रूप से महिलाओं की सुरक्षा, हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।''

सड़क दुर्घटना में तीन बारातियों की मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हिलसा (नालंदा)। गुरुवार की देर रात को एक ही बाइक पर चार लोग सवार होकर पटना के फरीदपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत अररिया गांव में बराती जा रहे थे। इसी दौरान हिलसा के पश्चिमी बाईपास पर बोलेरो एवं बाइक की भीषण टक्कर हो गयी, जिसमें तीन लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, वहीं एक युवक गंभीर रूप से जख्मी हो गया। मृतक की पहचान हिलसा थाना क्षेत्र के पारथु गांव निवासी पप्पू प्रसाद के 20 वर्षीय पुत्र रोहित राज, राजनंदन बिंद के 18 वर्षीय पुत्र दिलशांत कुमार एवं योगेश्वर प्रसाद के 23 वर्षीय पुत्र ओमप्रकाश के रूप में किया गया है। जबकि घायल युवक मनोज राम के 28 वर्षीय पुत्र राकेश कुमार को 112 पुलिस की मदद से इलाज के लिए आनन-फानन में हिलसा के अनुमंडलीय अस्पताल में लाकर भर्ती कराया गया जहां इलाज चल रहा है। सूत्रों के मुताबिक पारथु गांव निवासी दयानंद जमादार के पुत्र शनि कुमार की शादी पटना जिला के फरीदपुर गांव में होनी थी, जहां चारों युवक एक ही बाइक पर सवार होकर बारात में शामिल होने के लिए जा रहे थे। इसी दौरान यह हादसा हुआ है। आक्रोशित

घटना बाद परिजनों ने किया हंगामा

ग्रामीणों एवं परिजनों ने करीब तीन घंटों तक सड़क जाम कर दिया। जिसमें दोनों तरफ गाड़ियों की लंबी कतार लग गई। घटना की सूचना पाकर हिलसा थाना, करायपरसुराय, तेलहाड़ा, एकंगरसराय, चिकसौरा थाना के पुलिस घटनास्थल पर पहुंचे और लोगों को किसी तरह समझा बूझकर जाम को छुड़वाया। शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बिहारशरीफ सदर अस्पताल भेज दिया गया।

FOR REGISTRATION : ISO, TRADE MARK, PATENT
DESIGN AND COPYRIGHT, ATTORNEY
GLOBAL VISION
(A Complete Solution in Professional Services)
Regd. Office/ Head Office :
Manaitand, Near Water Tank
Dhanbad, Jharkhand- 826001
Command Office : Jagat Trade Centre, Patna
Contact No.- 9835333441, 8210823092
E-Mail : globalvision96@yahoo.in

नालंदा में सड़क हादसे में 5 लोगों की मौत

नालंदा, एजेंसी। नालंदा में शुक्रवार की रात 2 अलग-अलग थाना क्षेत्र में शादी समारोह में शामिल होने गए पांच लोगों की सड़क हादसे में मौत हो गई। हादसा एकंगरसराय थाना और हरनौत थाना क्षेत्र में हुई है। जिनमें 3 दोस्त और 2 सगे साढ़ू की मौत हो गई। हिलसा थाना क्षेत्र के बाईपास इलाके में बीती रात शादी समारोह में शामिल होने जा रहे एक ही बाइक पर तीन युवकों की अज्ञात वाहन से कुचल कर मौत हो गई। मृतकों में हिलसा थाना क्षेत्र के पारथु गांव निवासी पप्पू प्रसाद के (20) वर्षीय पुत्र रोहित राज राजनंदन बिन्द के (18) वर्षीय पुत्र दिलशांत कुमार एवं योगेश्वर प्रसाद के (23) वर्षीय पुत्र ओमप्रकाश के रूप में की गई है। घटना के संबंध में परिजन ने बताया कि तीनों युवक एक ही बाइक पर सवार होकर गांव से निकली बारात में शामिल होने के लिए पटना के फरीदपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत अरैया गांव जा रहे थे। इसी बीच हिलसा थाना क्षेत्र के बाईपास इलाके में अज्ञात बोलेरो ने टक्कर मार दी। इस हादसे में तीनों युवक की मौके पर ही मौत हो गई। दिलशांत कुमार क्लास 9वीं क्लास में ओम प्रकाश ग्रेजुएशन पार्ट 3 में जबकि रोहित राज ग्रेजुएशन के पार्ट वन में पढ़ाई कर रहा था।

ऑटो और कार की टक्कर में हुई मौत

वहीं, दूसरी तरफ सीएनजी ऑटो और कार के बीच टक्कर हो गई। जिसके बाद दोनों गाड़ियां करीब 30 फीट नीचे गहरी खाई में चली गई। इस हादसे में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मामला हरनौत थाना क्षेत्र अंतर्गत गोनावां पुल के समीप की है। मृतकों की पहचान नूरसराय थाना क्षेत्र के मेयार गांव निवासी स्वर्गीय सरयुग पासवान के (58) वर्षीय पुत्र राम प्रवेश पासवान एवं पटना जिला के सकसोहरा थाना क्षेत्र निवासी स्वर्गीय बच्चू पासवान के (50) वर्षीय पुत्र विवेक कुमार के रूप में की गई है। दोनों रिश्ते में साढ़ू लगते हैं।

घटना के बाद मौके से चालक फरार

घटना के संबंध में परिजन ने बताया कि हरनौत थाना क्षेत्र के बलवापर गांव से शादी समारोह में शामिल होकर ऑटो पर सवार होकर दोनों व्यक्ति लौट रहे थे। तभी गोनावां पुल के समीप कार ने टक्कर मार दी। मौके से ऑटो चालक और कार सवार फरार हो गया। जबकि पानी में डूब कर रामप्रवेश पासवान और विवेक कुमार की मौत हो गई। विवेक कुमार गांव में ही सरकारी शिक्षक के पद पर कार्यरत थे। अंधेरा होने और पुल के समीप पानी ज्यादा होने के कारण शवों को बाहर निकालने में पुलिस को काफी मशक्कत का सामना करना पड़ा। गाड़ी नंबर और पॉकेट में मिले पहचान पत्र के आधार पर मृतक के परिजनों को घटना की जानकारी पुलिस के द्वारा दी गई।

परिजनों से मिलने पहुंचे सांसद

जिले में एक ही रात सड़क हादसे में पांच लोगों की मौत की सूचना मिलने के उपरांत नालंदा सांसद कौशलेंद्र कुमार सदर अस्पताल पहुंचे और परिजनों को दुख की घड़ी में ढांढस बंधाया। इस मामले में हरनौत थाना अध्यक्ष अमरदीप कुमार ने बताया कि राहगीरों के द्वारा घटना की जानकारी गश्ती पुलिस को दी गई। जिसके उपरांत पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और पानी से शव को बाहर निकाला गया।

बेगूसराय में बोलेरो पलटने से एक की मौत, कई घायल

बेगूसराय, एजेंसी। बेगूसराय में एनएच-31 फोरलेन पर देर रात बारात जा रही बोलेरो अनियंत्रित होकर गड्ढे में पलट गई। इस हादसे में एक बराती की मौत हो गई, वहीं आधा दर्जन बराती गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना लाखो थाना क्षेत्र में शाहपुर टोल प्लाजा के समीप की है। मृतक की पहचान वीरपुर थाना क्षेत्र के बखतपुर निवासी राम शकल महतो के पुत्र राहुल कुमार (16) के रूप में हुई है। घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि राहुल कुमार अपने छह दोस्तों के साथ बोलेरो पर सवार होकर बेगूसराय से लखीसराय बारात जा रहा था। इसी दौरान तेज रफ्तार बोलेरो शाहपुर के समीप सामने से आ रहे गाड़ी से चकमा खाकर गड्ढे में पलट गई।

10 फीट नीचे गड्ढे में पलट गई गाड़ी : जिसके कारण एनएच किनारे गड्ढे में पलटते हुए बिजली की पोल से टकराकर क्षतिग्रस्त हो गया। इतना जबरदस्त था कि बोलेरो 10 फीट नीचे गड्ढे में पलट गया। जिसमें राहुल बोलेरो के नीचे दब गया, जिससे उसे काफी देर तक नहीं निकाला जा सका और उसकी मौत हो गई। जबकि अन्य बाराती को स्थानीय लोगों की मदद से निकाल कर इलाज के लिए भेजा गया। इसके बाद स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना लाखो थाना को दी। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची लाखो थाना की पुलिस ने जेसीबी के माध्यम से बोलेरो को गड्ढे से निकाला तथा शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा जा सका। फिलहाल घटना के बाद परिजनों में कोहराम मचा हुआ है।

संक्षिप्त समाचार

मिड-डे मील रसोइयों से रिश्वत मांगने का आरोप

मोतिहारी में प्रधानाध्यापिका पर 5-5 हजार रुपए मांगने का आरोप, ग्रामीणों ने किया विरोध

मोतिहारी, एजेंसी। मोतिहारी में एक सरकारी स्कूल की प्रधानाध्यापिका पर रिश्वत मांगने का गंभीर आरोप लगा है। कल्याणपुर प्रखंड के राजकीय बुनियादी विद्यालय, माधोपुर गोविंद की घटना है। प्रधानाध्यापिका उषा देवी पर तीन महिला रसोइयों से 5-5 हजार रुपए की मांग का आरोप है। रसोइयों के मुताबिक, ढाई महीने पहले उनकी नियुक्ति हुई थी। इस दौरान न तो उन्हें कोई भुगतान मिला और न ही उनके कागजात मुख्यालय में जमा कराए गए। पैसे नहीं मिलने पर प्रधानाध्यापिका ने तीनों रसोइयों - शोभा देवी, मनीता देवी और सीमा देवी के नियुक्ति संबंधी कागजात वापस लौटा दिए। इससे नाराज ग्रामीणों ने स्कूल में विरोध प्रदर्शन किया। प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी तारनी कुमार दास ने मामले की जांच शुरू कर दी है। उन्होंने पाया कि स्कूल में मध्यान्ह भोजन पंजी खाली थी और कई दिनों से अपडेट नहीं की गई थी। ग्रामीणों ने रसोइयों की नियुक्ति से जुड़े दस्तावेज भी शिक्षा अधिकारी को सौंपे हैं। मामले की शिकायत एसडीओ कार्यालय में भी दर्ज कराई गई है।

पटना में शराब लदी कार ने 5 बारातियों को कुचला

चश्मदीद बोले- किसी का पैर टूटा तो किसी का कमर

पटना, एजेंसी। बिहार में होली को लेकर शराब माफिया शराब की तस्करी खूब कर रहे हैं. इसी कड़ी में पटना के फुलवारीशरीफ में शराब तस्कर की बेलगाम तेज रफ्तार कार से बड़ा हादसा हुआ. देर रात पटना एम्स गोलंबर के पास एक तेज रफ्तार कार ने बारातियों के वाहन में टक्कर मार दी. इस घटना में पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए. पटना में शराब तस्कर गिरफ्तारः घायलों को तुरंत एक निजी नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है. मौके पर मौजूद बाराती धीरेंद्र कुमार ने कहा कि हादसे के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए कार का पीछा कर पकड़ लिया. एक तस्कर को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. बताया जा रहा है कि कार में दो नंबर प्लेट है. जो जांच में बिहार और झारखंड का नंबर प्लेट पता चला है. कार में भारी मात्रा में अवैध शराब भरी हुई थी. बाराती धीरेंद्र कुमार ने बताया कि ÷एक अवैध शराब से लदी कार ने बारातियों से भरी गाड़ी में टक्कर मार दी है, जिससे पांच लोग बुरी तरह घायल हो गए हैं. किसी के पैर टूट गए तो किसी का कमर टूट गया. कार से पुलिस ने भारी मात्रा में शराब बरामद की है.

बेगूसराय में लगेगा रंग कर्मियों का मेला: 21 से 26 मार्च तक आयोजित होगा राष्ट्रीय नाट्य महोत्सव, महाराष्ट्र

नई दिल्ली और पश्चिम बंगाल से पहुंचेंगे कलाकार

बेगूसराय, एजेंसी। बिहार में रंगकर्म और साहित्य की राजधानी कहे जाने वाले बेगूसराय में एक बार फिर देशभर के विभिन्न हिस्सों के रंग कर्मियों का मेला लगने जा रहा है। बेगूसराय में यह मेला राष्ट्रीय नाट्य महोत्सव को लेकर लगेगा। दरअसल जिला मुख्यालय के दिनकर भवन में 21 से 26 मार्च तक दसवां आशीर्वाद राष्ट्रीय नाट्य महोत्सव का आयोजन होने जा रहा है।जिसमें बेगूसराय ही नहीं, महाराष्ट्र, नई दिल्ली और पश्चिम बंगाल सहित अन्य जगहों की नामचीन संस्थाओं द्वारा 6 नाटकों की प्रस्तुति की जाएगी। कार्यक्रम की तैयारी अंतिम चरण में है। फेस्टिवल डायरेक्टर अमित रोशन ने बताया कि 21 मार्च की शाम देश के चर्चित नाट्य निदेशक और समीक्षकों की उपस्थिति में दिनकर भवन में नाटय समारोह का शुभारंभ होगा।

कार्यक्रम का स्वरूप

पहले दिन बेगूसराय के आशीर्वाद रंग मंडल द्वारा डॉ. अमित रोशन के निर्देशन में मृणाल ठाकुर लिखित नाटक पश्मीना का मंचन कर इस राष्ट्रीय महोत्सव का आगाज किया जाएगा। दूसरे दिन 22 मार्च को यूनिकॉर्न थिएटर नई दिल्ली द्वारा हैप्पी रंजीत के निर्देशन में ऑल माय सन नाटक का मंचन किया जाएगा। तीसरे दिन 23 मार्च को पश्चिम बंगाल की चर्चित नाट्य संस्था कोलकाता के हजारा वाला टीम द्वारा साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित लेखक चंदन सेन के निर्देशन में अनिकेत संध्या नाटक का मंचन किया जाएगा। चौथे दिन 24 मार्च को रंग सृजन बेगूसराय द्वारा सचिन कुमार के निर्देशन में प्रदीप बिहारी लिखित मैथिली नाटक कांट का मंचन होगा। पांचवें दिन 25 मार्च को रागा पटना द्वारा रंधीर कुमार के निर्देशन में ऋषिकेश सुलभ लिखित नाटक स्मॉल टाउन जिंदगी का मंचन होगा। समारोह के अंतिम दिन 26 मार्च को महाराष्ट्र के स्वतंत्र थियेटर पुणे द्वारा अभिजीत चौधरी के निर्देशन में हमीदा बाई की कोठी नाटक का मंचन किया जाएगा। इसके साथ-साथ देशभर में ख्याति प्राप्त नाट्य निदेशक, नाट्य समीक्षक, फिल्म अभिनेता के आने की स्वीकृति मिली है। सभी लोग 6 दिन यहीं रहेंगे, नाटक देखेंगे। राष्ट्रीय नाट्य समारोह के माध्यम से बेगूसराय के दर्शक देशभर के रंग संस्कृति से परिचित होंगे। बेगूसराय में लंबे समय से रंग आंदोलन और रंग प्रदर्शन होते रहा है। 1996 में आशीर्वाद रंग मंडल से जुड़े और देश के विभिन्न शहरों में जाकर नाट्य समारोह देखने जाते थे। तभी इच्छा जगी थी कि किस तरह से अन्य प्रदेशों और राजधानियों में विभिन्न राज्यों की नाट्य संस्थाएं नाटक करती है। संसाधन मिला तो हम भी बेगूसराय के रंग दर्शकों को अलग-अलग राज्यों के नाट्य दर्शकों को मंचन दिखाएंगे। इसके बाद 2010 में बेगूसराय में पहली बार आशीर्वाद रंग मंडल द्वारा राष्ट्रीय नाट्य समारोह की शुरूआत किया गया। उसके बाद से हमारा यह प्रयास लगातार जारी है। बीच में कोरोना सहित कुछ बाधाएं आई और अब 10वें राष्ट्रीय नाट्य महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है।

हिंदू-मुस्लिम के नाम पर बंटवारा करा रही कांग्रेस-राजद

हाजीपुर (वैशाली), एजेंसी। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान गुरुवार की देर रात हाजीपुर पहुंचे। जहां उन्होंने कांग्रेस और राजद पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि ये पार्टियां समाज में हिंदू-मुस्लिम के नाम पर बंटवारा करवा रही हैं। चिराग पासवान ने कहा कि इन पार्टियों के लिए सेक्युलरिज्म का मतलब सिर्फ तुष्टिकरण की राजनीति है। वे एक धर्म विशेष के लोगों की वाह-वाही करते हैं और उनकी गलतियों पर पर्दा डालते हैं। उन्होंने कहा कि राजद, सपा और कांग्रेस ने हिंदू-मुस्लिम के नाम पर तुष्टीकरण करके देश और समाज का नुकसान किया है। प्रशांत किशोर के राघोपुर से चुनाव लड़ने के सवाल पर उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति स्वतंत्र है। जनता को ही फैसला करना है। शराबबंदी के मुद्दे पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि गठबंधन में पहले से ही ताड़ी और नीरा को शराब की श्रेणी से हटाने की मांग की जा रही है। बिहार फर्स्ट बिहारी फर्स्ट की सरकार बनने पर इसे गंभीरता से लागू किया जाएगा। बता दें कि चिराग पासवान हाजीपुर में एक पत्रकार की बेटी की शादी में भी शामिल हुए और उन्हें आशीर्वाद दिया।

प्रशांत किशोर की राह पर तेजस्वी यादव! बोले- सरकार में आते ही ताड़ी से प्रतिबंध हटा देंगे

पटना, एजेंसी। बिहार विधानसभा में विरोधीदल के नेता और पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने जहां एक ओर युवाओं को भरोसा दिलाया है कि उनकी सरकार बनने पर बिहार में 100 प्रतिशत डोमिसाइल नीति लागू होगा. वहीं दूसरी तरफ तेजस्वी यादव ने आज घोषणा करते हुए कहा कि उनकी सरकार बनने पर बिहार में ताड़ी पर लगा प्रतिबंध खत्म होगा.

ताड़ी से हटाएंगे प्रतिबंध

तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार में पासी समाज के लोगों का मुख्य पेशा ताड़ी से जुड़ा हुआ है. पासी समाज की आय का मुख्य साधन ताड़ी है. तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार में शराबबंदी के बाद ताड़ी की खरीद-बिक्री पर भी रोक लगा दिया गया था. उनकी सरकार बनने के बाद 2016 जो ताड़ी पर प्रतिबंध लगाया गया उसको हटाने का काम किया जाएगा. तेजस्वी यादव ने कहा कि हमलोग बिहार में शराबबंदी के खिलाफ नहीं है, लेकिन ताड़ी एक नेचुरल प्रोडक्ट है. तारी के रोजगार से पासी समाज के लोग कई पीढ़ियों से जुड़े हुए हैं. इसलिए उन लोगों का दर्द है कि इस व्यवसाय से उन लोगों को नहीं हटाया जाए. यही कारण है कि हमलोगों ने यह निर्णय लिया है कि हमारी सरकार बनने के बाद ताड़ी पर लगाया गया प्रतिबंध हटाया जाएगा. जब लालू प्रसाद की सरकार थी तो बिहार में तारीख को टैक्स फ्री किया गया था.

जहरीली शराब से लोगों की मौत : तेजस्वी यादव ने आरोप लगाया कि शराबबंदी के बाद 2000 से अधिक लोग जहरीली शराब पीने से मारे गए हैं. तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार में कानून व्यवस्था नाम की चीज नहीं रह गई है. नीतीश कुमार अचेत अवस्था में चले गए हैं.

शराबबंदी के बाद बिहार में 12 लाख 39 हजार से अधिक लोगों की गिरफ्तारी हुई है. इसमें 90प्रतिशत से अधिक लोग अति पिछड़ा एवं दलित समाज के लोगों को गिरफ्तार किया गया है. 8 लाख 47 हजार 907 मामला दर्ज किया गया है. दर्ज मामले के आधार पर गणना की जाए तो 400 से अधिक लोगों की प्रतिदिन गिरफ्तारी हो रही है. हर घंटे 8 लोगों की गिरफ्तारी हो रही है.

बिहार में अपराधियों की बहार है

तेजस्वी यादव ने कहा कि सदन में जब वह बोल रहे थे तो मुख्यमंत्री सदन से गायब थे. जब मैं मुख्यमंत्री से पूछा कि आपका मंत्रियों का नाम आपको मालूम है क्या आपको अपने उपमुख्यमंत्री का नाम मालूम है. इस पर कोई जवाब नहीं. तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार में अपराधियों की बहार है. खुद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अपराधियों को जेल से छुड़वाने का काम करते हैं.

एजेंडा में युवा और रोजगार

तेजस्वी यादव ने कहा कि वे बिहार में नौकरी, पलायन, बेरोजगार नौजवानों के लिए फ्री में फॉर्म भरने की बात कही है. तेजस्वी यादव ने कहा कि वह पेपर लीक की बात उठा रहे हैं. नीतीश कुमार पर निशाना चाहते हुए तेजस्वी यादव ने कहा कि 2005 से पहले न चांद था न तारा था. न दिन होती थी ना रात होती थी. तेजस्वी यादव ने कहा कि उन्होंने दो बार नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री बनाने में मदद की. जहां तक लालू प्रसाद का सवाल है तो लालू प्रसाद ने देश में कई प्रधानमंत्री को बनाया है.

मैं किसी पार्टी का नहीं, हिंदुत्व का विचारक हूं, 8 मार्च को लगेगा दिव्य दरबार: धीरेंद्र शास्त्री

गोपालगंज, एजेंसी। गोपालगंज में धीरेंद्र शास्त्री हनुमंत कथा कर रहे हैं। 5 दिवसीय कथा का आज दूसरा दिन है। आज करीब 40 से 50 हजार भीड़ जुटने की उम्मीद जताई जा रही है। बाबा का कथा सुनने के लिए 100 किमी दूर छपरा, सीवान से भक्त यहां आ रहे हैं। कथा के पहले दिन धीरेंद्र शास्त्री ने कहा, मेरे बिहार आने से बहुत लोगों के पेट में दर्द हो रहा है। लेकिन मैं किसी पार्टी का विचारक नहीं हूं, मैं हिंदुत्व का विचारक हूं। यह राम का देश है। यदि यहां कथा नहीं सुना सकते तो फिर कहां सुनाएंगे? जब तक मेरे तन में प्राण हैं, मैं हिंदुओं के लिए जीऊंगा और हिंदुओं के लिए ही मरूंगा।

बिहार हमारा है, जब तक जिंदा हूं, तब तक बिहार आऊंगा : उन्होंने आगे कहा, बिहार हमारा है, जब तक जिंदा हूं, तब तक बिहार आऊंगा। मुझे कोई बिहार आने से रोकेगा तो यहां मठ बना लूंगा। घर बना लूंगा। मार दोगे तो फिर बिहार में जन्म लूंगा। छेड़ोगे तो छोड़ूंगा नहीं। ठठरी के बरे, नकटा, मूसरचंक, हलवानाथ तुम्हारे बाप का देश है जो मुझे मारेगे।

8 मार्च को लगेगा दिव्य दरबार : पंडित धीरेंद्र शास्त्री 5 दिन के बिहार दौरे पर हैं। गुरुवार को गोपालगंज में उनकी हनुमंत कथा का पहला दिन था। शाम करीब सवा 5 बजे के बाद कथा शुरू हुई थी। धीरेंद्र शास्त्री कल यानी की 8 मार्च को गोपालगंज में दिव्य दरबार लगाएंगे, इसमें करीब 70 हजार से 1 लाख तक भीड़ जुटने की उम्मीद है।

पंडाल में 2 लाख लोगों के बैठने की क्षमता : बागेश्वरी धाम के धीरेंद्र शास्त्री 10 मार्च तक बिहार में रहेंगे। धीरेंद्र शास्त्री गोपालगंज के भोरे प्रखंड स्थित राम जानकी मठ में हनुमंत कथा कर रहे हैं। दोपहर के 3 बजे से कथा की शुरुआत हो रही है। 60 एकड़ में इसके लिए पंडाल बनाया गया है। जिसमें 2 लाख लोग एक साथ बैठने की व्यवस्था है।

5 जगहों पर पार्किंग की व्यवस्था : पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की कथा को लेकर कथा स्थल के आसपास 5 जगह पर पार्किंग की व्यवस्था की गई है। इसमें राधागंज मठ, सईया देवी मंदिर (मध्य विद्यालय राधागंज), लखराव फिल्ड, कल्याणपुर स्कूल शामिल हैं। वीआईपी के लिए पार्किंग की व्यवस्था बारह बीघा मैदान में की गई है। इसके अलावा पप्पू कुमार के खेत सईया देवी मंदिर के सामने पेड पार्किंग की व्यवस्था होगी।

मधेपुरा जेल अधीक्षक पर प्रताड़ना का आरोप

मधेपुरा, एजेंसी। मधेपुरा मंडल कारा के जेल अधीक्षक संजय कुमार के खिलाफ मानसिक रूप से प्रताड़ित करने और गाली-गलौज के गंभीर आरोप लगे हैं। इस मामले में अब सबकी नजरें जांच टीम पर टिकी हैं। डीएम तरनजोत सिंह ने जिला आपूर्ति पदाधिकारी, अनुमंडल पदाधिकारी और अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी को जांच कर रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए हैं। जांच टीम के अध्यक्ष डीएसओ शंकर शरण ने बताया कि उन्हें गुरुवार को जांच से संबंधित पत्र प्राप्त हुआ है और एक सप्ताह के भीतर रिपोर्ट प्रस्तुत की जाएगी। दरअसल, जेलर संजय कुमार गुप्ता और जेल चिकित्सक डॉ. सुशील कुमार सहनी ने मानसिक प्रताड़ना के आरोप लगाते हुए डीएम, एसपी, मानवाधिकार आयोग और पीएमओ तक अपनी शिकायत भेजी है। जेलर संजय गुप्ता का कहना है कि जेल अधीक्षक उनको बेवजह प्रताड़ित करते हैं। अधीनस्थ कर्मियों के सामने जलील करते हैं। संजय गुप्ता ने बताया कि लगातार प्रताड़ना के कारण उन्हें अपनी जान का खतरा महसूस हो रहा है। उन्होंने बताया कि 15 फरवरी को जेल अधीक्षक ने उन्हें आवास पर बुलाकर इतना दुर्व्यवहार किया कि उन्हें हार्ट अटैक आ गया। इसके बाद उन्हें मेडिकल कॉलेज के आईसीयू में भर्ती कराना पड़ा। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक ऑडियो में जेल अधीक्षक किसी को कह रहे हैं कि अगर जेलर मेरे ऑफिस में आए तो उसे धक्का देकर बाहर निकाल दो। ऑडियो में जेलर को भद्दी-भद्दी गलियां देते हुए भी सुना जा सकता है। इस मामले पर जेल अधीक्षक संजय कुमार ने कहा कि यह जांच का विषय है। जांच के बाद मामला क्लियर हो जाएगा।

भोजपुर में पिता-पुत्री को युवकों ने पीटा:जख्मी ने लगाया मारपीट और छेड़खानी का आरोप

आरा(भोजपुर), एजेंसी। भोजपुर जिले के गजराजगंज ओपी क्षेत्र के बरगही गांव में गुरुवार को छेड़खानी का विरोध करने पर गांव के युवकों ने पिता-पुत्री की जमकर पिटाई कर दी गई। जिससे दोनों गंभीर रूप से जख्मी हो गए।इसके बाद अन्य लोगों के बीच बचाव

अस्पताल में इलाज जारी

के बाद डायल 112 नंबर पुलिस वाहन द्वारा उन्हें इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया। जानकारी के अनुसार ज़ख्मियों में गजराजगंज ओपी क्षेत्र के बरगही गांव निवासी 50 वर्षीय भगवान महतो एवं 18 वर्षीया उनकी पुत्री जया कुमारी है।

पिता-पुत्री को युवकों ने पीटा : जया कुमारी ने बताया कि गांव के ही कुछ युवक के उसके साथ बराबर टोन बाजी और छेड़खानी करने की कोशिश करते थे लेकिन कर नहीं पाते थे। गुरुवार की शाम जब वह अपने दरवाजे पर बैठी थी। तभी उक्त युवक अपने अन्य साथियों के साथ वहां आए और उसके साथ छेड़खानी करने लगे।

जब उसने इसका विरोध किया तो उनके द्वारा उसकी जमकर पिटाई कर दी गई। घटना की सूचना पाकर जब उसके पिता भगवान महतो बीच बचाव करने गए तो उक्त युवकों उनकी भी पिटाई कर दी।

युवती के सिर पर गहरा निशान : बदमाश युवकों ने पित-पुत्री को काफी देरी तक बेहरमी से पिटाई करते रहे। युवकों ने युवती के सिर पर काड़ा से मारकर जख्मी कर दिया है। वहीं, ऑन ड्यूटी चिकित्सक अमन ने बताया कि युवती के ललाट पर जख्म का गहरा निशान था जबकि उसके पिता के शरीर में चोट के निशान थे।

दूसरी तरफ जख्मी जया कुमारी ने गांव के ही संदीप,सुधीर,सुजीत,अंकुश एवं विशाल सहित उनके साथ रहे अन्य दोस्तों पर छेड़खानी का विरोध करने पर काड़ा एवं डंडों से मारकर खुद को एवं अपने पिता को जख्मी करने का आरोप लगाया है। बाहर पुलिस अपने स्तर से मामले की छानबीन कर रही है।

रोसरा विधायक ने सदन में जिले के लिए रखी मांग:सदन में क्रिकेट और फुटबॉल स्टेडियम का उठाया मुद्दा

समस्तीपुर, एजेंसी। समस्तीपुर जिले के रोसरा विधानसभा क्षेत्र के भाजपा विधायक वीरेंद्र कुमार ने विधानसभा के बजट सत्र के दौरान शिवाजीनगर प्रखंड के जाखर धरमपुर पंचायत में क्रिकेट स्टेडियम एवं फुटबॉल स्टेडियम बनाने की मांग रखी। विधायक बीरेंद्र कुमार ने कहा कि जाखर धरमपुर पंचायत में क्रिकेट एवं फुटबॉल मैदान के लिए पर्याप्त जगह है। जहां पर स्टेडियम बनाया जा सकता है स्टेडियम बनाने से इस इलाके में खेल को बढ़ावा मिलेगा जिससे ग्रामीण प्रतिभाएं उभर कर सामने आएगी। उन्होंने कहा कि पंचायत की आबादी करीब 15 हजार के आसपास है लेकिन यहां स्टेडियम की अभाव है। क्रिकेट स्टेडियम और फुटबॉल स्टेडियम बन जाने से जाखर धरमपुर पंचायत सहित आसपास के पंचायत एवं गांव के लोगों को फायदा मिलेगा। स्टेडियम बन जाने से युवाओं के लिए काफी लाभदायक होगा। रोसड़ा विधायक बीरेंद्र कुमार ने विधानसभा सत्र में एनएच 527 ई रोसड़ा रामनगर दरभंगा एवं पटना पूर्णिया एक्सप्रेसवे पर औद्योगिक परिक्षेत्र विकसित करने की भी मांग की। विधायक बीरेंद्र कुमार ने कहा कि जनहित के मुद्दे को लगातार सदन में उठाने का काम करते हैं और उन्होंने कहा की समस्याओं का निराकरण भी कराते हैं। इस पहल का भाजपा पूर्व प्रदेश महामंत्री सुशील कुमार चौधरी, पूर्व जिला मंत्री सह विधायक प्रतिनिधि शिवाजीनगर अनिल कुमार सिंह, पश्चिमी मंडल अध्यक्ष संतोष कुमार बबली, पूर्वी मंडल अध्यक्ष ललित कुमार झा, भाजपा कार्यकर्ता नवीन कुमार सिंह, समेत अन्य लोगों के प्रति आभार प्रकट किया।

Page 3_16.12..2018 PAGE-04.qxd 07-03-2025 21:46 Page 1

दलित एडवाइजरी कांउसिल गठन के लिए

सीएम एवं मंत्रियों को नेताओं ने दी बधाई

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। दलित एडवाइजरी काउंसिल अनुसूचित जाति परामर्शदात्री परिषद गठन करने के लिए झारखंड के दलित नेताओं ने मुख्यमंत्री से मिलकर उन्हें बधाई दी। इस अवसर पर दलित नेताओं ने कहा कि झारखंड में 15% आबादी वाले दलित समुदायों ने अपने सामाजिक विकास के लिए दलित एडवाइजरी कांउसिल गठन करने की मांग लगातार करते आ रहे हैं। हेमंत सोरेन की सरकार ने उनकी मांगों को पूरा करने का संकल्प दिखाया है।

दलित नेताओं ने कहा है कि कांउसिल गठन करने में झारखंड सरकार के वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर जी कांग्रेस पार्टी के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष बंधु तिर्की ने अहम भूमिका निभाई है। दलित नेताओं ने विधानसभा स्थित मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की के कार्यालय में सामूहिक रूप से मिल कर उन्हें फूल माला बुके देकर शाल ओढ़ाकर पगड़ी बांधकर स्वागत किया और उन्हें बधाई दी। नेताओं ने कहा कि झारखंड निर्माण के 24 साल के बाद सरकार ने अनुसूचित जातियों के विकास के लिए अपना पहला कदम बढ़ाया है। अनुसूचित जातियों के विकास के लिए संवैधानिक अधिकार और सरकार की कई योजना बनाई है। मगर झारखंड में यह कहीं दिखाई नहीं देती है। इस कारण से झारखंड में अनुसूचित जाति हसीए पर खड़ा है। नेताओं ने आशा व्यक्त की है कि अब झारखंड में अनुसूचित जातियों के विकास के लिए योजना पद तरीके से कार्य किए जाएंगे। बधाई देने वालों में प्रमुख रूप से भीम कुमार, सोरेन राम, गणेश रवि, रामचन्द्र राम,इंदिरा देवी, पंकज कुमार, विभाष चंद्र, कौशल पासवान, किशोर नायक, दामोदर वाल्मीकि शामिल थे।

आश्रम में साधु सहित दो की हत्या

रांची। चान्हो इलाके में स्थित आनंद मार्ग में बुधवार की रात लूटपाट करने पहुंचे अपराधियों ने साधु मुकेश साह और राजेंद्र यादव की गोली मारकर हत्या कर दी। इस मामले में चार आरोपित जितेंद्र यादव, अरविंद यादव, सूरज पाहन और अफरोज अंसारी को गिरफ्तार किया है। दो अन्य अपराधियों की तलाश में पुलिस छापामारी कर रही है। पुलिस का कहना है कि आनंद मार्ग आश्रम में दोनों मृतकों के शव को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेजा गया है। मुकेश साह बिहार के आरपी रोड खलीफाबाग भागलपुर का रहने वाला था। राजेंद्र यादव बुढ़मू थाना क्षेत्र के साड़म गांव का रहने वाला था। रात साढ़े ग्यारह बजे बाइक पर सवार होकर अपराधी आश्रम पहुंचे थे। अपराधियों के द्वारा पहले राजेंद्र को गोली मारी गई, इसके बाद मुकेश साह को गोली मार दी गई। राजेंद्र को तीन गोली मारी गई हैं, जबकि मुकेश को एक गोली मारी गई है। राजेंद्र यादव कुछ दिनों से आश्रम में साधु मुकेश साह के साथ ही रहता था। घटना के वक्त दोनों मृतक आश्रम की दूसरी मंजिल में साथ में थे।

जिला परिषद की बैठक में कई मुद्दों पर बनी सहमति

▸ जिला परिषदीय आवंटित दुकानों का किराया में 5 प्रतिशत की बढ़ोतरी ▸ लम्बी अवधि से दुकानों का किराया जमा नहीं करने वालों का आवंटन होगा रद्द ▸ प्रखंड मुख्यालयों में गेस्ट हाउस एवं सतबरवा में मैरेज हॉल का होगा निर्माण ▸ बैठक में राजस्व संग्रहण एवं जनहित के कई एजेंडा पर हुआ निर्णय

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। जिला परिषद बोर्ड की बैठक आज समाहरणालय स्थित उप विकास आयुक्त सभागार में हुई। इसकी अध्यक्षता जिला परिषद अध्यक्ष प्रतिमा कुमारी ने की। बैठक में गत बैठक के अनुपालन की समीक्षा की गई। साथ ही विभागवार समीक्षा के दौरान राजस्व संग्रहण एवं जनहित के कई एजेंडों पर निर्णय लिए गए। बोर्ड की बैठक में लम्बी अवधि से दुकानों का किराया जमा नहीं करने पर आवंटियों का आवंटन रद्द करने तथा बकाया किराया वसूली हेतु सर्टिफिकेट केश दर्ज करने का प्रस्ताव पारित किया गया। साथ ही पुराना/जर्जर दुकानों/ भवनों की मरम्मति कराने के साथ शटर बदलने एवं दुकानों के सामने चारदीवारी तुड़वाने पर चर्चा की गई। ग्रामीण क्षेत्रों में बीपीएमएस अंतर्गत जिला परिषद स्तर से नक्शा स्वीकृति हेतु नोटिस भेजने पर निर्णय लिया गया। जिला परिषदीय आवंटित दुकानों का किराया प्रत्येक वर्ष 5 प्रतिशत बढ़ोतरी करने पर निर्णय लिया गया। दुकानों का किराया 1 जनवरी 2018 से अपरिवर्तित है। जिला परिषद कर्मी द्वारा किराया वसूली हेतु प्रखंड भ्रमण पर यात्रा भत्ता एवं चाय-नाश्ता हेतु भत्ता स्वीकृति की गयी।

आंगनबाड़ी केन्द्र भवन निर्माण में स्थल विवाद से अच्छादित योजनाओं के समय वृद्धि का प्रस्ताव पारित किया गया। विदित हो कि वर्तमान में करीब 50 आंगनबाड़ी केन्द्र योजनाओं में स्थल विवाद चल रहा है। इसके निस्तारण हेतु अंचल एवं समाज कल्याण विभाग द्वारा समेकित प्रयास किया जा रहा है।

15वें वित्त आयोग मद की 2020-21 एवं 2021-22 की शून्य प्रगति वाले योजनाओं को रद्द करने हेतु माननीय पार्षद से पुनः आवेदन मांगे गये हैं, जिनपर आवेदन प्राप्त है, को रद्द करने का प्रस्ताव पास किया गया। जिला परिषद में अनुमंडल स्तर पर 3 एवं विश्रामपुर में 1 कुल 4 मोक्ष वाहन क्रय करने पर स्वीकृति प्रदान की गयी। जिला परिषद में 1 रात्री प्रहरी रखने तथा एक जेसीबी क्रय करने का प्रस्ताव पारित किया गया। बताया गया कि किसी काम के लिए प्राइवेट से जेसीबी लेकर कार्य कराना पड़ता है। इसमें अत्यधिक राशि खर्च होती है। अपना जेसीबी होने से कार्य कराने में आसानी होगी। विभिन्न जिला परिषदीय इकाईयों के निर्माण हेतु स्वीकृति प्रदान की गयी। वहीं हैदरनगर में व्यवसायिक इकाई, प्रखंड मुख्यालयों में गेस्ट हाउस, सतबरवा में मैरेज हॉल पीपीटी मोड में दुकान, व्यवसायिक भवन निर्माण, मार्केट कम्पलेक्स एवं स्वागत द्वार निर्माण का निर्णय लिया गया। बैठक में अनुपस्थित पदाधिकारियों से स्पष्टीकरण एवं अनुपस्थित पदाधिकारियों के साथ अप्रैल माह में अलग से बैठक कराने का निर्णय लिया गया।

बैठक में जिला परिषद अध्यक्ष प्रतिमा कुमारी, जिला परिषद उपाध्यक्ष आलोक कुमार सिंह सहित जिला परिषद के सदस्य एवं मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी-सह-उप विकास आयुक्त शब्बीर अहमद, कार्यपालक पदाधिकारी-सह जिला पंचायती राज पदाधिकारी विनय कुमार श्रीवास्तव सहित विभिन्न विभागों के संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा में उपायुक्त ने दिए कई निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूँटी। आज सभागार में उपायुक्त लोकेश मिश्रा की अध्यक्षता में स्वास्थ्य विभाग के कार्यों की समीक्षा बैठक की गई। बैठक में समीक्षा के दौरान सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में चिकित्सक अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने, अस्पतालों में साफ सफाई को प्राथमिकता देने, वीएचएसएनडी डे का सफल आयोजन करने, मरीजों को आयुष्मान कार्ड का लाभ दिए जाने, एमटीसी बेड का शत प्रतिशत ऑक्यूपेंसी, आयुष्मान कार्ड निर्माण, एम्बुलेंस का बेहतर संचालन समेत अन्य कार्य सुनिश्चित करने समेत अन्य विषयों पर समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया।

इसके अलावे अस्पताल में मरीजों के जांच को लेकर मशीनों का शतप्रतिशत इस्तेमाल, रोगी कल्याण समिति की नियमित बैठक, ओपीडी/आईपीडी का संचालन, एएनसी रजिस्ट्रेशन, सिकल सेल, लक्ष्य के अनुरूप आयुष्मान कार्ड निर्माण एवं मरीजों को इसका लाभ समेत अन्य विषयों पर उपायुक्त ने गहन समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिया। सदर अस्पताल में हो रहे मोतियाबिंद के ऑपरेशन में तेजी लाने का निर्देश दिया गया, जिससे अधिक से अधिक मरीजों का मोतियाबिंद का ऑपरेशन सुनिश्चित कराई जा सके। साथ हीं विभिन्न प्रखंड समेत अन्य स्थानों में ब्लड डोनेशन कैम्प का आयोजन करने का निर्देश दिया गया। प्राथमिकता के आधार पर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने को लेकर निर्देश दिया गया। उन्होंने कहा कि सभी संबंधित एमओआईसी यह सुनिश्चित करें कि उनके स्वास्थ्य केंद्रों में अनिवार्य रूप से चिकित्सक एवं नर्स उपस्थित रहे, एवं नियमानुसार प्रतिदिन के रोस्टर का निर्धारण किया जाए। जिससे सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में आने वाले मरीजों को इलाज कराने में समस्या ना हो।

इस बैठक में मुख्य रूप से अनुमंडल पदाधिकारी, सिविल सर्जन, अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, उपाधीक्षक, डीडीएम समेत अन्य संबंधित सदस्य उपस्थित थे।

नई साझेदारी के साथ हुआ डैनफॉस इंडिया का पूर्वी भारत और नेपाल में पहुंच का विस्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। डैनफॉस, एनर्जी-एफिसियेंट सॉल्युशन के क्षेत्र में एक ग्लोबल लीडर ने इंडस्ट्रियल रेफ्रिजरेशन उत्पादों के लिए पटना स्थित क्लासिकल पंप सर्विसेज को अपना आधिकारिक रीसेलर नियुक्त करके पूर्वी भारत और नेपाल में अपनी पहुंच का विस्तार किया है। इस रणनीतिक साझेदारी के पीछे बीजर रेफ इंडिया प्राइवेट लिमिटेड का सहयोग है एवं इसका उद्देश्य बिहार, झारखंड और नेपाल में डैनफॉस के इंडस्ट्रियल रेफ्रिजरेशन उत्पादों की उपलब्धता को बढ़ाना है। जिससे इस क्षेत्र के ग्राहकों को बेहतर सर्विस और सपोर्ट सुनिश्चित रूप से मिल सकेगी। डैनफॉस को अपने अत्याधुनिक इंडस्ट्रियल रेफ्रिजरेशन उत्पादों के लिए जाना जाता है, जो प्रमुख रूप से फूड प्रोसेसिंग, कोल्ड स्टोरेज और फार्मास्यूटिकल्स जैसे उद्योगों में ऊर्जा-कुशल और सुरक्षित रेफ्रिजरेशन उत्पाद मुहैया कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

यह कंपनी अपने ग्राहकों की विकसित होती जरूरतों को पूरा करने के लिए अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी पेश कर नवाचार लाने और संधारणीयता बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। डैनफॉस इंडिया के प्रेसिडेंट रविचंद्रन पुरुषोत्तमन ने कहा, डैनफॉस इंडिया में, यह हमारी प्रतिबद्धता है कि भारतीय उद्योगों को संधारणीय एवं ऊर्जा-कुशल उत्पाद प्रदान करके इसे सशक्त बनाया जाए। बीजर रेफ इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर स्वतंत्र गगनेजा ने इस पार्टनरशिप के लिए अपना उत्साह व्यक्त करते हुए कहा, हमें क्लासिकल पंप सर्विसेज के साथ सहयोग करने की प्रसन्नता है, जिसकी सहायता से हम डैनफॉस के वर्ल्ड क्लास इंडस्ट्रियल रेफ्रिजरेशन उत्पादों को अपने ग्राहकों के और करीब ला पाएंगे।

डैनफॉस क्लाइमेट सॉल्यूशंस सेल्स, इंडिया रीजन के हेड मधुर सहगल ने कहा, जहाँ बिहार, झारखंड और नेपाल में इंडस्ट्रियल रेफ्रिजरेशन उत्पादों की मांग बढ़ी है।

वहीं इस पार्टनरशिप की बदौलत हम स्थानीय रूप से आवश्यक सपोर्ट प्रदान करते हुए अपने ग्राहकों को बेस्ट-इन-क्लास टेक्नोलॉजी भी प्रदान करने में सक्षम रहेंगे।

क्लासिकल पंप सर्विसेज के मैनेजिंग डायरेक्टर आनंद श्रॉफ ने कहा, डैनफॉस और बीजर रेफ इंडिया के साथ साझेदारी करना हमारे लिए एक नई उपलब्धि के समान है।

उत्पाद सिपाही नियुक्ति का लंबित मामला पहुंचा विधानसभा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

टुण्डी। झारखंड विधानसभा के मुख्य सचेतक सह सतारूढ़ दल के जुझारू विधायक मथुरा प्रसाद महतो ने शुक्रवार को सदन में गतवर्ष उत्पाद सिपाही की नियुक्ति के लिए अभ्यर्थियों द्वारा दौड़ प्रक्रिया संपन्न के बाबजूद अभी तक उक्त नियुक्ति की प्रक्रिया लंबित तथा जिला पुलिस की भी नियुक्ति कई वर्षों से नहीं होने का मामला विधानसभा के विशेष सत्र के दौरान उठाया जिसमें कहा गया है बहाली में भाग लेने वाले अभ्यार्थियों एवं युवावर्ग काफी मायूस और हताश हैं।

श्री महतो ने कहा कि युवाओं के हित में सरकार दोनों विषयों पर जल्द कोई ठोस कदम उठाए ताकि इन युवाओं का भविष्य उज्जवल हो सकें इसके अलावा ग्रामीण स्वास्थ्य केन्द्रों एवं अस्पतालों में रिक्त पदों पर शीघ्र कोई ठोस पहल करें हाल ही में झारखंड राज्य के स्वास्थ्य सेवा भर्ती प्रोन्नति एवं अन्य सेवा शर्त नियमावली 2010 में निहित नियम के तहत अनुबंध के आधार पर की गई थी जो कि वर्तमान में 14 चिकित्सक ही अनुबंध पर कार्यरत हैं और उनका अनुबंध अवधि 16.1.2025 को ही समाप्त हो चुका है।

पूर्व रेलवे

ई-निविदा सूचना संख्या: ओ-एसी-टी-209-24-25 (ओपन), दिनांक: 04.03.2025। मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, आसनसोल, स्टेशन रोड, पिन-713301 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा (खुली) आमंत्रित की जाती है: **केस संख्या: ओ-एसी-टी-209-24-25। कार्य का नाम:** वरिष्ठ मंडल अभियंता/2/ आसनसोल के अधीन तुलसीटांड़ और लाहाबन के बीच एलएचएस 31 पर पर्याप्त जल निकासी सुविधा के प्रावधान एवं अन्य आनुषंगिक कार्य के लिए खुली निविदा। **निविदा मूल्य:** ₹ 1,40,22,817.74। **बयाना राशि:** ₹ 2,20,100। **कार्य पूरा करने की अवधि:** 06 महीना। **निविदा बंद होने की तारीख एवं समय:** 28.03.2025 को दोपहर 12.00 बजे। सम्पूर्ण विवरण रेलवे की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखा जा सकता है।

(ASN-368/2024-25)

निविदा सूचना वबसाइट:www.er.indianrailways.gov.in/ www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

संचालित कार्यों एवं योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन को ले बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूँटी। जिले में समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित योजनाओं एवं कार्यों के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने हेतु उपायुक्त लोकेश मिश्रा की अध्यक्षता में सभागार में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में आंगनबाड़ी केंद्रों की संख्या, संचालन, भवनों की स्थिति, सेविका एवं सहायिका के रिक्त पदों एवं उनकी चयन प्रक्रिया, पूरक पोषाहार कार्यक्रम, सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, मुख्यमंत्री कन्यादान योजना, एमटीसी केंद्र का संचालन, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, पोषण ट्रैकर, सेशन, बाल संरक्षण समेत अन्य की समीक्षा की गई। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि नियमानुसार रिक्त पदों पर सेविका एवं सहायिका का चयन किया जाए। जो सेविकाएं एवं सहायिकाएं अपने उत्तरदायित्वों का समुचित निर्वहन नहीं कर रही हैं, उनके विरुद्ध ग्राम सभा के माध्यम से अनुशासनात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

सभी आंगनबाड़ी केंद्रों का संचालन सुरक्षित भवनों में किया जाए एवं वहां मूलभूत सुविधाएं जैसे पेयजल, शौचालय आदि की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित हो। वैसे आंगनबाड़ी केंद्र जहां पेयजल एवं शौचालय की समुचित व्यवस्था नही है, वैसे आंगनबाड़ी केंद्रों पर प्राथमिकता के आधार पर 15 वित्त की राशि का सदुपयोग करते हुए अविलंब उक्त व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।

पूरक पोषाहार कार्यक्रम के तहत पोषाहार वितरण की भी जानकारी लेते हुए आवश्यक निर्देश दिए गए। सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना के तहत विद्यालयों से फॉर्म कलेक्शन करने का निर्देश दिया गया, जिससे पात्र लाभुकों को उक्त योजना से जोड़ा जा सके। एमटीसी केंद्रों में बच्चों के भर्ती संबंधित जानकारी लिया गया एवं शत प्रतिशत बेड ऑक्यूपेंसी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। वहीं एमटीसी रनिया केंद्र के संचालन को जल्द प्रारंभ करने का निर्देश दिया गया। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत प्राप्त लक्ष्य के अनुरूप शत प्रतिशत पात्र लाभुकों को इस योजना का लाभ देने का निर्देश दिया गया।

बैठक में बाल संरक्षण पदाधिकारी संग बाल संरक्षण को लेकर किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली गई।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता एवं संवेदनशीलता बनी रहे ताकि लाभार्थियों को समय पर उचित सुविधाएं प्राप्त हो सकें। बैठक में जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, सीडीपीओ, महिला पर्यवेक्षक समेत अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

प्रवेश परीक्षा के सफल आयोजन को ले बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूँटी। शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय, आश्रम विद्यालय एवं विभाग द्वारा संचालित आवासीय उच्च विद्यालयों में नामांकन हेतु 09 मार्च 2025 को प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाएगी। उक्त परीक्षा के सफल आयोजन को लेकर आज सभागार में उपायुक्त लोकेश मिश्रा द्वारा एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

बैठक में मुख्य रूप से बताया गया कि कक्षा 6,7, 8 के लिए 9 मार्च 2025 को प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है, उक्त परीक्षा में लगभग 1271 परीक्षार्थी शामिल होंगे।

बैठक में संबंधित पदाधिकारियों को परीक्षा के सुचारू एवं निष्पक्ष संचालन हेतु आवश्यक निर्देश दिए गए। उपायुक्त ने परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था, परीक्षार्थियों की सुविधा हेतु मूलभूत आवश्यकताओं की उपलब्धता तथा अनुशासन बनाए रखने के संबंध में विशेष रूप से जोर दिया।

इस परीक्षा का आयोजन बहुउद्देशीय भवन, बिरसा कॉलेज, खूंटी एवं बिरसा कॉलेज, खूंटी, ब्लॉक-एञ् में किया जाएगा। परीक्षार्थियों को समय से पूर्व परीक्षा केंद्र पर पहुंचने, अपने प्रवेश पत्र एवं आधार कार्ड/फोटोयुक्त पहचान पत्र अनिवार्य रूप से लाने तथा परीक्षा के दौरान अनुशासन बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं।

उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि परीक्षा केंद्रों पर किसी भी प्रकार की गड़बड़ी न हो, इसके लिए सतर्कता बरती जाए।

परीक्षा में किसी भी प्रकार की अनुचित गतिविधि संज्ञान में आने पर नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इस बैठक में मुख्य रूप से परियोजना निदेशक आईटीडीए, जिला कल्याण पदाधिकारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक, अंचल अधिकारी अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

पूर्व रेलवे

मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा, डीआरएम बिल्डिंग, रेलवे स्टेशन के पास, हावड़ा-711101 द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए सिंचाई/सीपीडब्ल्यूडी/एसईबी/एमईएस या किसी भी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम के पास पंजीकृत समेत समरूप प्रकृति के कार्य का अनुभव एवं आवश्यक वित्तीय क्षमता रखने वाले निविदादाताओं से ऑनलाइन के जरिये निम्नलिखित ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं: **[वरिष्ठ मंडल अभियंता/3/हावड़ा]। क्रम संख्या:** 1। **ई-निविदा संख्या: 363_2024-25, दिनांक: 06.03.2025। कार्य का विवरण:** सहायक अभियंता/कटवा के अधीन कटवा (4 अदद) में 50000 गैलन की क्षमता के आरसीसी ओ.एच. टैंक द्वारा स्टील ओ .एच. टैंक की बदली। **अनुमानित लागत:** ₹ 6,34,13,006.04। **बयाना राशि:** ₹ 4,67,100। **क्रम संख्या:** 2। **ई-निविदा संख्या: 364_2024-25, दिनांक: 06.03.2025। कार्य का विवरण:** सहायक अभियंता/कटवा के अधीन आजिमगंज में (01 अदद) तथा सलार में (01 अदद) तथा सहायक अभियंता/नबद्वीप धाम के अधीन नबद्वीप धाम में (01 अदद) तथा त्रिबेणी में (01 अदद) पाइप लाइन सहित 50000 गैलन की क्षमता के आरसीसी ओ.एच. टैंक द्वारा स्टील ओ .एच. टैंक की बदली तथा अन्य आनुषंगिक कार्य। **अनुमानित लागत:** ₹ 6,69,54,320.85। **बयाना राशि:** ₹ 4,84,800। **पूरा करने की अवधि:** स्वीकृति पत्र जारी किये जाने की तारीख से 12 (बारह) महीना (क्रम संख्या 1 और 2 प्रत्येक के लिए)। निविदा आमंत्रण सूचना में उल्लिखित बंद होने की तारीख को किसी कारणवश छुट्टी/बंद/हड़ताल घोषित होने पर ऑनलाइन निविदा के बंद होने की तारीख में कोई परिवर्तन नहीं किया जायेगा क्योंकि आईआरईपीएस की वेबसाइट में आवेदन निविदा बंद होने की तारीख एवं समय के बाद किसी भी प्रस्ताव को जमा करने की अनुमति नहीं देता है। तथापि, ऑनलाइन निविदा को अगले कार्य दिवस में खोला जाएगा। **निविदा बंद होने की तारीख और समय:** 27.03.2025 को दोपहर 2:00 बजे (क्रम संख्या 1 और 2 प्रत्येक के लिए)। निविदा का सम्पूर्ण विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदादाताओं से अनुरोध है कि वे उपर्युक्त वेबसाइट पर अपने प्रस्ताव ऑनलाइन जमा करें। ईएमडी और टीडीसी का भुगतान- ई-निविदा के सम्बन्ध में निविदा दस्तावेज की कीमत एवं जमा बयाना राशि (ईएमडी) का भुगतान सिर्फ नेट बैंकिंग या पेमेंट गेटवे के जरिये स्वीकार किया जायेगा। **द्रष्टव्य:** आईआरईपीएस (ई-निविदा पोर्टल) पर आमंत्रित निविदाओं के लिए ईएमडी के रूप में सावधि जमा रसीद (एफडीआर) स्वीकार नहीं की जाएगी। मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किये जायेंगे।

(HWH-652/2024-25)

निविदा सूचना वबसाइट:www.er.indianrailways.gov.in/ www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

विशिष्ट शिक्षकों के वेतन में अंतर से रोष

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

अररिया। मुख्यमंत्री ने नियोजित शिक्षकों से सक्षमता परीक्षा लेकर राज्यकर्मी तो बना दिया है। मगर राज्यकर्मी के रुप में जब जनवरी और फरवरी का वेतन खाते में जाना प्रारंभ हुआ तो वेतन को देखकर शिक्षकों के होस उड़ गए। नाम नहीं बताने पर कई विशिष्ट शिक्षकों ने बताया कि जो नियोजित शिक्षक सक्षमता परीक्षा नहीं दिए हैं उन्हें वर्तमान में नियोजित शिक्षक के रूप में 3600 रुपये ईपीएफ में जमा होने के साथ 50284 रुपये वेतन मिले हैं।

वहीं सक्षमता परीक्षा देकर राज्यकर्मी बनने के बाद एनपीएस में 9000 हजार, जीएलएस में 30 के कटौती के साथ 36720 रुपये का भुगतान हुआ है। इस प्रकार से सीधे 8 हजार से अधिक का नुकसान हो रहा है।

विशिष्ट शिक्षकों के वेतन के मुद्दे पर बिहार पंचायत नगर प्रारंभिक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष प्रशांत कुमार ने अपनी राय देते हुए कहा कि वेतन बढ़ने के बजाय कम भुगतान होना दुर्भाग्यपूर्ण है।

उन्होंने कहा कि अररिया में सरकारी कर्मचारी को वर्तमान में आवास भत्ता दस, पांच और साढ़े सात प्रतिशत की दर से भुगतान हो रहा है वही राज्यकर्मी बनने के बाद विशिष्ट शिक्षकों को दस के बजाय आठ, पांच के बजाय चार एवं साढ़े सात के बजाय छः प्रतिशत की दर से भुगतान करना कही से भी उचित नहीं है यही नहीं वर्तमान में डीए 53 प्रतिशत है वहीं विशिष्ट शिक्षकों को 50 प्रतिशत की दर से डीए का भुगतान करना बिल्कुल नियम विरुद्ध है।

उन्होंने कहा कि विभाग को पे-फिक्सेशन के साथ नियमावली के आलोक में वेतन संरक्षण के लाभ के साथ वेतन का भुगतान करना था मगर राज्यकर्मी बनने के दो माह बाद भी पे-फिक्सेशन के बिना वर्तमान में मिल रहे मूल वेतन के बजाय पच्चीस हजार के मूल वेतन पर भुगतान करने से विशिष्ट शिक्षकों में निराशा का भाव पैदा हो गया है। जल्द पे-फिक्सेशन कर एरियर के साथ भुगतान नहीं हुआ तो शिक्षकों की नाराजगी और बढ़ सकती है इसलिए विभाग को चाहिए कि अप्रैल में सभी विशिष्ट शिक्षकों का पे-फिक्सेशन के साथ मार्च का वेतन बढ़े हुए दर से नियमानुसार किया जाय। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे को लेकर जल्द ही संघीय शिष्टमंडल जिला शिक्षा पदाधिकारी से मुलाकात कर समस्या का त्वरित समाधान करने का अनुरोध करेंगे।

राजद के पूर्व जिलाध्यक्ष के बेटे को बदमाशों ने मारी गोली

जामताड़ा। जामताड़ा में अपराधियों के हौसले बुलंद हैं। मिहिजाम के कानगोई स्थित झामुमो कार्यालय के सामने राजद के पूर्व जिलाध्यक्ष भोला यादव के पुत्र विनय यादव को गोली मार दी गई। वह दुकान बंदकर दोपहर में कानगोई स्थित घर जा रहे थे। इस दौरान पीछे से बदमाश ने उन्हें गोली मार दी। गोली विनय यादव के पीठ में लगी है। जख्मी हालत में उन्हें कस्तूरबा गांधी हॉस्पिटल चित्तरंजन में भर्ती किया गया। यहां प्राथमिक उपचार के बाद दुगार्पुर हेल्थ वर्ल्ड में रेफर किया गया है। पुलिस ने घायल से पूछताछ की, पूछताछ में पुलिस को एक व्यक्ति का नाम बताया है।

पूर्व रेलवे

ई-नीलामी सूचना

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, आसनसोल, पिन-713301 अनुबंध प्रदान करने के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** के मार्फत आईआरईपीएस पोर्टल के माध्यम से ई-नीलामी आमंत्रित करते हैं। जिसका विवरण निम्नानुसार है: **नीलामी की श्रेणी:** वाणिज्यिक प्रचार (विज्ञापन)। **ई-नीलामी कैटेलॉग संख्या:** एडीवीटी-एएसएन-20-03। **नीलामी शुरू होने की तारीख एवं समय:** 20.03.2025 को दोपहर 12.00 बजे। **स्टेशन/लोकेशन का नाम/ट्रेन संख्या और एसएलआर:** आरडीएन: आसनसोल में : पीआरएस एवं यूटीएस काउंटर पर 12 (बारह) डुअल डिस्प्ले फेयर रिपीटर सिस्टम (डीडीएफआरएस)। **आरडीएन परिसंपत्ति की संख्या:** 01। सभी संभावित बोलीदाताओं को यह सलाह दी जाती है कि वे सम्पूर्ण विवरण के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** देखें और ऊपर दी गई अनुसूची के अनुसार ऊपर उल्लिखित ई-नीलामी में भाग लें।

(ASN-366/2024-25)

निविदा सूचना वेबसाइट:www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

मंडल अभियंता (IV), पूर्व रेलवे, हावड़ा, डीआरएम बिल्डिंग, रेलवे स्टेशन के पास, हावड़ा-711101 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए सिंचाई/सीपीडब्ल्यूडी/एसईबी/एमईएस या किसी भी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम के पास पंजीकृत समेत समरूप प्रकृति के कार्य का अनुभव एवं आवश्यक वित्तीय क्षमता रखने वाले निविदादाताओं से निम्नलिखित ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं: **[मंडल अभियंता/4/ हावड़ा]। ई-निविदा संख्या: 365_2024-25, दिनांक : 06.03.2025। कार्य का विवरण:** सहायक अभियंता/रामपुरहाट के अधीन रामपुरहाट (4 अदद) एवं नलहाटी (1 अदद) में पाइपलाइन के साथ 50000 गैलन की क्षमता के आरसीसी ओ.एच. टैंक द्वारा स्टील ओ .एच. टैंक की बदली एवं अन्य आनुषंगिक कार्य। **अनुमानित लागत:** ₹ 7,90,06,905.84। **बयाना राशि:** ₹ 5,45,000। **निविदा प्रपत्र की कीमत:** शून्य। **पूरा करने की अवधि:** स्वीकृति पत्र जारी किये जाने की तारीख से 12 (बारह) महीना। निविदा आमंत्रण सूचना में उल्लिखित बंद होने की तारीख को किसी कारणवश छुट्टी/बंद/हड़ताल घोषित होने पर ऑनलाइन निविदा के बंद होने की तारीख में कोई परिवर्तन नहीं किया जायेगा क्योंकि आईआरईपीएस की वेबसाइट में आवेदन निविदा बंद होने की तारीख एवं समय के बाद किसी भी प्रस्ताव को जमा करने की अनुमति नहीं देता है। तथापि, ऑनलाइन निविदा को अगले कार्य दिवस में खोला जाएगा। **निविदा बंद होने की तारीख और समय:** 28.03.2025 को दोपहर 2:00 बजे। निविदा का सम्पूर्ण विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदादाताओं से अनुरोध है कि वे उपर्युक्त वेबसाइट पर अपने प्रस्ताव ऑनलाइन जमा करें। ई-निविदा के सम्बन्ध में निविदा दस्तावेज की कीमत एवं जमा बयाना राशि (ईएमडी) का भुगतान उपर्युक्त वेबसाइट के जरिये सिर्फ नेट बैंकिंग या पेमेंट गेटवे के जरिये स्वीकार किया जायेगा। **द्रष्टव्य:** आईआरईपीएस (ई-निविदा पोर्टल) पर आमंत्रित निविदाओं के लिए ईएमडी के रूप में सावधि जमा रसीद (एफडीआर) स्वीकार नहीं की जाएगी। मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किये जायेंगे।

(HWH-653/2024-25)

निविदा सूचना वबसाइट:www.er.indianrailways.gov.in/ www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

मंडल अभियंता (IV), पूर्व रेलवे, हावड़ा, डीआरएम बिल्डिंग, रेलवे स्टेशन के पास, हावड़ा-711101 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए सिंचाई/सीपीडब्ल्यूडी/एसईबी/एमईएस या किसी भी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम के पास पंजीकृत समेत समरूप प्रकृति के कार्य का अनुभव एवं आवश्यक वित्तीय क्षमता रखने वाले निविदादाताओं से निम्नलिखित ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं: **[मंडल अभियंता/4/हावड़ा]। ई-निविदा संख्या: 360_2024-25, दिनांक: 04.03.2025। कार्य का विवरण:** (1) एसएसई/डब्ल्यू/ बोलपुर शांतिनिकेतन के अधिकार क्षेत्र के अधीन अहमदपुर, बोलपुर शांतिनिकेतन, भेदिया, गदाधरपुर, प्रान्तिक, बातासपुर एवं नोआदर ढाल स्टेशनों पर प्लेटफॉर्म की ऊंचाई बढ़ाना। (2) सहायक अभियंता/बोलपुर शांतिनिकेतन के अधीन किमी. 70-23 से 70-37ए तक सैंथिया-अंडाल लाइन पर रिटेनिंग वाल सह ड्रेन का निर्माण। (3) एसएसई/डब्ल्यू/ बोलपुर शांतिनिकेतन के खंड में बोलपुर शांतिनिकेतन पर क्वार्टरों की मरम्मत एवं जीर्णोद्धार। **अनुमानित लागत:** ₹ 7,28,10,228.05। **बयाना राशि:** ₹ 5,14,100। **निविदा प्रपत्र की कीमत:** शून्य। **पूरा करने की अवधि:** स्वीकृति पत्र जारी किये जाने की तारीख से 12 (बारह) महीना। निविदा आमंत्रण सूचना में उल्लिखित बंद होने की तारीख को किसी कारणवश छुट्टी/बंद/हड़ताल घोषित होने पर ऑनलाइन निविदा के बंद होने की तारीख में कोई परिवर्तन नहीं किया जायेगा क्योंकि आईआरईपीएस की वेबसाइट में आवेदन निविदा बंद होने की तारीख एवं समय के बाद किसी भी प्रस्ताव को जमा करने की अनुमति नहीं देता है। तथापि, ऑनलाइन निविदा को अगले कार्य दिवस में खोला जाएगा। **निविदा बंद होने की तारीख और समय:** 26.03.2025 को दोपहर 2:00 बजे। निविदा का सम्पूर्ण विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदादाताओं से अनुरोध है कि वे उपर्युक्त वेबसाइट पर अपने प्रस्ताव ऑनलाइन जमा करें। ई-निविदा के सम्बन्ध में निविदा दस्तावेज की कीमत एवं जमा बयाना राशि (ईएमडी) का भुगतान उपर्युक्त वेबसाइट के जरिये सिर्फ नेट बैंकिंग या पेमेंट गेटवे के जरिये स्वीकार किया जायेगा। **द्रष्टव्य:** आईआरईपीएस (ई-निविदा पोर्टल) पर आमंत्रित निविदाओं के लिए ईएमडी के रूप में सावधि जमा रसीद (एफडीआर) स्वीकार नहीं की जाएगी। मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किये जायेंगे।

(HWH-649/2024-25)

निविदा सूचना वबसाइट:www.er.indianrailways.gov.in/ www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

संक्षिप्त समाचार

सीएम योगी के आदेश पर हरकत में आया ADA, अंसल एपीआई के खिलाफ केस हुआ दर्ज

आगरा , एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अंसल एपीआई की धोखाधड़ी के विरुद्ध सभी विकास प्राधिकरणों को एफआईआर दर्ज कराने के आदेश दिए थे। शुक्रवार को सीएम योगी आगरा आ रहे हैं। इससे पहले ही एडीए उपाध्यक्ष ने अंसल एपीआई के खिलाफ लोहामंडी थाना में केस दर्ज कराया है। इस संबंध में एडीए उपाध्यक्ष ने पुलिस कमिश्नर जे रविन्दर गौड से पहले चर्चा की फिर धोखाधड़ी के आरोप में तहरीर दी गई।

अंसल एपीआई ने 2005 में बिचपुरी स्थित सदरवन में 477 एकड़ भूमि पर इंटीग्रेटेड सिटी के रूप में सुशांत ताज सिटी नाम से प्रोजेक्ट लॉन्च किया था। 2008 में नक्शा पास कराते समय 100 एकड़ भूमि विकास शुल्क के एवज में एडीए में बंधक रखी। एडीए उपाध्यक्ष एम अरुन्मोली ने बताया कि करीब 100 एकड़ भूमि अंसल ग्रुप पहले ही बेच चुका था। उसके पास करीब 300 एकड़ भूमि का अधिकार था। लेकिन, बेची जा चुकी भूमि भी ग्रुप ने बंधक रखी। वर्ष 2017 तक अंसल ग्रुप को प्रोजेक्ट पूरा करना था, लेकिन प्रोजेक्ट अधूरा रहा। घर खरीदारों का करोड़ों रुपया फंस गया। ग्रुप ने प्रोजेक्ट की समय सीमा बढ़ाने के लिए तीन-चार बार मोहलत मांगी। शासन स्तर से मोहलत नहीं मिली। प्रोजेक्ट फेल हो गया। अंसल एपीआई के खिलाफ आगरा के विभिन्न थानों में 3 मुकदमा पहले से दर्ज हैं। धोखाधड़ी के शिकार हुए लोगों ने यह मुकदमे दर्ज कराए थे।

कचरा निस्तारण के लिए गांव में बनकर तैयार 300 आरआरसी शोपीस

उन्नाव , एजेंसी। गांवों में गंदगी न रहे और ग्रामीणों को स्वच्छ परिवेश मिले। इस मंशा से स्वच्छ भारत मिशन के तहत जिले की 618 पंचायतों में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन केंद्र (आरआरसी) बनाए जा रहे हैं। अब तक 10 ब्लॉक में 300 आरआरसी बनकर तैयार हो चुके हैं। एक आरआरसी के निर्माण में लगभग तीन से पांच लाख रुपये लागत आई है। इस तरह करोड़ों रुपये खर्च हो जाने के बाद भी यह शोपीस बने हुए हैं।

गांव में न घर-घर कूड़े को एकत्र कराया जा रहा है और न गीले-सूखे कूड़े की छटनी हो रही है। सरकार की मंशा थी कि अपशिष्ट प्रबंधन केंद्र बनने के बाद गांव में गंदगी न फैले। इसलिए गांव से निकलने वाले कचरे को इन केंद्रों पर लाकर गीला व सूखा कचरा अलग किया जाना था। इसके साथ ही जैविक खाद बनाई जानी थी। वहीं अजैविक प्लास्टिक कचरे को पीएमयू यूनिट में भेजकर निस्तारण के बाद ब्रिकी के लिए तैयार किया जाना था। इससे ग्राम पंचायतों की आय में बढोतरी होती। मगर कुछ जगह को छोड़ कर अधिकांश जगहों पर इनका संचालन बजट के कारण अटका है। यहां पर कई जगह मशीनें नहीं हैं तो कई जगह घरों से कूड़ा लाने के लिए ई-रिक्शे भी नहीं है।

सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत, दो घायल

कन्नौज , एजेंसी। हरदोई मार्ग पर गुरुवार को बख्शीपुर्वा के पास हुए सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई और दो युवक घायल हो गए। घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां से दोनों को रेफर कर दिया गया।

मल्लावां कोतवाली क्षेत्र के ग्राम छुट्टापुर्वा निवासी अनुज (20) साथी अनूप (21) और शिवा (18) के साथ बाइक से शाम को निकले थे। हरदोई-कन्नौज मार्ग पर बख्शीपुर्वा के पास अज्ञात वाहन ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में अनुज की मौके पर ही मौत हो गई और अनूप व शिवा गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों के पास मिले मोबाइल से पुलिस ने हादसे की जानकारी परिजनों को दी और घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार के बाद अनूप को कानपुर व शिवा को राजकीय मेडिकल कॉलेज तिर्वा रेफर कर दिया। कोतवाल कपिल दुबे ने बताया कि शव को मोर्चरी में रखवा दिया गया है। तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

महाकुंभ ने रील लाइफ में जी रहे युवाओं को सनातन से जोड़ा

सोशल मीडिया पर 300 गुना बढ़ी वेद-पुराण की खोज

लखनऊ , एजेंसी। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में 45 दिन तक चले महाकुंभ में युवाओं की रिकॉर्ड भागीदारी रही। महाकुंभ ने रील लाइफ में जी रहे युवाओं को सनातन परंपरा से जोड़ने में अहम भूमिका निभाई है। महाकुंभ के 45 दिनों में 66.30 करोड़ श्रद्धालुओं में करीब आधे 25 वर्ष या इससे कम उम्र के थे। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सनातन धर्म, वेद-पुराण और गीता से जुड़े विषयों की खोज 300 गुना तक बढ़ गई। साफ है कि नई पीढ़ी सनातन संस्कृति और अध्यात्म की ओर आकर्षित हुई है।

महाकुंभ के विराट आयोजन का असर बहुत गहराई तक पड़ा है। देश की स्वतंत्रता के बाद से हुए सभी कुंभ धर्मपरायण अधेड़ और वृद्ध श्रद्धालुओं के समागम का केंद्र रहे हैं। 'कुंभ नहा लिए' कहावत का मतलब ही था कि अपनी जिम्मेदारियों को निभा चुके लोग ही कुंभ स्नान को जाते थे।

महाकुंभ 2025 इस मामले में एकदम अलग रहा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के डिजिटल महाकुंभ को युवाओं ने हाथों हाथ लिया। एआई आधारित कुंभ सहायक ऐप और गूगल नेविगेशन से युवाओं को जोड़ने में सफलता मिली। तकनीक और संस्कृति के संगम में युवाओं ने श्रद्धा की डुबकी लगाने के रिकॉर्ड बनाए।

कुंभ ने ये झलक भी दिखा दी कि युवा पारंपरिक धर्म और आधुनिक राष्ट्रवाद के बीच संतुलन बनाते हुए आगे बढ़ रहे हैं। इनमें लाखों-करोड़ों की संख्या में डॉक्टर, इंजीनियर, चार्टर्ड अकाउंटेंट, प्रबंधक, टीचर, प्रोफेसर, वैज्ञानिक, पत्रकार, खिलाड़ी, अभिनेता, मैन्यूफैक्चरर, ट्रेडर, सर्विस सेक्टर उद्यमी और कॉलेज की छात्र-छात्राएं शामिल रहे।

33 करोड़ से ज्यादा युवाओं ने फोटो और वीडियो गर्व के साथ सोशल मीडिया पर साझा किए। महाकुंभ आकर उन्होंने देखा कि डिजिटल क्रांति केवल कागजों पर नहीं बल्कि हकीकत बन चुकी है।

कुंभ सहायक चैटबॉट, क्यूआर कोड आधारित जानकारियां, शौचालयों की साफ-सफाई के लिए सीआर कोड आधारित व्यवस्था, गूगल मैप पर महाकुंभ नगरी और वहां होने वाले आयोजनों की जानकारियां, इंटरनेट के बेहतरीन सिग्नल, ऑनलाइन बुकिंग्स, फ्लाइट कनेक्टिविटी, रेल और रोड नेटवर्क ने युवाओं को महाकुंभ से जोड़ दिया।

महाकुंभ में रामकथा, भागवत कथा और प्रवचनों में युवाओं की भीड़ उमड़ी। सत्संग और कीर्तन में करोड़ों युवा शामिल हुए। साफ है कि आधुनिक पीढ़ी जड़ों की ओर लौट रही है। यही युवा महाकुंभ से लौटते हुए दुनिया भर में संगम की मिट्टी और संगम का जल साथ ले गए।

पत्नी ने सबके सामने पीटा तो युवक ने जान दे दी... रोहन ने दो बच्चों की मां से की थी लव मैरिज

मेरठ , एजेंसी। भावनपुर थाना क्षेत्र के गांव अब्दुल्लापुर आंबेडकर पार्क निवासी रोहन (23) ने बृहस्पतिवार को अपने घर में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजनों का कहना है कि उसकी पत्नी विवाद के चलते तीन माह पूर्व अपने मायके गांव मुरलीपुर थाना, मुंडाली चली गई थी। रोहन की मां ने बहू के खिलाफ थाने में तहरीर दी है। सीओ मवाना अभिषेक ने बताया कि पोस्टमार्टम में फंदा लगाकर जान देने की पुष्टि हुई है। जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी।

अब्दुल्लापुर निवासी संजय की तीन बेटियों की शादी हो चुकी है। वह अपनी पत्नी राजेश, दो बेटों रोहन और रवि के साथ रह रहा था। रोहन की मां राजेश ने भावनपुर पुलिस को तहरीर देकर बताया कि रोहन ने दिसंबर 2023 में थाना मुंडाली क्षेत्र की रहने वाली दो बच्चों की मां से कोर्ट मैरिज की थी। लव मैरिज के बाद से उसकी पत्नी रोहन से तीन लाख रुपये और जमीन अपने नाम कराने का दबाव बना रही थी। रोहन ने इन्कार कर दिया था। इस पर उसकी पत्नी तीन माह पूर्व अपने मायके मुरलीपुर चली गई थी।

मंगलवार को रोहन अपनी पत्नी के पास मुरलीपुर पहुंचा। आरोप है कि वहां उसकी पत्नी ने उसके साथ सबके सामने मारपीट की। उसके बाद डायल 112 नंबर पर फोन करके पुलिस को बुलाकर उसको धमकाया था। मां का कहना है कि बृहस्पतिवार को रोहन घर पर अकेला था। इसी दौरान उसने आत्महत्या कर ली।

पानी में मिला कर पिलाया था तेजाब: रोहन की मां राजेश ने आरोप लगाया कि कुछ माह पहले उनकी बहू ने पानी में तेजाब मिलाकर बेटे रोहन को पिलाया था। गंभीर हालत में उसे नर्सिंग होम में भर्ती कराया था। हालांकि उस दौरान रोहन की जान बच गई थी।

होली में आसान होगी यात्रियों की राह

वंदे भारत समेत चलेंगी 21 स्पेशन ट्रेनें

चंदौली , एजेंसी। होली पर्व पर यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे लगातार स्पेशल ट्रेनें चला रही है। इसी क्रम में अब 21 जोड़ी और स्पेशल ट्रेनें चलेंगी। इसमें नई दिल्ली-पटना वंदे भारत ट्रेन भी शामिल है। हालांकि वंदे भारत पीडीडीयू जंक्शन से होकर नहीं चलेगी। यह ट्रेन पाटलिपुत्र, छपरा, बलिया, वाराणसी, प्रयागराज, कानपुर के रास्ते चलेगी। पीडीडीयू जंक्शन से होकर सात जोड़ी स्पेशल ट्रेनें चलेंगी।

पूर्व मध्य रेलवे के मुख्य जन संपर्क अधिकारी सरस्वती चंद्र ने बताया कि दिल्ली-पटना सुपरफास्ट फेस्टिवल स्पेशल 17 मार्च तक रोजाना दिल्ली से 23.55 बजे खुलकर अगले दिन 16.40 बजे पटना पहुंचेगी। वापसी में यह गाड़ी 18 मार्च तक प्रतिदिन से पटना से 17.50 बजे खुलकर अगले दिन 10.25 बजे दिल्ली पहुंचेगी।

आनंद विहार- राजगीर सुपरफास्ट फेस्टिवल स्पेशल 07, 11, 14 और 18 मार्च को आनंद विहार से 00.20 बजे खुलकर उसी दिन 16.15 बजे पटना जंक्शन रुकते हुए 19.50 बजे राजगीर पहुंचेगी। वापसी में यह गाड़ी 07, 11, 14 और 18 मार्च को राजगीर से 23.30 बजे खुलकर अगले दिन 02.10 बजे पटना जंक्शन सहित अन्य स्टेशनों पर रुकते हुए 19.00 बजे आनंद विहार पहुंचेगी।

नई दिल्ली-भागलपुर फेस्टिवल स्पेशल 09, 12, 16 और 19 मार्च को नई दिल्ली से 14.00 बजे खुलकर अगले दिन 13.30 बजे भागलपुर पहुंचेगी। वापसी में यह ट्रेन 10, 13, 17 और 20 मार्च को भागलपुर से 14.30 बजे खुलकर अगले दिन 14.30 बजे नई दिल्ली पहुंचेगी। नई दिल्ली-गया स्पेशल 10, 13 और 17 मार्च को नई दिल्ली से 09.30 बजे खुलकर अगले दिन 01.50 बजे गया पहुंचेगी। वापसी में यही गाड़ी 07, 11, 14 और 18 मार्च को गया से 06.40 बजे खुलकर उसी दिन 23.35 बजे नई दिल्ली पहुंचेगी।

नई दिल्ली-सहरसा स्पेशल 10, 13 और 17 मार्च को नई दिल्ली से 21.35 बजे खुलकर अगले दिन 22.00 बजे सहरसा पहुंचेगी। वापसी में यही गाड़ी 07, 11, 14 और 18 मार्च को सहरसा से 23.55 बजे खुलकर अगले दिन 23.30 बजे नई दिल्ली पहुंचेगी।

इसी तरह आनंद विहार-जयनगर फेस्टिवल स्पेशल 10, 13 और 17 मार्च को आनंद विहार से 05.00 बजे खुलकर अगले दिन 12.00 बजे जयनगर पहुंचेगी। वापसी में यही गाड़ी 07, 11, 14 और 18 मार्च को जयनगर से 17.00 बजे खुलकर अगले दिन 19.55 बजे आनंद विहार पहुंचेगी।

हावड़ा-खातीपुरा (जयपुर) होली स्पेशल 09 और 16 मार्च को हावड़ा से 18.00 बजे खुलकर अगले दिन 23.30 बजे खातीपुरा पहुंचेगी। वापसी में यह ट्रेन खातीपुरा से 11और 18 मार्च को खातीपुरा से 05.30 बजे खुलकर अगले दिन 15.15 बजे हावड़ा पहुंचेगी।

पहले रजिस्ट्री में कम स्टांप लगाया, फिर ओटीएस योजना में भी की स्टांप चोरी, जांच में मिली 2.13 करोड़ की गड़बड़ी

कानपुर , एजेंसी। शासन की ओर से लागू की गई एक मुश्त समाधान योजना के तहत दो माह में सिर्फ 18 आवेदन आने पर जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने फाइलों की जांच करा दी। इसमें करीब 14 फाइलों में 2.13 करोड़ रुपये की स्टांप चोरी पकड़ में आई, जबकि 500 फाइलें स्टांप कमी वाली लंबित पड़ी हैं। जिलाधिकारी ने 31 मार्च तक लोगों को नोटिस भेजकर समाधान के तहत मामला निस्तारित कराने के निर्देश दिए हैं।

इसके बाद सभी से वसूली की जाएगी। घर, दुकान, जमीन व फ्लैट की खरीद के समय रजिस्ट्री में निर्धारित स्टांप की अदायगी करनी होती है। जांच में चोरी पकड़ी जाने पर सुनवाई जिलाधिकारी, एआईजी स्टांप व एडीएम वित्त-राजस्व के न्यायालय में होती है। कमी के हिसाब से जुर्माना लगता है। पक्षकार सहमत नहीं होने पर आगे अपील करते हैं।

नोटिस जारी कर योजना का लाभ लेने के लिए कहा: इन्हीं मुकदमों के निस्तारण के लिए ओटीएस योजना लाई गई। दिसंबर में शासन ने एक मुश्त समाधान योजना लागू की थी, जिसके बाद जिले में लंबे समय से जिलाधिकारी, एडीएम वित्त एवं राजस्व और एआईजी स्टांप के न्यायालय में लंबित पड़े 500 मामलों के पक्षकारों को नोटिस जारी कर योजना का लाभ लेने के लिए कहा गया था। इसके बाद भी लोगों ने अनसुना किया।

14 फाइलों में बड़ी चोरी पकड़ी

सिर्फ 18 ने ही आवेदन किया। योजना के तहत स्टांप की मूल कमी राशि पर 1.5 प्रतिशत प्रतिमाह ब्याज के साथ 100 रुपये जुर्माने का भुगतान करना था। लाभ लेने के लिए पहले भुगतान का ट्रेजरी चालान बनवाना था। इसके बाद भी लोगों ने रुचि नहीं दिखाई, जिसके बाद जिलाधिकारी ने सभी फाइलों की जांच कराई। इसमें 14 फाइलों में बड़ी चोरी पकड़ी।

स्टांप कमी के मामलों का निस्तारण 100 रुपये में

उत्तर प्रदेश सरकार ने लंबित स्टांप मामलों के त्वरित निस्तारण और राजस्व वसूली में तेजी लाने के उद्देश्य से 'स्टांप कमी समाधान योजना' को फिर से लागू किया है। इस योजना का लाभ 31 मार्च तक ले सकेंगे। इसके तहत पक्षकार मात्र 100 रुपये के न्यूनतम अर्थदंड और नियमानुसार ब्याज अदा कर लंबित वादों का समाधान करा सकते हैं।

माह के अंतिम रविवार को भी कार्यालय खुलेगा

इसके साथ ही कार्यालय खुलने का समय छह बजे कर दिया गया है। एआईजी स्टांप श्याम सिंह बिसेन ने बताया कि स्टांप पंजीयन विभाग की ओर से एकमुश्त समाधान योजना भारतीय स्टांप अधिनियम, 1899 के तहत लंबित मामलों के निस्तारण के लिए तैयार की गई है।

अराजक तत्वों ने डॉ. भीमराव आंबेडकर की मूर्ति को किया क्षतिग्रस्त, नाराज लोगों ने की कार्रवाई की मांग

मऊ , एजेंसी। मऊ जिले के मधुबन थाना क्षेत्र के दुबारी चौकी अन्तर्गत भेड़कुल में बृहस्पतिवार की रात डॉ. भीमराव आंबेडकर की मूर्ति को अराजक तत्वों द्वारा तोड़े जाने की घटना से जनता में आक्रोश है। घटना को लेकर नाराज लोगों ने अराजक तत्वों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

मूर्ति तोड़े जाने की सूचना मिलते ही सीओ अभय कुमार सिंह, प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार त्रिपाठी, चौकी इंचार्ज राजेश बहादुर सिंह मय पुलिस बल मौके पर पहुंचकर जांच में जुटे। इस घटना के बाद से क्षेत्र में तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है। लोगों ने डॉ. आंबेडकर की मूर्ति की मरम्मत और अराजक तत्वों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। भेड़कुल के ग्राम प्रधान सूर्यभान यादव, लाल बचन प्रसाद, प्रदीप कुमार, पवन कुमार, उमेश प्रसाद ने मांग किया कि प्रशासन को इस मामले में कार्रवाई करनी चाहिए और मूर्ति की मरम्मत तत्काल प्रभाव से किया जाना चाहिए। साथ ही अराजक तत्वों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए। जिससे भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों।

सीओ अभय कुमार सिंह ने कहा कि मामला संज्ञान में है। टीम गठित कर कार्रवाई की जा रही है। जो भी अराजक तत्व इसमें संलिप्त होगा। उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

लड्डू गोपाल के गुलाल से होली खेलेंगे बाबा, इस बार काशी और मथुरा का होगा मिलाप

वाराणसी , एजेंसी। होली के महापर्व पर पहली बार बाबा दरबार से लड्डू गोपाल के लिए उपहार भेजा जाएगा। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास की ओर से मथुरा में विराजमान लड्डू गोपाल के लिए भस्म, अबीर, गुलाल, चॉकलेट और वस्त्र भेजे जाएंगे। वहीं, मथुरा से बाबा विश्वनाथ के लिए रंगभरी एकादशी पर अबीर-गुलाल का भेंट आएगा। इसके लिए मंदिर न्यास और श्रीकृष्ण जन्मस्थली मथुरा के पदाधिकारियों से वार्ता हुई है।

श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) विश्वभूषण मिश्र ने बताया कि होली पर श्री काशी विश्वनाथ धाम से श्रीकृष्ण जन्मभूमि मथुरा में लड्डू गोपाल के लिए उपहार भेजा जाएगा। वहीं, मथुरा से बाबा विश्वनाथ के लिए रंगभरी एकादशी से पहले अबीर, गुलाल और रंग आएगा। इसके लिए जन्मभूमि के सचिव सचिव कपिल शर्मा व सदस्य गोपेश्वर चतुर्वेदी से बृहस्पतिवार को वार्ता हुई। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास की ओर से भी इसका प्रस्ताव व अनुरोध ई-मेल के जरिये भेजा गया है। रंगभरी एकादशी और होली पर दो तीर्थ स्थलों के बीच समन्वय की यह नई पहल की जा रही है। पौराणिक मान्यता के अनुसार रंगभरी एकादशी की कथा भगवान श्रीकृष्ण ने राधारानी को सुनाई थी।

सीईओ ने दी खास जानकारी

सीईओ ने बताया कि श्रीकृष्ण और शिव भक्ति की दो प्रमुख सनातन धारा को जोड़ने वाला यह आयोजन सनातन धर्म की परंपराओं को और समृद्ध करेगा। मथुरा और काशी दोनों ही मोक्षदायिनी नगरी हैं और इन दो तीर्थस्थलों के बीच समन्वय और श्रद्धा का आदान-प्रदान एक अभिनव पहल है। इस वर्ष की रंगभरी एकादशी और होली पर्व में इसे सम्मिलित किया जाएगा। काशी विश्वनाथ धाम में भी रंगभरी एकादशी का पर्व धूमधाम से मनाया जाता है, जो न केवल स्थानीय महत्व रखता है, बल्कि इसका वैश्विक महत्व भी है। उपहार आदान-प्रदान के साथ, दोनों धामों के भक्तों को विशेष रूप से भगवान लड्डू गोपाल के रूप में बाल स्वरूप के भगवान और बाबा विश्वनाथ से आशीर्वाद प्राप्त होगा।

फाल्गुन शुक्ल नवमी को गुलाल, पटुका, पिचकारी और गुजिया प्रसाद के साथ जाएगी यात्रा

बाबा काशी विश्वनाथ के लिए आठ मार्च को फाल्गुन शुक्ल नवमी पर भव्य यात्रा के साथ गुलाल व अन्य सामान मथुरा से वाराणसी भेजे जाएंगे। यात्रा को भव्य बनाने के लिए श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान ने तैयारी शुरू कर दी है।

श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान के सचिव कपिल शर्मा ने बताया कि शनिवार को सुबह 10 बजे श्री राधाकृष्ण युगल सरकार के भाव से गुलाल, पटुका, पिचकारी और गुजिया प्रसाद के रूप में काशी विश्वनाथ धाम भेजी जाएगी।

यह यात्रा भगवान श्री केशवदेव, मां योगमाया, श्रीगर्भ गृह और भागवत भवन स्थित श्रीराधाकृष्ण मंदिर से होते हुए श्रीकृष्ण जन्मस्थान के मुख्यद्वार पर पहुंचेगी। यहां सुसज्जित वाहन में दिव्य होली प्रसाद को लेकर श्रीकृष्ण जन्मभूमि के पूजाचार्य और जन्मस्थान से जुड़े भक्त काशी विश्वनाथ धाम जाएंगे।

इसी गुलाल से ही 10 मार्च को रंगभरी एकादशी के दिन बाबा विश्वनाथ होली खेलेंगे। सदस्य गोपेश्वरनाथ चतुर्वेदी ने बताया कि श्रीकृष्ण जन्मभूमि से काशी विश्वनाथ धाम की इस गुलाल यात्रा में भक्त, ब्रजवासी सम्मिलित होकर इस ऐतिहासिक पुनीत अवसर के साक्षी बन सकते हैं।

स्टेशनों पर भीड़ नियंत्रण को लेकर बड़ा फैसला, 60 स्टेशनों पर बनेंगे स्थायी वेटिंग एरिया

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली/पटना। स्टेशनों पर बढ़ती भीड़ को नियंत्रित करने और यात्री सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए रेल मंत्रालय ने एक बड़ा कदम उठाया है। रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव की अध्यक्षता में हुई उच्चस्तरीय बैठक में देशभर के 60 प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर स्थायी बाहरी वेटिंग एरिया बनाने का निर्णय लिया गया है। इस योजना के तहत पहले चरण में नई दिल्ली, आनंद विहार, वाराणसी, अयोध्या और पटना स्टेशनों पर पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया गया है।

स्टेशनों पर भीड़ कम करने के लिए सख्त नियम

रेल मंत्रालय के अनुसार, पिछले त्योहारों और महाकुंभ के दौरान अस्थायी वेटिंग एरिया बनाकर भीड़ को सफलतापूर्वक नियंत्रित किया गया था। इसी अनुभव के आधार पर अब स्थायी वेटिंग एरिया बनाने का फैसला लिया गया है। इसके तहत केवल कन्फर्म टिकट वाले यात्रियों को ही प्लेटफॉर्म पर जाने दिया जाएगा जबकि प्रतीक्षा सूची या बिना टिकट वाले यात्रियों को वेटिंग एरिया में रुकना होगा। भीड़ नियंत्रण को प्रभावी बनाने के लिए 60 स्टेशनों पर पूरी तरह से प्रवेश नियंत्रण लागू किया जाएगा। इसके तहत केवल कन्फर्म टिकट वाले यात्रियों को सीधे प्लेटफॉर्म पर जाने की अनुमति होगी। बिना टिकट यात्री या प्रतीक्षा सूची वाले यात्री केवल बाहरी वेटिंग एरिया में रुक सकेंगे। स्टेशनों के अवैध प्रवेश बिंदु सील किए जाएंगे।

चौड़े फुट-ओवर ब्रिज और आधुनिक सुरक्षा व्यवस्था

रेल मंत्रालय ने स्टेशनों पर चौड़े फुट-ओवर ब्रिज बनाने की भी घोषणा की है। 40 फीट और 20 फीट चौड़ाई वाले दो नए डिजाइन के ओवर ब्रिज तैयार किए गए हैं, जो भीड़ नियंत्रण में कारगर होंगे। इसके साथ ही हर स्टेशन पर अधिक कैमरे लगाए जाएंगे जिससे निगरानी बढ़ाई जाएगी। भीड़ प्रबंधन के लिए बड़े स्टेशनों पर वार रूम बनाए जाएंगे। वॉकी-टॉकी, अनाउंसमेंट सिस्टम और कॉलिंग सिस्टम जैसे अत्याधुनिक संचार उपकरण लगाए जाएंगे। यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सभी स्टाफ को नई डिजाइन की यूनिफॉर्म दी जाएगी ताकि वे आसानी से पहचाने जा सकें। केवल अधिकृत लोगों को ही स्टेशन में प्रवेश देने के लिए नए डिजाइन के आइडी कार्ड जारी किए जाएंगे। रेलवे ने प्रमुख स्टेशनों पर स्टेशन निदेशक के पद को अपग्रेड करने का फैसला लिया है। निदेशक को वित्तीय अधिकार दिए जाएंगे जिससे वे तत्काल सुधार कार्य कर सकें। सभी विभागों को स्टेशन निदेशक को रिपोर्ट करना होगा। टिकट बिक्री स्टेशन की क्षमता और उपलब्ध ट्रेनों के अनुसार नियंत्रित की जाएगी।

रेलकर्मियों की चयनित पुत्रियों को उच्च शिक्षा हेतु छात्रवृत्ति का वितरण

साथ ही स्वास्थ्य जांच हेतु चिकित्सा कैंप का आयोजन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हाजीपुर। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में पूर्व मध्य रेल द्वारा महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मुख्यालय, हाजीपुर स्थित वैशाली रेल प्रेक्षागृह में महिला रेलकर्मियों के लिए सम्मान में एक समारोह का आयोजन किया गया। महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह तथा पूर्व मध्य रेल महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा सुनिता सिंह ने समारोह का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर पूर्व मध्य रेल महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा द्वारा पांचों मंडलों एवं मुख्यालय के रेलकर्मियों के उच्च तकनीकी/व्यवसायिक शिक्षा प्राप्त कर रहीं 446 चयनित पुत्रियों को कर्मचारी कल्याण निधि से छात्रवृत्ति के रूप में 80.30 लाख रुपए की राशि वितरित की गयी। इस अवसर पर महाप्रबंधक ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की शुभकामानएं देते हुए कहा कि अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस ''आधी आबादी'' के संघर्षों को याद करने का भी दिन है जिसके कारण आज महिलाएं जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में यथा-सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक, आर्थिक में सफल हुई है। उन्होंने कहा कि भारतीय रेल में आज लगभग एक लाख महिलाएं कार्यरत हैं जिनमें लगभग 5000 महिलाएं पूर्व मध्य रेल में अधिकारी, डॉक्टर, पारा मेडिकल स्टाफ, लोको पायलट, स्टेशन मास्टर, इंजीनियर, गार्ड, ट्रैक मेंटेनर, जैसे महत्वपूर्ण एवं संरक्षा से जुड़े पदों पर कार्य करते हुए रेल और देश के विकास में योगदान दे रहीं हैं। पूर्व मध्य रेल महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा सुनिता सिंह ने कहा कि प्रत्येक वर्ष महिलाओं की उपलब्धियों एवं लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हमलोग अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस को उत्सव के तौर पर मनाते हैं। आज देश हीं नहीं, विश्व पटल पर महिलाओं के नेतृत्व की सराहना सर्वत्र हो रही है जहां देश का नेतृत्व महिला के रूप में राष्ट्रपति द्रौपदी मूर्मू के हाथों में है वहीं, भारतीय रेल भी इसमें पीछे नहीं है क्योंकि लगभग एक लाख महिलाएं भारतीय रेल को प्रगति के पथ पर अग्रसर करने में अपना योगदान दे रहीं हैं।

नारायण सेवा संस्थान का पटना में निशुल्क नारायण आर्टिफिशियल लिम्ब कैम्प 9 मार्च को

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। राजस्थान का राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त एनजीओ नारायण सेवा संस्थान द्वारा बिहार के दिव्यांगों के हितार्थ पटना में निःशुल्क विशाल शिविर का आयोजन रविवार 9 मार्च को पटना रिसोर्ट आशियना-दीघा मार्ग, पटना में आयोजित होगा। संस्थान की ओर से शिविर प्रभारी हरिप्रसाद लड्ढा ने बताया कि ऐसे लोग जिन्होंने किसी हादसे में या अन्य बीमारी के चलते अपना हाथ-पैर गंवा देने से अंगविहिन हुए है, उन्हें दिव्यांगता की दुःखभरी जिन्दगी से निकालने के लिए संस्थान प्रतिबद्ध है। पद्मश्री अलंकृत संस्थापक कैलाश मानव जी की प्रेरणा से संस्थान विगत 40 वर्षों से संस्थान मानवता और दिव्यांगता के क्षेत्र में सेवारत है। संस्थान अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल की प्रेरणा से पटना के दिव्यांगजनों को मदद पहुंचाने के संकल्प से विशाल निःशुल्क दिव्यांगता निवारण ऑपरेशन चयन एवं नारायण लिम्ब मेजरमेंट शिविर पटना रिजॉर्ट, आशियाना दीघा मार्ग, पटना में रविवार 9 मार्च को प्रातः 8 बजे से सायं 5 बजे तक चलेगा।

महिला हिंसा के खिलाफ दोनों सदनों में विपक्ष का हंगामा

सीएम नीतीश ने जोड़े हाथ, विधानसभा अध्यक्ष ने चुटकी ली, कहा महिला पीड़ित ज्यादा शोर मचा रहे हैं

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार विधान मंडल के बजट सत्र छठे दिन शुक्रवार को दोनों सदनों में महिला हिंसा के खिलाफ विपक्ष ने हंगामा किया।
विधानसभा में कार्यवाही शुरू होते ही विपक्षी सदस्यों ने महिला हिंसा के खिलाफ वेल में जा कर जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान माले विधायक सदन में अपनी बात रखना चाहते थे, लेकिन विधानसभा अध्यक्ष नंदकिशोर यादव ने इजाजत नहीं दी। इसके बाद माले विधायक वेल में पहुंच गए और नारेबाजी करने लगे। इस पर विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि समय पर अपनी बात उठाइएगा। विधानसभा अध्यक्ष ने मार्शल को आदेश दिया कि प्रदर्शन कर रहे सदस्यों के हाथ से पोस्टर ले लें। इसके बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार खुद खड़े हो गए। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने हंगामा कर रहे विधायकों से कहा कि हम आपसे हाथ जोड़ते हैं, अब आपलोग बैठ जाइए।
विधानसभा अध्यक्ष और मुख्यमंत्री के लगातार अपील के बावजूद जब विधायकों ने हंगामा जारी रखा, तो मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने विपक्षी विधायकों को कड़ी फटकार लगाते हुए कहा, ए सुनो, फालतू बात मत करो। किसी भी घटना पर तुरंत कार्रवाई होती है जो गड़बड़ करेगा उस पर एक्शन होगा जब भी कोई घटना होती है मैं तुरंत अधिकारियों से कहता हूं कि देखो क्या हुआ? आप लोगों को प्रदर्शन की कोई जरूरत नहीं है। फालतू बातों को लेकर ऐसा मत कीजिये। उन्होंने कहा कि आपसे हम हाथ जोड़कर प्रार्थना करते हैं, बैठिये और सदन का संचालन में सहयोग करें। उनके इस कड़े रुख के बाद विपक्षी सदस्य शांत हुए और अपनी सीट पर लौट आए। इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष नंदकिशोर यादव ने महिला दिवस की बधाई देते हुए महिला विधायकों को प्राथमिकता देने की घोषणा की। उन्होंने विपक्ष के हंगामे पर तंज कसते हुए कहा कि महिलाओं का विरोध करेंगे तो खाना नहीं मिलेगा, महिला पीड़ित लोग ज्यादा हल्ला कर रहे हैं। उधर सदन की कार्यवाही शुरु होने के पहले सदन के बाहर विपक्ष ने जमकर नारेबाजी की। राजद और माले विधायकों ने पोर्टिको में नारेबाजी शुरू कर दी जबकि आउटसोर्सिंग में आरक्षण की मांग को लेकर राजद विधायक आक्रामक दिखे। विपक्ष 70वीं बीपीएससी री-एग्जाम, शिक्षा स्वास्थ्य, रोजगार सहित कई अन्य मुद्दों को लेकर सरकार को घेरने की कोशिश कर रहा था। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के गृह जिले नालंदा में एक महिला का शव मिला था, जिसके पैर के तलवे में 9 कीलें ठोंकी हुई थीं। इस वीभत्स तस्वीर के सामने आने के बाद पुलिस से लेकर आम लोग सभी हैरान है।

बी.डी. कॉलेज के प्राचीन इतिहास और एशियाई अध्ययन में 'गुरु गौरव' साप्ताहिक कार्यक्रम का शुभारंभ

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बी.डी. कॉलेज के प्राचीन इतिहास और एशियाई अध्ययन विभाग के तत्वावधान में 'गुरु गौरव' नामक एक साप्ताहिक शैक्षणिक कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। यह कार्यक्रम प्रत्येक गुरुवार को आयोजित किया जाएगा जिसमें विभागीय छात्र-छात्राएं शैक्षणिक गतिविधियों के माध्यम से अपनी प्रस्तुति देंगे। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों में बौद्धिक जागरूकता बढ़ाना और ऐतिहासिक विषयों की गहन समझ को प्रोत्साहित करना है। गुरु गौरव शैक्षणिक कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय के प्राचीन इतिहास और एशियाई अध्ययन विभाग में किया गया जिसमें विभाग की विभागाध्यक्षा नीतू तिवारी ने स्वागत उद्बोधन तथा विषय जानकारी दी और डॉ. स्वर्णा कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन किया। डॉ दिवाकर पांडेय विभाग अध्यक्ष दर्शनशास्त्र ने विद्यार्थियों को प्रेरणा संबोधन दिया।

पटना में धूमधाम से पहुंची केकेआर की आईपीएल 2024 ट्रॉफी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। कोलकाता नाइट राइडर्स की ऐतिहासिक ट्रॉफी टूर, अपने तीसरे टाटा आईपीएल खिताब का जश्न मनाते हुए क्रिकेट प्रेमियों से मिलने पटना पहुंची।
पटना में यह प्रतिष्ठित ट्रॉफी ऐतिहासिक गोलघर में प्रदर्शित की गई जहां फैंस की भीड़ को इसे करीब से देखने का मौका मिला। इसके बाद यह गंगा नदी के किनारे स्थित सांस्कृतिक धरोहर भद्र घाट पर लाई गई जहां शहरवासियों ने इस गौरवशाली पल का आनंद लिया। टूर का पटना में आखिरी पड़ाव सिटी सेंटर मॉल रहा जहां क्रिकेट प्रेमियों ने ट्रॉफी के साथ यादगार लम्हे बिताए और केकेआर की 2024 की शानदार जीत का जश्न मनाया। आगामी सीजन को लेकर उत्साह बढ़ता जा रहा है और इसी जोश के साथ केकेआर की ऐतिहासिक ट्रॉफी टूर में फैंस से मिलने का सिलसिला जारी है। कोलकाता लौटने से पहले, 9 मार्च को यह प्रतिष्ठित ट्रॉफी दुर्गापुर पहुंचेगी जहां इसे देखने का मौका मिलेगा। कोलकाता नाइट राइडर्स 22 मार्च को अपने टाटा आईपीएल 2025 अभियान की शुरुआत रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ आइकॉनिक ईडन गार्डन्स में करेगी।

एनडीए का नेतृत्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ही करेंगे : सम्राट चौधरी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। विधानसभा चुनाव के बाद बिहार में भी महाराष्ट्र माडल अपनाए जाने को लेकर चल रही सियासी चर्चाओं के बीच उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने शुक्रवार को साफ किया कि चुनाव के बाद भी एनडीए का नेतृत्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ही करेंगे। पटना में पत्रकारों से बातचीत करते हुए सम्राट चौधरी ने कहा कि नीतीश कुमार 1996 से बिहार में एनडीए का नेतृत्व कर रहे हैं। इसलिए वे कल भी नेता थे आज भी हैं और आगे भी रहेंगे। भाजपा पूरी तरह उनके साथ सहज है। वहीं, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार के राजनीति में कदम रखने के सवाल पर सम्राट चौधरी ने कहा कि यह पूरी तरह से उनका व्यक्तिगत और जदयू का आंतरिक मामला है।

मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने किया कृषि मेला-प्रदर्शनी का उद्घाटन

उत्पादों के निर्माण तथा अंतिम उपयोग की तिथि को हर पैकेट पर अंकित करने का निर्देश

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने राज्य स्तरीय किसान उत्पादक संगठन के मेला-प्रदर्शनी तथा कार्यशाला का उद्घाटन किया। पटना के मीठापुर स्थित कृषि भवन में आयोजित मेला-प्रदर्शनी तथा कार्यशाला में उन्होंने विभिन्न कृषि उत्पादों का अवलोकन किया। उन्होंने इस दौरान कृषि भवन परिसर में एफ.पी.ओ. सदस्यों द्वारा लगाये गये विभिन्न स्टॉलों का निरीक्षण किया तथा उत्पादों की गुणवत्ता व उपयोगिता हेतु मार्गदर्शित किया। साथ ही उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य से खिलवाड़ बिल्कुल नहीं हो इसके लिए उत्पादों के निर्माण तथा अंतिम उपयोग की तिथि को हर पैकेट पर अंकित करने का निर्देश दिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने प्रधानमंत्री के अन्नदाताओं के प्रति प्रतिबद्धता व उनके उत्थान हेतु किये जा रहे कार्यों के बारे में बताया साथ ही बिहार में कृषि व कृषक भाईयों के हित में हो रहे विकास कार्यों तथा विभिन्न योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान कृषि विभाग के सचिव संजय कुमार अग्रवाल सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

देसी कट्टा व मोबाइल के साथ युवक गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मसौढ़ी। मसौढ़ी थाना क्षेत्र के नदौल में मसौढ़ी पुलिस ने देर रात्रि में एक युवक को देसी कट्टा और मोबाइल के साथ गिरफ्तार किया। दरअसल गिरफ्तार दो युवक नदौल में एक शादी समारोह में हर्ष फायरिंग करने की तैयारी में थे जहां गुप्त सूचना के आधार पर मिली जानकारी का सत्यापन करते हुए मसौढ़ी पुलिस ने मौके पर उसे देसी कट्टा के साथ धर दबोचा जहां एक युवक मौके से फरार हो गया। गिरफ्तार युवक का नाम रोशन कुमार पिता योगेंद्र साव, नदौल जबकि मौके से फरार हुए युवक का नाम सोनू कुमार पिता सतेंद्र यादव मटौढ़ा का रहने वाला है। थानाध्यक्ष विजय यादवेन्दु ने बताया कि अपने चचेरी बहन की शादी में नादौल में हर्ष फायरिंग करने की प्लानिंग कर रहे थे। ऐसे में सूचना मिली थी जिसे पकड़ लिया गया है और मामले की छानबीन की जा रही है कि गिरफ्तार युवक के पास देसी कट्टा कहां से आया है और इसका और कहां-कहां प्रयोग किया है।

नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से स्वच्छता अभियान से हर घर में जागृति आई : डा. नीतू कुमारी नवगीत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। नगर निगम स्वच्छता जागरूकता टीम द्वारा पटना के एलिट इंस्टीट्यूट में छात्र-छात्राओं के बीच जागरूकता अभियान चलाया गया। सभी को स्वच्छता सर्वेक्षण अभियान में भाग लेने के लिए प्रेरित भी किया गया। कार्यक्रम में पटना स्वच्छता जागरूकता अभियान की ब्रांड एंबेसडर डॉ नीतू कुमारी नवगीत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से प्रारंभ स्वच्छता अभियान से हर घर में जागृति आई है और अब बच्चा-बच्चा भी स्वच्छता के महत्व को जान गया है, लेकिन जानकार खामोश नहीं रहना है बल्कि स्वच्छता को संस्कार में बदलना है और प्रति सप्ताह 2 घंटे श्रमदान करने की आदत बनानी है। उन्होंने लोकगीत गाकर सभी को स्वच्छ रहने और शहर को स्वच्छ रखने का संदेश दिया। कार्यक्रम में संस्थान के निदेशक अमरदीप झा ने कहा कि स्वच्छता से ही भारत देश की गरिमा और मान में बढ़ोतरी होगी। देश को विकसित बनाना है, लेकिन उससे पहले स्वच्छ बनाना ज्यादा जरूरी है। बच्चा-बच्चा जब स्वच्छता के महत्व को समझेगा और स्वच्छता के नियमों का पालन करेगा तभी हर जगह स्वच्छता का राज होगा। सौम्य पाठक, अनिकेत कुमार, प्रीति कुमारी, कुणाल झा, हर्षित कुमार, आयुष कुमार, हिमेश कुमार, रश्मि कुमारी, सौम्या कुमारी, प्राची कुमारी, प्रिंस कुमार, कुमार शुभम, आशुतोष कुमार, रौनक कुमारी, अंकित कुमार, रोहित कुमार सहित सैकड़ों लोगों ने स्वच्छता अभियान में भाग लिया।

छह वर्षीय हंजल हुसैन ने रमजान के जुम्मा के दिन रखा पहला रोजा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

फुलवारीशरीफ। रमजान में एक नेकी के बदले 70 नेकियों का सवाब मिलता है। रोजेदार न सिर्फ खुदा के लिए अपनी शिद्दत बल्कि इंसानियत के लिए अपनी चाहत भी परखते हैं। इस नेकियों को बटोरने में बच्चे भी बड़े के मुकाबले में रोजा रख रहे हैं, इबादत कर रहे हैं। फुलवारीशरीफ हारून नगर निवासी हाजी शाद हुसैन अशरफी के 6 वर्षीय पुत्र मो. हनजल हुसैन इस रमजान मुबारक महीने के पहला रोजा रमजान के पहला जुम्मा के दिन रखा। बड़ों की तरह सुबह-सुबह सेहरी खाया और रोजा की तैयारी कर ली। जैसे-जैसे दिन ढलने लगा और उसने कुछ नहीं खाया तो घर वालों ने कहा कि कुछ खा लो तो उसने इंकार कर दिया और कहा कि सेहरी में खाए थे अब इफ्तार करेंगे आज हम रोजा में है। इसके बाद घर में सभी लोग अचंभित रह गए, लोग मानने को तैयार नहीं थे उसे काफी मनाया, लेकिन 6 वर्षीय नन्हे रोजगार ने रोजा रखने की जिद पकड़ ली और पूरा रोजा मुकम्मल किया।

बीडी कॉलेज, पटना द्वारा डीएनए पृथक्करण पर दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बीडी कॉलेज, पटना के जैव प्रौद्योगिकी और औद्योगिक सूक्ष्म जीवविज्ञान विभाग द्वारा 7-8 मार्च 2025 को डीएनए पृथक्करण पर दो दिवसीय कार्यशाला सह व्यावहारिक प्रशिक्षण सत्र का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय, पटना विश्वविद्यालय और टीएमबी विश्वविद्यालय, भागलपुर सहित विभिन्न संस्थानों के 128 छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागी स्नातक (बी.एससी.) से लेकर शोधार्थियों तक विविध अकादमिक पृष्ठभूमि जैसे प्राणीशास्त्र, वनस्पतिशास्त्र, सूक्ष्मजीवविज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी के थे।
उद्घाटन समारोह में परीक्षा नियंत्रक डॉ. सिकंदर जमील, सहायक नियंत्रक डॉ. बीरेंद्र मंडल और संकाय सदस्य डॉ. अनिल कुमार (भौतिकी) और डॉ. अपराजिता जैसी प्रतिष्ठित हस्तियां उपस्थित थीं। इस कार्यशाला की परिकल्पना जैव प्रौद्योगिकी और औद्योगिक सूक्ष्मजीवविज्ञान विभाग की समन्वयक डॉ. गरिमा पाठक द्वारा की गई थी।

लोक समिति की महिला सम्मेलन की तैयारी पूरी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार प्रदेश लोक समिति के प्रांतीय महामंत्री शिवजी सिंह ने प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए बताया कि अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिला सशक्तिकरण, तिलक-दहेज, महिला आरक्षण, शराब बंदी, वृद्धावस्था पेंशन में वृद्धि व अन्य मांगों को लेकर पटना स्थित चरखा समिति में लोक समिति के बैनर तले एक दिवसीय महिला सम्मेलन का आयोजन किया गया है। श्री सिंह ने कहा कि बतौर महिला सम्मेलन के मुख्य वक्ता एवं उद्घाटक लोक समिति के राष्ट्रीय संयोजक कौशल गणेश आजाद, मुख्य अतिथि पूर्व विधायक और जेपी सेनानी सूर्य देव त्यागी और सामाजिक कार्यकर्ता श्रीमती नीलू होंगी। विशिष्ट अतिथि के रुप में गांधीवादी किसान नेता लोक समिति के शाहाबाद प्रमंडल के अध्यक्ष सुरेश प्रसाद, बिहार प्रदेश लोक समिति (महिला) संयोजक क्रांति राशोष, मांति वर्मा, मीना देवी वगैरह भाग लेंगे।

डायवर्सन तोड़े जाने पर ग्रामीणों ने सड़क जाम कर किया घंटों विरोध प्रदर्शन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मसौढ़ी। धनरूआ थाना क्षेत्र के धनरूआ-बडीहा सड़क मार्ग को ग्रामीणों ने शुक्रवार को सड़क पर उतरकर बांस बल्ला लगाकर घंटों विरोध प्रदर्शन करते हुए सड़क जाम कर दिया जिससे यातायात बाधित रहा। दरअसल बताया जाता है कि बडीहा गांव में ग्रामीणों के आवागमन एक मात्र रास्ता डायवर्सन था जिसे बीते गुरुवार की देर रात फूलपुर के कुछ अज्ञात लोगों ने देर रात को रास्ता को काट दिया था जिससे लोगों की परेशानियां बढ़ गई थी जिसे आक्रोशित होकर लोग सड़क पर उतरकर घंटों विरोध प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने बताया कि गांव में तकरीबन 1500 से अधिक लोगों का आने-जाने का यही एक मात्र रास्ता है। मौके पर पहुंचे धनरूआ अंचल के राजस्व पदाधिकारी अनिरूद्ध कुमार, एवन थानाध्यक्ष सभी ग्रामीणों से बातचीत किए कुछ दस्तावेज देखे गए जहां मोबाइल से अंचलाधिकारी श्वेता कुमारी ने सारा चीज को मालूमात करते हुए डायवर्सन बनाने का आश्वासन दिया उसके बाद सड़क जाम को हटाया गया।

शक्तिधाम में अग्रवाल महिला सम्मलेन होली मिलन का आयोजन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार प्रादेशिक अग्रवाल महिला सम्मलेन द्वारा होली मिलन महोत्सव का आगाज प्रसिद्ध फिल्मी गायिका रेखा झा तथा महिलाओं द्वारा होली के गीतों एवं नृत्यों से अग्रसेन भवन, बैंक रोड पटना में किया गया। आया होली का त्योहार, उड़े रंग की बौछार, बलम पिचकारी जो तूने मुझे मारी, आज न छोड़ेंगे हमजोली- खेलेंगे हम होली, अरे जा रे हट नटखट न छू रे मेरा घूंघट-पलट के दूंगी आज तुझे गाली रे! मुझे समझो न तुम भोली भाली रे, पिचकारी के लागल बुखार आदि होली के गानों एवं नृत्य से आज पूरा अग्रसेन भवन, शक्तिधाम परिसर गुंजायमान हो गया। मौके पर कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए बिहार प्रादेशिक अग्रवाल सम्मेलन के अध्यक्ष अमर अग्रवाल ने कहा कि होली रंगों का त्योहार है। प्रकृति जब पूरी धरती पर बसंत का रंग बिखेर रही होती है तो होली का त्योहार आता है। होली रूप, रस, रंग एवं प्रेम का त्योहार है। इस अवसर पर अग्रवाल महिला सम्मलेन की प्रादेशिक अध्यक्ष डा गीता जैन ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि होली मित्रता एवं एकता का पर्व है। इसमें जाति भेद का कोई स्थान नहीं है। डॉ जैन ने कहा कि होली में रसायनिक रंगों का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए यह काफी अधिक खतरनाक होता है। कार्यक्रम को सफल बनाने में संरक्षिका मधु अग्रवाल ने अपना आशीर्वाद दिया। इनके साथ ही शकुंतला अग्रवाल, दया अग्रवाल, अर्चना जैन, रजनी खेमका, सुनीता अग्रवाल, पुष्पा जैन, स्वर्णलता अग्रवाल, एडवोकेट मंजू झा, नीना मोटानी, अंकित कृष्ण, अम्बर अग्रवाल, दीपा एवं रेणु अग्रवाल, ज्योति बंसल, सुरभि अग्रवाल, रूबी सिन्हा, मधु मंजरी, जूही अग्रवाल, शिल्पी अग्रवाल, पल्लवी दास सहित अन्य की प्रमुख भूमिका रही।

संपादकीय

केंद्र सरकार से बेवजह टकराव कर रहे मुख्यमंत्री स्टालिन

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने परिसीमन के मुद्दे पर सर्वदलीय बैठक बुलाकर यह साफ कर दिया है कि इस मसले को अब और टालना संभव नहीं होगा। हिंदी भाषा को लेकर उनकी टिप्पणियां भी विवादित रही हैं। साफ है कि वे इन दोनों ही मुद्दों पर दक्षिणी राज्यों को एक पाले में करने की राजनीति कर रहे हैं, जिसे देश के संघीय ढांचे के लिए ठीक नहीं कहा जा सकता। परिसीमन के मुद्दे पर दक्षिणी राज्य चिंतित हैं, लेकिन तमिलनाडु अत्यधिक मुखर है। स्टालिन चाहते हैं कि वर्ष 1971 की जनगणना को 2026 से तीस वर्षों के लिए लोकसभा सीट के परिसीमन का आधार बनाया जाए। मगर उन्हें समझना चाहिए कि परिसीमन दरअसल एक संवैधानिक जरूरत है, जिसका मकसद यह सुनिश्चित करना है कि संसद में जनता के प्रतिनिधित्व और आबादी में हो रही बढ़ोतरी का अनुपात ठीक बना रहे। यह कोई नई प्रक्रिया नहीं है। अब तक तीन बार हुए परिसीमन में राज्यों में आबादी के हिसाब से न्यायसंगत रूप से सीटों की संख्या निर्धारित हुई। दरअसल, अगले साल तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव है। यही वजह है कि क्षेत्रीय भावनाएं सुलगाने की मुहिम में स्टालिन जुटे हुए हैं। स्टालिन ने हाल में नवयुगलों को जल्दी परिवार की योजना बनाने का सुझाव दिया और इसे परिसीमन के मुद्दे से जोड़ दिया। जहां तक भाषा का सवाल है, तमिलनाडु में शुरू से तीन भाषा नीति का विरोध होता रहा है। तीन भाषा नीति का हालिया विरोध ऐसे वक्त में हो रहा है, जब दक्षिण के राज्य परिसीमन को लेकर भी सवाल उठा रहे हैं। उन्हें डर है कि परिसीमन होने पर लोकसभा में दक्षिण के राज्यों की सीटें कम हो सकती हैं, जिससे केंद्र में उनकी आवाज कमजोर हो जाएगी। ऐसे में परिसीमन और हिंदी का विरोध एक साथ चल रहा है और दोनों एक-दूसरे को मजबूती दे रहे हैं। दरअसल, परिसीमन के बाद लोकसभा और विधानसभा की सीटों में बदलाव होगा। जनसंख्या के लिहाज से उत्तर भारत का पलड़ा भारी है। दक्षिण भारत के राज्यों को यही डर है कि जनसंख्या नियंत्रण पर बेहतर काम का उन्हें नुकसान न उठाना पड़े। क्षेत्रीयता को हवा देना स्टालिन को राजनीति की आसान डगर लग सकती है, लेकिन उन्हें देश के संघीय ढांचे के बारे में सोचना चाहिए और इस मुद्दे पर केंद्र से बातचीत के जरिए राह निकालने की कोशिश करनी चाहिए।

अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर उच्छृंखलता नामंजूर

सुप्रीम कोर्ट ने अभिव्यक्ति की आजादी से जुड़े दो अलग–अलग मामलों की सुनवाई के दौरान जो कहा, वह जहां संवैधानिक और लोकतांत्रिक मूल्यों के लिहाज से खासा अहम है वही एक संतुलित एवं आदर्श समाज व्यवस्था का आधार भी है। सुप्रीम कोर्ट ने अभिव्यक्ति की आजादी व धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने से जुड़े इन मामलों में जो फैसले किए हैं और इस दौरान जो टिप्पणियां की हैं, उसके निहितार्थों को समझने की आवश्यकता है। मंगलवार को 'मियां–टियां' और 'पाकिस्तानी' शब्दों के इस्तेमाल से जुड़ी याचिका की सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने इस मुकदमे के आरोपी को इस आधार पर आरोप–मुक्त कर दिया कि यह भारतीय दंड सहिता की धारा 298 के तहत धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के अपराध के बराबर नहीं है। वैसे, अदालत ने इन शब्दों के प्रयोग को गैर–मुनासिब माना। एक दूसरे रणवीर इलाहाबादिया से जुड़े मामले में अश्लीलता के आरोपों पर भी सुप्रीम कोर्ट ने बेहद संतुलित लेकिन धारदार–सख्त टिप्पणी करते हुए स्पष्ट किया कि न तो अश्लीलता के लिए कोई गुंजाइश छोड़ी जानी चाहिए और न ही इसे अभिव्यक्ति की आजादी की राह में आने देना चाहिए। रणवीर इलाहाबादिया को पॉडकास्ट जारी रखने की इजाजत देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि वह नैतिकता और अश्लीलता की सीमा को लांघने की गलती न करें।

(ललित गर्ग)

सुप्रीम कोर्ट के इस सख्त रुख की अहमियत इसलिए भी बढ़ जाती है क्योंकि यह ऐसे समय सामने आया है जब देश में अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर विभिन्न समुदायों का विचलन, द्वेष एवं नफरत काफी बढ़ी हुई दिख रही है।

सुप्रीम कोर्ट ने अभिव्यक्ति की आजादी से जुड़े दो अलग-अलग मामलों की सुनवाई के दौरान जो कहा, वह जहां संवैधानिक और लोकतांत्रिक मूल्यों के लिहाज से खासा अहम है वही एक संतुलित एवं आदर्श समाज व्यवस्था का आधार भी है। सुप्रीम कोर्ट ने अभिव्यक्ति की आजादी व धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने से जुड़े इन मामलों में जो फैसले किए हैं और इस दौरान जो टिप्पणियां की हैं, उसके निहितार्थों को समझने की आवश्यकता है। मंगलवार को 'मियां-टियां' और 'पाकिस्तानी' शब्दों के इस्तेमाल से जुड़ी याचिका की सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने इस मुकदमे के आरोपी को इस आधार पर आरोप-मुक्त कर दिया कि यह भारतीय दंड सहिता की धारा 298 के तहत धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के अपराध के बराबर नहीं है। वैसे, अदालत ने इन शब्दों के प्रयोग को गैर-मुनासिब माना। एक दूसरे रणवीर इलाहाबादिया से जुड़े मामले में अश्लीलता के आरोपों पर भी सुप्रीम कोर्ट ने बेहद संतुलित लेकिन धारदार-सख्त टिप्पणी करते हुए स्पष्ट किया कि न तो अश्लीलता के लिए कोई गुंजाइश छोड़ी जानी चाहिए और न ही इसे अभिव्यक्ति की आजादी की राह में आने देना चाहिए। रणवीर इलाहाबादिया को पॉडकास्ट जारी रखने की इजाजत देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि वह नैतिकता और अश्लीलता की सीमा को लांघने की गलती न करें। सुप्रीम कोर्ट ने अभिव्यक्ति की आजादी से जुड़ी इन जटिल होती स्थितियों को गंभीरता से लिया और अनेक धुंधलकों को साफ किया है। सर्वोच्च न्यायालय के इन अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के जुड़े फैसलों रूपी उजालों का स्वागत होना ही चाहिए।

यह विडम्बनापूर्ण एवं हमारी न्याय प्रक्रिया की विसंगति ही है कि एक सरकारी कर्मचारी के खिलाफ इस्तेमाल इन 'मियां-टियां' और 'पाकिस्तानी' जैसे शब्दों से जुड़े मुकदमे को निचली अदालत से सर्वोच्च न्यायालय तक का सफर तय करने में लगभग चार साल लगे, मगर दोनों पक्षों ने किसी पड़ाव पर यह समझदारी दिखाने की कोशिश नहीं की कि यह सिर्फ अहं की लड़ाई है। कांग्रेस सांसद इमरान प्रतापगढ़ी की एक कविता पर गुजरात पुलिस ने एफआईआर दर्ज की थी। गुजरात हाईकोर्ट ने भी इस मामले में जांच की जरूरत बताते हुए पुलिस कार्रवाई की पुष्टि की थी। इसे देखते हुए सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी मायने रखती है कि एफआईआर दर्ज करने से पहले संबंधित अधिकारियों एवं पुलिस को कविता पढ़नी चाहिए थी। कविता नफरत और हिंसा की नहीं, इंसाफ और इश्क की बात करती है। शीर्ष अदालत ने कहा कि आजादी के 75 साल हो गए हैं। कम से कम अब तो पुलिस को स्वतंत्र अभिव्यक्ति का मर्म समझना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट की इस बात का संदेश बिल्कुल स्पष्ट एवं न्यायसंगत है। हालांकि यह छिपी बात नहीं है कि पुलिस स्वायत्त तरीके से काम नहीं करती। अनेक कार्रवाइयां उसे सत्ता पक्ष के दबाव में करनी पड़ती हैं। इसलिए विपक्षी दलों एवं समुदाय विशेष के मामले में अगर अभिव्यक्ति की आजादी के कानून को हाशिये पर धकेल दिया या नजरअंदाज कर दिया जाता है, तो हैरानी की बात नहीं। यह कम बड़ी विडंबना नहीं कि साहित्य और कलाओं में अभिव्यक्त विचारों की व्याख्या भी अदालतों को करनी पड़ रही है। सत्ताएं सदा से अपनी आलोचना से तल्ख हो जाती रही है, ऐसी जटिल स्थितियों में आखिर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की रक्षा कौन करेगा?

ऐसा पहली बार नहीं हुआ है, इससे पहले भी कई मौकों पर वाक् और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर लम्बी बहसें हो चुकी हैं, आन्दोलन तक हुए, हिंसा एवं अराजकता का माहौल बना। हर बार अदालतें पुलिस को नसीहत देती हैं, अपने दखल से समझ एवं सीख भी देती है ताकि संतुलित वातावरण बना रहे। मगर शायद उस पर संजीदगी एवं संवेदनशीलता से अमल की जरूरत न तो पुलिस ने समझी और न उग्र एवं विध्वंसक शक्तियों ने। इसी का नतीजा है कि अब भी जब तब ऐसे मामले अदालतों में पहुंच जाते हैं, जिनसे किसी की भावना के आहत होने एवं विभिन्न समुदायों के आपसी सौहार्द-सद्भावना के खण्डित होने के आरोप लगते रहते हैं, जबकि वास्तव में उनमें ऐसा कुछ नहीं होता। बेवजह नफरत, द्वेष एवं घृणा का माहौल बनता रहा है, चाहे वह फिल्मों के दृश्यों-संवादों, किसी राजनेता के बयानों, धर्मगुरुओं के बोलों या साहित्य के किसी अंश को लेकर भावनाएं आहत करने या भड़काने के आरोप किसी ऐतिहासिक-मिथकीय प्रसंग को लेकर की गई टिप्पणी पर लगते रहे हों।

आज सोशल मीडिया जैसे मंचों के बेजा इस्तेमाल की प्रवृति बढ़ रही है, फेसबुक, ट्विटर, यू-ट्यूब जैसे सोशल मंचों पर ऐसी सामग्री परोसी जा रही है, जो अशिष्ट, अभद्र, हिंसक, भ्रामक, राष्ट्र-विरोधी एवं समुदाय विशेष के लोगों को आहत करने वाली होती है, जिसका उद्देश्य राष्ट्र को जोड़ना नहीं, तोड़ना है। इन सोशल मंचों पर ऐसे लोग सक्रिय हैं, जो तोड़-फोड़ की नीति में विश्वास करते हैं, वे चरित्र-हनन और गाली-गलौच जैसी औछी हरकतें करने के लिये उद्यत रहते हैं तथा उच्छृंखल एवं विध्वंसात्मक नीति अपनाते हुए अराजक माहौल बनाते हैं। एक प्रगतिशील, सभ्य एवं शालीन समाज में इस तरह की हिंसा, अश्लीलता, नफरत और भ्रामक सूचनाओं की कोई जगह नहीं होनी चाहिए, लेकिन विडम्बना है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता कानून के चलते सरकार इन अराजक स्थितियों पर काबू नहीं कर पा रही है। सुप्रीम कोर्ट ने सोशल मीडिया से जुड़े मंचों के दुरुपयोग पर चिंता से सहमति जताते हुए भी सेंसरशिप और नॉर्म (मानदंड) के बीच के फर्क को रेखांकित किया। उसका कहना था कि सरकार को इस संबंध में गाइडलाइंस लानी चाहिए, लेकिन ऐसा करते हुए यह भी ध्यान में रखना जरूरी है कि वे अभिव्यक्ति की आजादी पर गैरजरूरी पाबंदियों का रूप न ले लें।

सुप्रीम कोर्ट के इस सख्त रुख की अहमियत इसलिए भी बढ़ जाती है क्योंकि यह ऐसे समय सामने आया है जब देश में अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर विभिन्न समुदायों का विचलन, द्वेष एवं नफरत काफी बढ़ी हुई दिख रही है। शासन प्रशासन की ओर से इन्हें रोकने की कोशिशों में भी अक्सर अति-उत्साह की झलक देखने को मिलती है। हालांकि सोशल मीडिया के ये मंच स्वस्थ लोकतंत्र के लिए एक सकारात्मक भूमिका भी निभाते देखे जाते रहे हैं। उन पर कड़ाई से बहुत सारे ऐसे लोगों के अधिकार भी बाधित होने का खतरा है, जो स्वस्थ तरीके से अपने विचार रखते और कई विचारणीय मुद्दों की तरफ ध्यान दिलाते हैं। मगर जिस तरह बड़ी संख्या में वहां उपद्रवी, हिंसक, राष्ट्रीय और सामाजिक समरसता को छिन्न-भिन्न करने वाले तत्त्व सक्रिय हो गए हैं, उससे चिंता होना स्वाभाविक है। इससे जहां नागरिकों के अभिव्यक्ति के अधिकार का उल्लंघन होता है, वहीं इसके गलत इस्तेमाल की बेजा स्थितियां भी देखने को मिलती है। शीर्ष अदालत ने याद दिलाया है कि इस अधिकार का ख्याल रखा जाए। उन पर अंकुश लगाने एवं उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई का प्रावधान करना जरूरी है।

भारत की संप्रभुता और अखंडता, देश की सुरक्षा, विदेशी देशों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध, सार्वजनिक व्यवस्था, शालीनता या नैतिकता, न्यायालय की अवमानना, मानहानि या किसी अपराध के लिए उकसाने के विरुद्ध वाक् एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता नहीं दी जा सकती है। सरकार इनकी रक्षा के लिए भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर उचित प्रतिबंध लगा सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने अभिव्यक्ति की आजादी के अधिकार के साथ-साथ सेंसरशिप के प्रति अपनी अनिच्छा को दोहराया। लेकिन यह भी कहा कि ऐसा विचार 'घटिया विचारों' और 'गंदी बातों' का लाइसेंस नहीं है। दरअसल, इन दिनों सोशल मीडिया में जिस पैमाने पर विष-वमन हो रहा है, उसने पुलिस की चुनौतियां बढ़ा दी हैं। मगर उसकी कार्रवाइयां इसलिए प्रभावी नहीं होतीं, क्योंकि राज्य-दर-राज्य उनके पीछे के राजनीतिक पक्षपात भी स्पष्ट हो जाते हैं। राज्य पुलिस अक्सर सरकार विरोधी पोस्ट के मामले में तो तत्परता दिखाती है, मगर सत्तारूढ़ दल से जुड़े लोगों की वैसी ही गतिविधियां वह नजरअंदाज कर देती है। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट ने उचित ही गुजरात पुलिस को एहसास कराया है कि उसे असामाजिक तत्वों से निपटते हुए अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के बुनियादी लोकतांत्रिक मूल्य की रक्षा भी करनी है। जाहिर है, उच्छृंखल हुए बिना आजादी के उपयोग में ही नागरिक का भी भला है और समाज का भी। लेखक, पत्रकार, स्तंभकार हैं।

वर्चस्व पर संकट का कवच बनती हिंदी विरोध की राजनीति

(उमेश चतुर्वेदी)

संचार और सूचना क्रांति और तेज आवागमन के चलते भाषायी स्तर पर तमिलनाडु की स्थिति तीन-चार दशक पहले जैसी नहीं है। वहां हिंदी बोलने वालों की संख्या भले कम हो, लेकिन उसे समझने और हिंदी में आने वाले सवालों का जवाब देने या प्रतिक्रिया में सौदा-सुलफ मुहैया कराने वालों की तादाद बढ़ी है।

हिंदी को लेकर तमिलनाडु की राजनीति का आक्रामक होना कोई नई बात नहीं है। हिंदी के विरोध में जिस तरह स्टालिन ने रोजाना आधार पर मोर्चा खोल रखा है, वह 1965 के हिंदी विरोधी आंदोलन की याद दिला रहा है। संवैधानिक प्रावधानों की वजह से 26 जनवरी 1965 को हिंदी को राजभाषा के तौर पर जिम्मेदारी संभालनी थी, जिसके विरोध में सीए अन्नादुरै की अगुआई में पूरी द्रविड़ राजनीति उतर आई थी। तब हिंदी विरोध के मूल केंद्र में तमिल उपराष्ट्रीयता थी। उसके लिए तब यह साबित करना आसान था कि उस पर हिंदी थोपी जा रही है। तब आज की तरह सूचना और संचार की सहूलियतें नहीं थीं, तब दक्षिण और उत्तर के बीच आज की तरह सहज संचार नहीं था, तब आज की तरह मीडिया का इंटरनेटी वितान नहीं था। लेकिन आज हालात बदल चुके हैं। लिहाजा इस संदर्भ में स्टालिन के मौजूदा हिंदी विरोध की तह में जाना जरूरी हो जाता है।

चाहे तमिलनाडु का निवासी हो या फिर उत्तर भारत के किसी हिंदीभाषी इलाके का, उसके हाथ में अगर फोन है, उसमें अगर इंटरनेट का कनेक्शन है तो तय है कि उसकी उंगलियों के नियंत्रण में हिंदी और अंग्रेजी ही नहीं, दुनियाभर की भाषाएं हैं। इसलिए कम से कम सूचना और संचार के ऐसे माध्यमों पर किसी सरकार की वजह से भाषायी बंधन आज के दौर में हो भी नहीं सकता। इंटरनेट क्रांति के पहले भाषाओं के विस्तार में बाजार ने जो भूमिका निभाई, उसे अनदेखा नहीं किया जा सकता। आज का बाजार वर्ल्ड वाइड वेब यानी डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू के पंखों के सहारे कहीं और तेजी से फैल तो रहा ही है, फल-फूल भी रहा है। इसलिए हिंदी ही नहीं, किसी भी भाषा का विरोध अब दुनिया के किसी भी कोने में पूरी तरह न तो सफल हो सकता है और कोई दीवार उसे रोक सकती है। बेशक तमिलनाडु भाषायी स्तर पर अपनी अलग पहचान रखता है, लेकिन वह भी हमारे देश का हिस्सा है। मौजूदा स्थिति में तेजी से विकसित होता राज्य है और उसे अपने उत्पादन केंद्रों के लिए कामगारों की जरूरत है। जिसकी आपूर्ति उत्तर भारत के ही राज्य करते हैं। उसके निजी शैक्षिक केंद्रों के लिए विद्यार्थियों की भी जरूरत है। उत्तर भारत की जो शैक्षिक स्थिति है, उसकी असलियत सबको पता है। इस वजह से उत्तर भारतीय छात्रों की आवक भी तमिलनाडु में खूब है। ऐसे माहौल में वैसे तो हिंदी विरोध के औचित्य पर ही सवाल है। फिर भी स्टालिन विरोध कर रहे हैं तो उसके अपने कारण हैं।

संचार और सूचना क्रांति और तेज आवागमन के चलते भाषायी स्तर पर तमिलनाडु की स्थिति तीन-चार दशक पहले जैसी नहीं है। वहां हिंदी बोलने वालों की संख्या भले कम हो, लेकिन उसे समझने और हिंदी में आने वाले सवालों का जवाब देने या प्रतिक्रिया में सौदा-सुलफ मुहैया कराने वालों की तादाद बढ़ी है। हिंदी या कोई अन्य भाषी वैसे भी तमिल संस्कृति को इसलिए बहुत ज्यादा प्रभावित नहीं कर सकते, क्योंकि तमिल संस्कृति और भाषा दुनिया की पुरानी संस्कृतियों में से एक है और उसकी जड़ें बहुत गहरी हैं। तमिल लोग अपनी संस्कृति और भाषा से नेह-छोह ही नहीं रखते, उसका शिद्दत से सम्मान भी करते हैं। फिर तमिलनाडु की ऐसी स्थिति नहीं है कि दिल्ली, जालंधर, सूरत, लुधियाना, मुंबई की तरह तमिलनाडु के शहरों में हिंदीभाषियों की बाढ़ आ जाएगी। वैसे एक बारगी मान लें कि जिन जगहों का जिक्र हुआ है, वहां हिंदीभाषियों की बाढ़ होने के बावजूद क्या वहां की स्थानीय संस्कृति और भाषाओं पर संकट आया। निश्चित तौर पर इसका जवाब ना में है। दरअसल होता यह है कि बाहर से आया व्यक्ति स्थानीय संस्कृति और समाज के लिहाज से वहां व्यवहृत भाषा को अपने सामाजिक और सार्वजनिक कामकाज की भाषा बनाता है, वह अपनी बोली-बानी को अपने सीमित समाज और परिवार में इस्तेमाल तो करता है, लेकिन उसकी सार्वजनिक संपर्क भाषा वहां की स्थानीय भाषा ही होती है। पता नहीं, इन तथ्यों को स्टालिन समझते हैं या नहीं, लेकिन वे बार-बार हिंदी पर आरोप लगाते रहते हैं कि वह तमिल संस्कृति को नुकसान पहुंचाएगी।

असल बात यह है कि तमिलनाडु की राजनीति में पिछली सदी के साठ के दशक से ही स्थानीय द्रविड़ राजनीति का वर्चस्व बना हुआ है। कभी डीएमके तो कभी एआईडीएमके जैसी स्थानीय पार्टियां ही सत्ता की मलाई खाती रही हैं। सही मायने में देखें तो ये महज स्थानीय पार्टियां ही नहीं हैं, बल्कि अपने-अपने हिसाब से तमिल उपराष्ट्रीयता का ही प्रतिनिधित्व करती हैं। तमिल उपराष्ट्रीयता होना बुरी बात नहीं है, लेकिन वह राष्ट्रीयता पर हावी नहीं होनी चाहिए। लेकिन यह कड़वा सच है कि तमिल उपराष्ट्रीयता राष्ट्रीय मूल्यों पर हावी रहती रही है। तमिल उपराष्ट्रीयता के ही जरिए द्रविड़ राजनीति तमिलनाडु की सत्ता पर काबिज रही है। लेकिन संचार और सूचना क्रांति के दौर में अब तमिल उपराष्ट्रीयता वाली सोच को लगने लगा है कि अगर हिंदी आई तो उसके जरिए राष्ट्रीयता की विचारधारा मजबूत होगी। जिसका असर स्थानीय राजनीति पर भी पड़े बिना नहीं रहेगा। हिंदी या किसी भी सामान्य संपर्क भाषा के ज्यादा प्रचलन से कट्टरतावदी स्थानीय सोच को चोट पहुंचेगी और इसके साथ ही तमिल माटी में राष्ट्रीय राजनीति की जगह मजबूत होगी। जिसका आखिर में नतीजा हो सकता है कि द्रविड़ राजनीति की विदाई। कह सकते हैं कि स्टालिन को यही डर सताने लगा है। उन्हें लगता है कि अगर उन्होंने त्रिभाषा फॉर्मूला स्वीकार कर लिया, नई शिक्षा नीति को राज्य में लागू होने दिया तो जिस स्थानीयता केंद्रित भावना प्रधान राजनीति वह या उनके साथी स्थानीय दल करते हैं, उसका प्रभाव छीजने लगेगा। इससे स्थानीय राजनीति में उनका वर्चस्व कमजोर होगा और हो सकता है कि एक दौर ऐसा आए कि दूसरे राज्यों की तरह यहां भी राष्ट्रीय राजनीति हावी हो जाए। 1967 के विधानसभा चुनावों में करारी हार के बाद से कांग्रेस यहां की केंद्रीय राजनीति से बाहर है। तब से वह कभी डीएमके तो कभी एआईडीएमके की पिछलग्गू बनी रही है। कुछ ऐसी ही स्थिति भारतीय जनता पार्टी की भी रही है। 2024 के आम चुनावों को छोड़ दें तो बीजेपी को भी इन्हीं दलों की बैसाखी की आस रही है।

बिना अमेरिका रूस का मुकाबला कर पाएगा यूरोप?

लैटिन भाषा में वर्बा वोलांट, स्क्रिप्टामानेंट नाम की कहावत है। मतलब कहे हुए शब्द खत्म हो जाते हैं, लेकिन लिखे हुए शब्द हमेशा के लिए रह जाते हैं। ये कहावत लगभग 2000 साल पुरानी है। तब आवाज को ऑडियो-वीडियो के माध्यम से कैप्चर करने की तकनीक नहीं थी, लेकिन अब है। दशक गुजर जाते हैं, लेकिन इस दौरान घटित बातें कहे अनकहे रूप में सामने आ ही जाती है। नवंबर 1971 की बात है भारत की तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी अमेरिका के दौरे पर गईं थी। उनका मकसद अमेरिका को ये बताना था कि पूर्वी पाकिस्तान में कितना बड़ा नरसंहार हो रहा है। इसके चलते भारत में एक बड़ा मानवीय संकट पैदा हो गया है। भारत के उत्तर पूर्वी इलाके में पूर्वी पाकिस्तान से भागकर लाखों करोड़ों की संख्या में शरणार्थी आ रहे हैं। कहा जाता है कि इस दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति निक्सन ने इंदिरा गाँधी का अपमान किया, 45 मिनट तक उन्हें इंतज़ार करवाया। फिर तीखी बातें भी की।

(अभिनय आकाश)

जेलेंस्की ने उपराष्टपति जेडी वेंस से पूछा आपने युद्ध देखा है? वेंस ने कहा कि मैंने न्यूज रिपोर्ट देखी है। जेलेंस्की बोले अमेरिका अभी तो सेफ है, कभी हमला होगा तो पता चलेगा कि युद्ध क्या होता है।

लैटिन भाषा में वर्बा वोलांट, स्क्रिप्टामानेंट नाम की कहावत है। मतलब कहे हुए शब्द खत्म हो जाते हैं, लेकिन लिखे हुए शब्द हमेशा के लिए रह जाते हैं। ये कहावत लगभग 2000 साल पुरानी है। तब आवाज को ऑडियो-वीडियो के माध्यम से कैप्चर करने की तकनीक नहीं थी, लेकिन अब है। दशक गुजर जाते हैं, लेकिन इस दौरान घटित बातें कहे अनकहे रूप में सामने आ ही जाती है। नवंबर 1971 की बात है भारत की तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी अमेरिका के दौरे पर गईं थी। उनका मकसद अमेरिका को ये बताना था कि पूर्वी पाकिस्तान में कितना बड़ा नरसंहार हो रहा है। इसके चलते भारत में एक बड़ा मानवीय संकट पैदा हो गया है। भारत के उत्तर पूर्वी इलाके में पूर्वी पाकिस्तान से भागकर लाखों करोड़ों की संख्या में शरणार्थी आ रहे हैं। कहा जाता है कि इस दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति निक्सन ने इंदिरा गाँधी का अपमान किया, 45 मिनट तक उन्हें इंतज़ार करवाया। फिर तीखी बातें भी की। लेकिन उस दौरान इंदिरा ने संयम दिखाते हुए खामोशी बरती। फिर सेना को पाकिस्तान पर हमले का आदेश दे दिया। कुछ ही दिनों में पाकिस्तान और निक्सन दोनों घुटने पर आ गए। राष्ट्र के हित में कई बार निजी अपमान सहने वाला ही असली नेता होता है।

28 फरवरी 2025 को वोलोदिमिर जेलेन्स्की, डोनाल्ड ट्रम्प और जेडी वेंस के बीच जो कुछ भी हुआ उसे देख कर ये बिल्कुल नहीं लगा कि व्हाइट हाउस में डिप्लोमेसी को होते देख रहे हैं। ऐसा लगा मानों समय रैना का इंडिया गॉज लेटेंट चल रहा है। डोनाल्ड ट्रम्प ने अपने एक्ट के बाद सेल्फ रेटिंग दी भी। उन्होंने कहा भी कि इट इज गोइंग टू बी ग्रेट टेलीविजन। हुआ भी कुछ ऐसा ही, टेलीविजन पर वो छाए हुए हैं और वोलोदिमिर जेलेस्की डैमेज कंट्रोल मोड़ में हैं। यूक्रेन के राष्टपति वोलोदिमिर जेलेस्की और अमेरिकी राष्टपति डॉनल्ड टूप के बीच व्हाइट हाउस के ओवल ऑफिस में हुई नोकझोंक पूरी दुनिया में चर्चा का विषय बना हुआ है। व्हाइट हाउस के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ, जब दो राष्ट्राध्यक्षों की इस भिड़त को दुनिया ने देखा। बातचीत का शुरुआती आधा घंटा तो औपचारिकता में बीता, लेकिन आखिर के 10 मिनट में ऐसा क्या हुआ कि बातचीत हैसियत दिखाने पर आ पहुंची।

जेलेंस्की ने उपराष्टपति जेडी वेंस से पूछा आपने युद्ध देखा है? वेंस ने कहा कि मैंने न्यूज रिपोर्ट देखी है। जेलेंस्की बोले अमेरिका अभी तो सेफ है, कभी हमला होगा तो पता चलेगा कि युद्ध क्या होता है। व्हाइट हाउस की चीफ ऑफ स्टाफ सूजी विल्स ने प्रेस कॉन्फ्रेंस से पहले 15 मिनट का पूल स्प्रे (मेहमान नेता के साथ फोटो सेशन) रखा था, लेकिन जेलेंस्की-ट्रम्प में 35 मिनट लंबी बहस छिड़ गई। ट्रम्प का ओवल ऑफिस स्टाफ सन्न रह गया। बहस के बाद ट्रम्प वाइट हाउस के अपने वर्किंग रूम में चले गए।

क्या चाहते हैं ट्रंप– अमेरिका के राष्टपति डॉनल्ड ट्रंप ने जेलेस्की से मुलाकात के कुछ घंटों बाद कहा कि वो शख्स शांति नहीं चाहता है। मैं तुरंत संघर्ष विराम चाहता हूं। रूस के राष्टपति व्लादिमीर पुतिन भी शांति समझौते के लिए तैयार प्रतीत होते हैं। व्हाइट हाउस ने पत्रकारों से जेलेस्की के बारे में कहा कि उन्हें पुतिन के बारे में नकारात्मक बाते कहने की जरूरत नहीं है। यूक्रेनी राष्टपति को यह घोषित करने की जरूरत है कि क्या वह शांति चाहते हैं। व्हाइट हाउस की प्रवक्ता कैरोलिन लेविट ने कहा कि अमेरिकी लोग यूक्रेन को पैसे देते हुए थक चुके हैं। वह (जेलेस्की) इस जंग की व्यावहारिक हकीकत को पहचानने से इनकार कर रहे हैं। यह युद्ध कई साल से चल रहा है, उनके देशवासी मर रहे हैं। और जो लोग इस युद्ध के लिए आर्थिक मदद कर रहे है यानी अमेरिकी लोग, वे इस बिल का भुगतान करते-करते थक चुके हैं। परिस्थितियां जेलेस्की के पक्ष में नहीं है, राष्टपति ट्रंप के पक्ष में है। ट्रम्प पलटवार करने वाले नेता माने जाते हैं। वो यूक्रेन को अमेरिका की मदद पर रोक का फैसला कर सकते हैं।

जेलेस्की को यूरोप के इन देशों का साथ– स्लोवेनिया, वेल्जियम, आयरलैंड, ऑस्ट्रिया, कनाडा, रोमानिया, क्रोएशिया, फिनलैंड, एस्तोनिया, लातविया, नीदरलैंड्स, फ्रांस, लग्जमवर्ग, पुर्तगाल, स्वीडन, जर्मनी, नॉर्वे, चेक रिपब्लिक, लिथुआनिया, मोलदोवा, स्पेन, पोलैंड, यूके और ईयू ब्लॉक ने समर्थन में पोस्ट किया है। फ्रांस के राष्टपति इमैनुएल मैक्रों ने लिखा कि उन लोगों के प्रति सम्मान, जो शुरू से ही लड़ रहे हैं, क्योंकि वे अपनी गरिमा, अपनी आजादी, अपने वच्चों और यूरोप की सुरक्षा के लिए लड़ रहे हैं। पोलैंड के प्रधानमंत्री डॉनल्ड टस्क ने कहा कि आप अकेले नहीं हैं। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने ट्रंप और जेलेंस्की, दोनों से बतचीत की है।

इस घटना ने बढ़ा दी यूरोप की बेचैनी– ओवल ऑफिस के इस एपिसोड के बाद से यूरोप में बेचैनी बनी हुई है। यूरोप के देश जेलेंस्की के साथ खड़े हैं और अपनी रणनीति के लिए चर्चा कर रहे हैं। यूरोपीय देश सुरक्षा के ढांचे पर जो चर्चा अमेरिका को भी केंद्र में रखकर करते थे, वह चर्चा अब अमेरिका को अलग करके हो रही है। जानकारों का कहना है कि रूस फायदे में दिख रहा है, लेकिन अमेरिका की इमेज पर इसका असर पड़ेगा। सहयोगी देश विचार करने को मजबूर होंगे कि क्या अमेरिका भरोसेमंद है। ईयू (यूरोपीय यूनियन) के उपाध्यक्ष काजा कलास का कहना है कि 'फ्री वर्ल्ड' को अब नए नेता (ट्रम्प नहीं) की जरूरत है। यानी ईयू अब यूक्रेन युद्ध के नाम पर अमेरिका से अपने संबंधों को कम करने की कोशिशों में आगे बढ़ेगा। वैसे भी ट्रम्प ईयू पर 25त्न टैरिफ का ऐलान कर चुके हैं।

बिना अमेरिकी मदद के रूस का सामना कर सकता है यूरोप– सबसे बड़ा सवाल यह है कि बिना अमेरिकी सैन्य मदद के यूरोप रूस का सामना कर सकता है? पहली नजर में जवाब सरल लगता है। अमेरिका के बिना भी नाटक के सदस्य देशों की साझा सैन्य शक्ति भी कम नहीं है। 2022 में यूक्रेन ने न सिर्फ रूसी हमले को रोक दिया था बल्कि उसे पीछे भी ढकेल दिया था। तब के मुकाबले उसकी सैन्य शक्ति अब कहीं ज्यादा है। हालांकि उसने रूसी हमले को रोकने और पीछे ढकेलने में सफलता पाई थी तब यूक्रेन ने रूस का सामना सोवियत काल के पुराने उपकरणों से किया था। इसके मुकाबले रूस जिसके पास करीब 13 हजार टैंकों, 1 हजार लड़ाकू विमानों का जखीरा है वो यूक्रेन के सामने कमजोर नजर आया था। कई विशेषज्ञ मानते हैं कि बिना अमेरिका के भी नाटो रूस का सामना कर सकता है। रूस अब तक यूक्रेन को हरा नहीं पाया है तो अमेरिका के बिना भी कहीं अधिक विशाल और आधुनिक नाटो बलों के खिलाफ उसकी संभावना बहुत कम दिखती है।

रूस के दोनों हाथों में लड्डू– रूस के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि राष्टपति ट्रम्प और उपराष्टपति वेंस ने बहुत धीरज दिखाया। ये किसी चमत्कार से कम नहीं, वरना... वे जेलेंस्की पर हाथ भी छोड़ सकते थे। रूस ने जेलेंस्की को बेईमान नेता करार दिया। बहरहाल, इस विवाद के बीच रूस के दोनों हाथों में लड्डू है। एक तरफ रूस का यूक्रेन पर अटैक भी जारी है और दूसरी तरफ अमेरिका और रूस के बीच बातचीत के बाद ऐसा कुछ भी नहीं दिखा कि ट्रंप रूस पर दबाव बना रहे हों। इंटरनेशनल एक्सपर्ट्स का मानना है कि उनकी बातचीत से यह लगा कि ट्रंप चाहते हैं कि लड़ाई की जो मौजूदा बाउंड्री है, उसमें ही सीजफायर हो जाए, इससे रूस को फायदा होगा। रूस हमेशा से चाहता था कि यूएस से सीधी बातचीत शुरू हो। रूस और अमेरिका साथ बैठकर बात करते हैं तो यह माहौल खत्म होगा कि देखो, रूस को आइसोलेट कर दिया है।

अब आगे क्या– इस मुलाकात के दौरान शुरू से ही ट्रंप और जेलेंस्की की पोजिशन में फर्क दिख रहा था। जेलेंस्की चाहते हैं कि अमेरिकी रूस के खिलाफ जंग में उन्हें सपोर्ट करें। अगर जेलेंस्की जंग में आगे बढ़ते हैं और यूरोप साथ देता है तो स्थिति बिगड़ सकती है।

विमेंस डे पर महिला स्टाफ को दें ये तोहफे

8 मार्च को महिला दिवस पर महिलाओं को प्रोत्साहित करने और उन्हें थैंक्यू कहने के लिए ऑफिसों में भी गिफ्ट आदि दिए जाते हैं. ऐसे में तोहफा कुछ ऐसा होना चाहिए कि जो महिलाओं के लिए वाकई हेल्पफुल हो और जिसे देखकर उनके चेहरे पर मुस्कुराहट आ जाए.

महिलाओं को स्पेशल फील करवाने के लिए वैसे तो किसी खास दिन की जरूरत नहीं होती, लेकिन हर साल 8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है, जिसके पीछे का मुख्य उद्देश्य उनको हर क्षेत्र में आगे बढ़ने, सशक्त बनने के लिए प्रेरित करना और उनके अधिकारों को प्रति जागरुक करना है. इस दिन लोग महिलाओं के प्रति सम्मान व्यक्त करने और उन्हें थैंक्यू कहने के लिए कुछ स्पेशल करना चाहते हैं और इसलिए कार्यस्थलों पर भी महिला स्टाफ के लिए कई जगहों पर तोहफे दिए जाते हैं. महिला दिवस के दिन अगर किसी महिला को तोहफा देकर उनके प्रति आभार व्यक्त करना हो या फिर उन्हें स्पेशल फील करवाना हो तो उन्हें कुछ गिफ्ट दिए जा सकते हैं जो उनके चेहरे पर मुस्कान ला देंगे. तो चलिए जानते हैं कि महिला स्टाफ को कौन से गिफ्ट दिए जा सकते हैं.

फ्री स्पा पैकेज का कूपन

ज्यादातर महिलाएं अपने ऑफिस के साथ ही घर का काम भी संभालती हैं और इसी वजह से खुद की सेल्फ केयर के लिए इतना वक्त नहीं निकाल पाती हैं. इसलिए महिला स्टाफ को अगर विमेंस डे पर कोई गिफ्ट देना हो तो फ्री स्पा पैकेज का कूपन दे सकते हैं. जिससे वो अपनी भागदौड़ भरी लाइफ से कुछ वक्त खुद को दे पाएंगी. ये गिफ्ट देखकर किसी भी महिला को खुशी जरूर होगी.

ब्यूटी और हेयर केयर प्रोडक्ट का कॉम्बो सेट

इसमें कोई दो राय नहीं है कि महिलाएं अपनी ब्यूटी और बालों को लेकर कोई कोताही नहीं बरतना चाहती हैं, इसलिए उनको ब्यूटी और हेयर केयर प्रोडक्ट्स का कॉम्बो सेट दिया जा सकता है. तो फिर इस विमेंस डे महिला स्टाफ के चेहरे पर मुस्कुराहट लाने के लिए ये एक अच्छा ऑप्शन है.

तैयार करवाएं ये स्पेशल गिफ्ट हैंपर

महिलाएं अपनी हेल्थ को लेकर ज्यादा चिंतित नहीं रहती हैं या सीधे-सीधे कहें तो वह खुद से पहले फैमिली को रखती हैं और इसी वजह से कई बार उनकी सेहत नजरअंदाज हो जाती है. इसलिए इस विमेंस डे महिला स्टाफ के लिए हेल्थ से जुड़ी चीजों का स्पेशल गिफ्ट हैंपर तैयार करवा सकते हैं. जिसमें, एक स्मार्ट वॉच, योगा मैट, जंपिंग रोप, कुछ सीड्स और नट्स पैक करवा सकते हैं.

अपनी जिंदगी की महानायिका हैं आप

भारतीय संस्कृति में नारी के सम्मान को बहुत महत्व दिया गया है। संस्कृत में एक श्लोक है- यस्य पूज्यंते नार्यस्तु तत्र रमन्ते देवताः। अर्थात, जहां नारी की पूजा होती है, वहां देवता निवास करते हैं। किंतु वर्तमान में जो हालात दिखाई देते हैं, उसमें नारी का हर जगह अपमान होता चला जा रहा है। उसे भोग की वस्तु समझकर आदमी अपने तरीके से इस्तेमाल कर रहा है। यह बेहद चिंताजनक बात है। लेकिन हमारी संस्कृति को बनाए रखते हुए नारी का सम्मान कैसे किया जाए, इस पर विचार करना आवश्यक है।

वह नायिका है .उसके आने से आती है एक मधुर सुगंधित आहट। आहट त्योहार की। आहट रास, उल्लास और श्रृंगार की। आहट आस्था, अध्यात्म और उच्च आदर्शों के प्रतिस्थापन की। सुंदर सुकोमल फूलों की वादियों के बीच खुल जाती है खुशबू की महकती राहें, उसके आने से। नायिका जो बिखेरती है चारों तरफ खुशियों के खूब सारे खिलते-खिलखिलाते रंग।

उसके कई रंग है, हर रंग में एक आस है, विश्वास है और अहसास है। उसके रूप में संस्कृति है, सुरूचि है और सौंदर्य है। वही केन्द्र में है, वही परिधि.हर कोने में सुव्यक्त होती है उसकी शक्ति। उस दिव्य शक्ति के बिना किसी त्योहार, किसी पर्व, किसी रंग और किसी उमंग की कल्पना संभव नहीं है। हमारे समस्त रीति-रिवाज, तीज-त्योहार या अनुष्ठान-विधान हमारी नायिका के हाथों ही संपन्न होते हैं। इस धरा की महकती मिट्टी की महिमा है कि नायिका इतने सम्मानजनक स्थान पर प्रतिष्ठापित है। सदियों पूर्व इसी सौंधी वसुंधरा पर भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को अपना विराट स्वरूप दिखाते हुए कहा था - 'कीर्तिः श्री वार्क्च नारीणां
स्मृति मेर्धा धृतिः क्षमा।'

अर्थात नारी में मैं, कीर्ति, श्री, वाक, स्मृति, मेधा, धृति और क्षमा हूं।

दूसरे शब्दों में इन नारायण तत्वों से निर्मित नारी ही नारायणी है। संपूर्ण विश्व में भारत ही वह पवित्र भूमि है, जहां नारी अपने श्रेष्ठतम और पवित्र रूपों में अभिव्यक्त हुई है। हमारी आर्य संस्कृति में नायिका अतिविशिष्ट स्थान रहा है। आर्य चिंतन में तीन अनादि तत्व माने गए हैं - परब्रह्म, माया और जीव। माया, परब्रह्म की आदिशक्ति है एवं जीवन के सभी क्रियाकलाप उसी की इच्छाशक्ति होते हैं। ऋग्वेद में माया को ही आदिशक्ति कहा गया है उसका रूप अत्यंत तेजस्वी और ऊर्जावान है। फिर भी वह परम कारूणिक और कोमल है। जड़-चेतन सभी पर वह निस्पृह और निष्पक्ष भाव से अपनी करूणा बरसाती है। प्राणी मात्र में आशा और शक्ति का संचार करती है। देवी भागवत के अनुसार -'समस्त विधाएं, कलाएं, ग्राम्य देवियां और सभी नारियां इसी आदिशक्ति की अंशरूपिणी हैं। एक सूक्त में देवी कहती हैं - 'अहं राष्ट्री संगमती बसना
अहं रूद्राय धनुरातीमि'

अर्थात - 'मैं ही राष्ट्र को बांधने और ऐश्वर्य देने वाली शक्ति हूं। मैं ही रूद्र के धनुष पर प्रत्यंचा चढ़ाती हूं। धरती, आकाश में व्याप्त हो मैं ही मानव त्राण के लिए संग्राम करती हूं।'

विविध अंश रूपों में यही आदिशक्ति सभी देवताओं की परम शक्ति कहलाती हैं, जिसके बिना वे सब अपूर्ण हैं, अकेले हैं, अधूरे हैं। हमारी यशस्वी संस्कृति स्त्री को कई आकर्षक संबोधन देती है। मां कल्याणी है, पत्नी गृहलक्ष्मी है। बिटिया राजनंदिनी है और नवेली बहू के कुंकुम चरण ऐश्वर्य लक्ष्मी आगमन का प्रतीक है। हर रूप में वह आराध्या है। पौराणिक आख्यान कहते हैं कि अनादिकाल से नैसर्गिक अधिकार उसे स्वतः ही प्राप्त हैं। कभी मांगने नहीं पड़े हैं। वह सदैव देने वाली है। अपना सर्वस्व देकर भी वह पूर्णत्व के भाव से भर उठती है। जल, थल, अग्नि, गगन और समीर इन्हीं पंचतत्वों को मिलाकर ही सृष्टिकर्ता ने 'उसे' भी रचा है। उसके सुंदर सपने भी उम्मीद भरे आकार ग्रहण करते हैं। 'वह' भी अनुभूतियों की मधुरतम सुगंध से सराबोर होना चाहती है। मंदिर की खनकती सुरीली घंटियों-सी 'उसकी' खिलखिलाहट भी चहुंओर बिखर जाना चाहती है। महत्वाकांक्षा की आम्रमंजरियां 'उसके' भी मन-उपवन को महकाना चाहती हैं, किंतु यथार्थ.वह समाज में सिर्फ 'देह' समझी जाती है। उसके सपने आकार ग्रहण करें, उससे पहले बिखेर दिए जाते हैं, अनुभूतियां छल-कपट का शिकार हो छटपटाती रह जाती हैं, उसकी हंसी कुकृत्य की कड़वाहट के कुहास में दफना दी जाती है और महत्वाकांक्षा कैक्टस में परिवर्तित हो हमेशा की चुभन बन जाती है। ऐसा क्या चाहा है उसने इस समाज से, जो वह देने में सक्षम नहीं है सहारा, सुविधा, संसाधन और सहायता? नहीं। उसने हमेशा एक सुंदर, संस्कारित, उच्च मानवीय दृष्टिकोण वाला सभ्य परिवेश चाहा है। अपनी सहृदयता से उसे नैतिक संबल और सुअवसर दीजिए कि वह सिद्ध कर सके - अपने व्यक्तित्व को, अपनी विशिष्टता को। अपने ही पूरक पुरुष को पछाड़ना उसका मानस नहीं है, उनसे आगे निकल जाना उसका ध्येय नहीं है, वह तो समाज में अपना एक वजूद चाहती है, एक पहचान चाहती है, जो उसकी अपनी हो। क्यों समाज कृपण और कंगाल हो जाता है, जब कुछ उसे देने की बात आती है, जिसने अपने पृथ्वी पर आगमन से ही सिर्फ और सिर्फ दिया है, लिया कुछ नहीं।

मुट्ठी भर आसमान, एक चुटकी धूप, अंजुरी भर हवा और थोड़ी-सी जमीन, जहां वह अपने कदमों को आत्मविश्वास के साथ रख सके। बस इससे अधिक तो कभी नहीं चाहा उसने! फिर क्यों उसके उत्थान के उज्ज्वल सूर्य को अर्घ्य देने में सारे समाज का समंदर थरथरा उठता है? क्यों उसके विस्तार की धरा को अभिस्पर्शित करने में समाज के हाथ पंगु हो जाते हैं और क्यों उसके विराट महत्व को स्वीकारने में सारा समाज संकीर्ण हो जाता है?

कई रिश्तों में बंधी लेकिन सबको जीती हुई.मां, पत्नी, प्रेमिका, मित्र, बहू, बेटी, बहन, ननद, भाभी, देवरानी, जेठानी, चाची, ताई, मामी, बुआ,मौसी, दादी, नानी, बॉस, सहकर्मीअनंत सूची है..मीठे, मोहक रिश्तों को अपने आंचल में बांधे तलाशती है वह खुद को। वह मिलती है खुद से। रिश्तों के इतने सुरीले-सुरम्य आंगन में खड़ी वह बनाती है एक रिश्ता अपने आप से। जी हां, नायिका का एक रिश्ता और है और वह है खुद का खुद से। स्वयं का स्वयं से। अपना सबकुछ देने के बाद भी वह बचा कर रखती है खुद को खुद के लिए। वह नहीं भूलती उस खूबसूरत रिश्ते को जो उसका उससे है।

यह रिश्ता नायिका का उससे परिचय करवाता है। यही रिश्ता कहता है उससे, खुद में ही झांकने के लिए। कितने मधुर सपने हैं उसके भीतर जो साकार होने के लिए कसमसा रहे हैं। यह रिश्ता उसे चुनौती देता है, ऐसा क्या है जो वह नहीं कर सकती? फिर यही कहता है उससे-सब कुछ तो कर सकती हो तुम।

यह रिश्ता उसका उस पर ही विश्वास स्थापित करता है.और वह जीत जाती है दुनिया की हर जंग। वह अपने आप से लड़ती भी है, वह अपने आप से प्यार भी करती है। वह अपने आप का सम्मान भी करती है। यही रिश्ता समझाता है उसे- खुद के लिए वह क्या है और उसकी जिंदगी के क्या मायने हैं। क्या आपका है अपने आपसे यह रूहानी रिश्ता? ढेर सारे रिश्तों के बीच बनाएं एक गहरा, नाजुक, मधुर और मजबूत रिश्ता अपने आप सेक़्योंकि आप नायिका हैं अपनी ही जिंदगी पर बनी अपनी ही फिल्म की आप महानायिका हैं।

इस थीम के साथ मनाया जायेगा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस

विश्वभर में प्रतिवर्ष 8 मार्च के दिन को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के रूप में सेलिब्रेट किया जाता है। इस दिवस को विशेष रूप से महिलाओं को समर्पित किया गया है। इस दिवस पर लोगों को महिलाओं के प्रति आदर सम्मान, उनके अधिकारों, उनकी उपलब्धियों को बताने के साथ ही लैंगिग समानता और महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए मनाया जाता है। Accelerate Action थीम के साथ मनाया जा रहा इस वर्ष का महिला दिवस

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की शुरुआत 20 सदी (सन 1908) सदी की शुरुआत में में महिलाओं के अधिकारों की वकालत करने के लिए हुई थी। पहली बार अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर में महिलाओं ने अपने लिए वोट देने का अधिकार एवं उचित वेतन के लिए मार्च निकाला था। इस मार्च के कुछ साल बाद पहले बार 19 मार्च 1911 में स्विट्जरलैंड, जर्मनी, ऑस्ट्रिया, डेनमार्क जैसे देशों में पहले बार इस दिन को मनाया गया।

संयुक्त राष्ट्र ने 8 मार्च को क्यों मान्यता?

रूस में 8 मार्च 1917 को महिलाओं में अपने हक के लिए हड़ताल की। इसके बाद संयुक्त राष्ट्र ने इसी दिन को ध्यान में रखते हुए वर्ष 1975 में आधिकारिक तौर पर इसे 8 मार्च को मनाये जाने की मान्यता दी। इसके बाद से प्रतिवर्ष इसे 8 मार्च को ही सेलिब्रेट किया जाता है।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का क्या है उद्देश्य?

इस दिन को मनाये जाने का मुख्य उद्देश्य महिलाओं की उपलब्धियों और योगदान को याद कर लोगों तक पहुंचाना तथा लैंगिक समानता और महिलाओं के सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में समाज के बीच जागरूकता बढ़ाना है।

क्या है विश्व महिला दिवस का इतिहास?

विश्व अंतर्राष्ट्रीय दिवस 8 मार्च को पूरी दुनिया में मनाया जाता है। यह महिलाओं के लिए अब एक उत्सव के रूप में बदल गया है। इस मौके पर कई तरह के आयोजन किए जाते हैं, लेकिन इसकी शुरुआत और इतिहास को लेकर भी कई दिलचस्प पहलू हैं। आज हम आपको बताएंगे कि आखिर महिलाओं से जुडे इस उत्सव की शुरुआत कब हुई और क्या है इसका इतिहास। दरअसल, समानाधिकार के लिए महिलाओं की लड़ाई के बाद इसे मनाने की परंपरा शुरू हुई। प्राचीन ग्रीस में लीसिसट्राटा नाम की एक महिला ने फ्रेंच क्रांति के दौरान युद्ध समाप्ति की मांग रखते हुए इस आंदोलन की शुरूआत की थी। फारसी महिलाओं के एक समूह ने वरसेल्स में इस दिन एक मोर्चा निकाला। इस मोर्चे का मकसद युद्ध की वजह से महिलाओं पर बढ़ते हुए अत्याचार को रोकना था। साल 1909 में सोशलिस्ट पार्टी ऑफ अमेरिका ने पहली बार पूरे अमेरिका में 28 फरवरी को महिला दिवस मनाया था। सन 1910 में सोशलिस्ट इंटरनेशनल द्वारा कोपनहेगन में महिला दिवस की स्थापना हुई। 1911 में ऑस्ट्रिया, डेनमार्क, जर्मनी और स्विटजरलैंड में लाखों महिलाओं द्वारा रैली निकाली गई। मताधिकार, सरकारी कार्यकारिणी में जगह, नौकरी में भेदभाव को खत्म करने जैसी कई मुद्दों की मांग इस रैली में की गई। 1913-14 प्रथम विश्व युद्ध के दौरान, रूसी महिलाओं द्वारा पहली बार शांति की स्थापना के लिए फरवरी माह के अंतिम रविवार को महिला दिवस मनाया गया। यूरोप में भी युद्ध के खिलाफ प्रदर्शन हुए। 1917 तक विश्व युद्ध में रूस के 2 लाख से ज्यादा सैनिक मारे गए, रूसी महिलाओं ने फिर रोटी और शांति के लिए इस दिन हड़ताल की। हालांकि राजनेता इसके खिलाफ थे, फिर भी महिलाओं ने एक नहीं सुनी और अपना आंदोलन जारी रखा और फलतः रूस के जार को अपनी गद्दी छोड़नी पड़ी और सरकार को महिलाओं को वोट देने के अधिकार की घोषणा करनी पड़ी।

यह दिन महिलाओं को उनकी क्षमता, सामाजिक, राजनैतिक व आर्थिक तरक्की दिलाने व उन महिलाओं को याद करने का दिन है जिन्होंने महिलाओं को उनके अधिकार दिलाने के लिए अथक प्रयास किए। भारत में भी महिला दिवस व्यापक रूप से मनाया जाने लगा है। पूरे देश में इस दिन महिलाओं को समाज में उनके विशेष योगदान के लिए सम्मानित किया जाता है। समाज, राजनीति, संगीत, फिल्म, साहित्य, शिक्षा क्षेत्रों में श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए महिलाओं को सम्मानित किया जाता है।

नए युग की नारी के पास उच्चतम शिखर छूने की अपार क्षमता

नए युग की नारी के पास कामयाबी के उच्चतम शिखर को छूने की अपार क्षमता है। उसके पास अनगिनत अवसर भी हैं। जिंदगी जीने का जज्बा उसमें पैदा हो चुका है। दृढ़ इच्छाशक्ति एवं शिक्षा ने नारी मन को उच्च आकांक्षाएं, सपनों के सप्तरंग एवं अंतर्मन की परतों को खोलने की नई राह दी है। निःसंदेह आज की नारी की भूमिका में तीव्रता से परिवर्तन हुआ है।

पहले वह घर की रानी थी, फिर उत्तम कार्यों में संलग्न होकर समाज कल्याण में प्रवृत्त हुई और आज वह राजनीतिज्ञों एवं प्रशासकों की सामाजिक भूमिका में उतरी है। तथापि हम इस तथ्य से भली-भांति अवगत हैं कि नारी की पारंपरिक भूमिका का अतिक्रमण होना अभी शेष है और कि उसके विरुद्ध पूर्वाग्रह आज भी सदा की भाँति प्रबल हैं। इस सदी की नारी समाज में 'टेक ओवर' करने के रूप में उभरी है। उसने कड़ी मेहनत से बहुत तरक्की की है, पर उसका समाज में सम्मान नहीं बढ़ा। उसके वजूद से जुड़े प्रश्न आज भी उठते हैं। सबकुछ हासिल करने के बाद भी उसका नाम,उसकी तरक्की उसे खोखला महसूस करा जाते हैं। क्यों? क्योंकि पुरुष वैज्ञानिक रूप से चांद पर पहुंचकर भी मानसिक रूप से रसातल में ही है। 'नारी के सतीत्व और पुरुष के पुरुषत्व में अंतर मात्र इतना ही है कि स्त्री का सतीत्व उसके शरीर से जुड़ा है, जिसके भंग होते ही उसका मातृत्व जीवंत हो उठता है। नारी की दुनिया में सबकुछ है- उसका घर, परिवार, नाते-रिश्ते, समाज-संसार लेकिन वह स्वयं कहां है? एक सृजनशील, विकासवान व्यक्तित्व के रूप में? यह खोज आज उसके लिए बेहद जरूरी है, क्योंकि यह उसके अस्तित्व का सवाल है और यह सवाल बहुत नाजुक है। नारी जो मां है, बहन है, बेटी है, पत्नी है उसके हिस्से में अभी भी चूल्हे, धुएं, बिस्तर, बच्चे, बर्तन, दहलीजें हैं। वह सिर्फ निर्णय मानने वाली एक छोटी और दास इकाई है। अधिकांशतः ग्रेजुएशन करने वाली लड़कियों में यही भाव प्रमुख होता है कि घर में खाली बैठने से तो कॉलेज जाना बेहतर है।

हजारों महिलाएं हर बरस देवदासी बना दी जाती हैं या वेश्यावृत्ति के नरक में धकेल दी जाती हैं। जीवन से मोहभंग की स्थिति झेलने को वह तैयार नहीं है। अपने अंदर नारी शक्ति की ऊर्जा को समेटती उलझनों को वह बाहर निकाल फेंकने लगी है। यह सब इसलिए नहीं कि माहौल में'स्त्री विमर्श' घुल रहा है बल्कि यह सब इसलिए कि नारी अब रोने, बिसूरने के मूड में नहीं है। दोयम दर्जे को लेकर उसका नजरिया नहीं, कभी नहीं जैसा हो चला है।

इक्कीसवीं सदी की 'न्यू वुमन' अपने प्रति समाज की भावनाओं, प्रतिक्रियाओं में बदलाव चाहती है। रिश्तों-संबंधों में सुख का सृजन, निरंतर व्यवहृत उष्मा बनाए रखने का सबल मन, पुरुष के साथ समभाव का आधार चाहती है, जिसकी शुरुआत घर से ही होती है। घर का कैसा भी कोई काम हो, सबसे पहले नारी की सुनवाई घर की असेम्बली में तो हो। पुरुष अपनी सर्वश्रेष्ठता और महानता से जुड़ी 'मेल-डोमिनेंस' से बाहर निकले यही आज के समाज के लिए बेहतर होगा। जब जीवन में निराशा या कोई समस्या अपनी भाषा में बोलती है तो उसे निर्जीव होने की अनुभूति से बचाए। एक जीवंत संवेदना कल-कल, छल-छल-सी बहती रहे। नारी आज परछाई बनकर जीना नहीं चाहती, वह भी खुली हवा में साँस लेना चाहती है। बिना किसी भू-चाल का इंतजार किए उसकी पूरी गरिमा, आजादी से जीने की सृजित परिस्थितियाँ ही सजग समाज का नारी को अवदान होगा। स्त्री की सिरजना, समाज में स्थान पाना महज एक भावयात्रा नहीं, उसके साथ युगबोध के कई-कई सवाल गहराई से जुड़े हैं।

फ्रांस की शिपिंग कंपनी अमेरिका में करेगी 20 अरब डॉलर का निवेश

नईदिल्ली, एजेंसी। दुनिया की सबसे बड़ी शिपिंग कंपनियों में से एक फ्रांस की सीएमए सीजीएम अमेरिका में 20 अरब डॉलर का निवेश करेगी। यह निवेश शिपिंग और लॉजिस्टिक्स के क्षेत्र में होगा। इससे अमेरिका में 10,000 नई नौकरियों का सृजन होगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इसका एलान किया। ट्रंप ने ओवल ऑफिस में संवाददाताओं को बताया, यह भारी निवेश शिपिंग, लॉजिस्टिक्स, बुनियादी ढांचे और

टर्मिनल विस्तार के क्षेत्र में खर्च होगा और इससे अमेरिका में अनुमानित 10,000 नए रोजगार पैदा होंगे। ट्रंप ने कहा, आज हम सीएमए सीजीएम के चेयरमैन और सीईओ रुडोल्फ साडे के साथ जुड़कर बहुत खुश हैं। यह दुनिया की सबसे बड़ी शिपिंग कंपनियों में से एक है, और शायद दुनिया में दूसरे नंबर की कंपनी है। आने वाले समय में वह नंबर एक भी बन सकती है। उनके पास 160,000 से ज्यादा कर्मचारी हैं। दुनिया भर में उनके पास 750 बड़े कंटेनर जहाज हैं और मुझे यह घोषणा करते हुए बहुत खुशी हो रही है कि वे चुनाव के नतीजों के कारण संयुक्त राज्य अमेरिका में 20 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश करने जा रहे हैं। ट्रंप ने कहा है कि अमेरिका पहले एक दिन में एक जहाज बनाता था, लेकिन अब हम अपना रास्ता भूल गए हैं। ट्रंप ने कहा कि दुनिया में बहुत बड़े जहाज बनाने के लिए एक बहुत बड़ा नया कार्यक्रम घोषित किया जाएगा। यह बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह शिपिंग क्षेत्र से जुड़ा हुआ है।

वित्तीय सुरक्षा की चिंता

44 फीसदी महिलाएं खरीद रहीं एक करोड़ का टर्म बीमा, वेतनभोगी सबसे आगे

नईदिल्ली, एजेंसी। देश में महिलाएं तेजी से वित्तीय सुरक्षा की जिम्मेदारी ले रही हैं। टर्म इंश्योरेंस खरीदने वाली 44 फीसदी महिलाएं अब एक करोड़ रुपये या उससे अधिक का कवर ले रही हैं। पॉलिसीबाजार की रिपोर्ट के अनुसार, निवेश संबंधी पॉलिसियों, स्वास्थ्य बीमा और टर्म जीवन बीमा में महिलाओं की भागीदारी काफी बढ़ी है। रिपोर्ट के मुताबिक, यह वित्तीय निर्णय लेने में तेजी से बदलाव का हिस्सा है, जो कार्यबल में अधिक भागीदारी व डिजिटल वित्तीय साधनों तक बढ़ती पहुंच से प्रेरित है। चालू वित्त वर्ष में टर्म इंश्योरेंस खरीदने वाली महिलाओं की हिस्सेदारी बढ़कर 18 फीसदी हो गई है। इसमें वेतनभोगी महिलाएं 49 फीसदी के साथ सबसे आगे हैं।

गृहिणियां दूसरे स्थान पर

39 फीसदी के साथ गृहिणियां दूसरे स्थान पर हैं। 31 से 40 वर्ष की महिलाएं सबसे अधिक बीमा खरीद रही हैं, जो कुल खरीदारी का 48 फीसदी है। स्वास्थ्य बीमा में पॉलिसी प्रस्तावक के रूप में महिलाओं की भागीदारी दो वर्षों में 15 से बढ़कर 22 फीसदी हो गई है। ज्यादा महिलाएं उच्च कवरेज चुन रही हैं, जिनमें से 70–75 फीसदी 10 लाख या उससे अधिक बीमा राशि चुन रही हैं।

सुपर टॉप-अप का उपयोग जोरों पर– 40 वर्ष से अधिक आयु की महिलाएं बढ़ती चिकित्सा लागत से खुद को सुरक्षित करने पर ध्यान दे रही हैं। कई महिलाएं एक करोड़ के कवरेज को सस्ता बनाने के लिए सुपर टॉप-अप ले रही हैं। निवेश से जुड़ी बीमा योजनाओं में भी महिलाओं की भागीदारी बढ़ रही है।

फाडा के आंकड़ेः दोपहिया वाहनों की बिक्री में सालाना छह फीसदी की गिरावट

कारों की खुदरा बिक्री 10 फीसदी घटी

नईदिल्ली, एजेंसी। कारों व दोपहिया समेत विभिन्न श्रेणी के वाहनों की मांग में गिरावट से गाड़ियों की खुदरा बिक्री फरवरी, 2025 में सालाना आधार पर 7 फीसदी घटकर 18,99,196 इकाई रह गई। फरवरी, 2024 में कुल 20,46,328 वाहन बिके थे। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशंस (फाडा) के आंकड़ों के मुताबिक, पिछले महीने कारों की खुदरा बिक्री फरवरी, 2024 से 10 फीसदी घटकर 3,03,398 इकाई रह गई।

इस दौरान कुल 13,53,280 दोपहिया वाहन बिके। यह आंकड़ा फरवरी, 2024 में बिके 14,44,674 दोपहिया वाहनों की तुलना में 6 फीसदी कम है। वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री सालाना आधार पर 9 फीसदी घटकर 82,763 इकाई रह गई, जबकि ट्रैक्टर की बिक्री में भी 14.5 फीसदी की गिरावट देखने को मिली है। डीलरों का इन्वेंट्री लेवल अब भी 50-52 दिन के स्तर पर है। फाडा के अध्यक्ष सीएस विग्नेश्वर ने बयान में कहा, फरवरी में

सभी श्रेणियों में व्यापक गिरावट देखी गई। खुदरा विक्रेताओं ने बिना उनकी सहमति के उन्हें गाड़ियां भेजे जाने के बारे में चिंता जताना शुरू कर दिया। मूल उपकरण विनिर्माताओं (ओईएम) को अत्यधिक खेप के साथ खुदरा विक्रेताओं पर बोझ डालने से बचना चाहिए। मार्च में वाहनों की बिक्री को लेकर ज्यादातर डीलर आशावादी रूप से सतर्क हैं।

ह्युंडई वाहन बाजार में चौथे स्थान पर खिसकी

घरेलू यात्री वाहन बाजार में लंबे समय से दूसरे स्थान पर कायम ह्युंडई मोटर इंडिया फरवरी में खुदरा बिक्री के मामले में चौथे स्थान पर खिसक गई। फाडा के आंकड़े बताते हैं कि फरवरी में कंपनी ने 20 फीसदी कम वाहन बेचे। इसके साथ ही, उसकी घरेलू बाजार में हिस्सेदारी घटकर 12.58 फीसदी रह गई। मारुति सुजुकी 38.94 फीसदी के साथ शीर्ष पर है। महिंद्रा एंड महिंद्रा और 13.15 फीसदी के साथ दूसरे और टाटा मोटर्स 12.75 फीसदी के साथ तीसरे स्थान पर है।

रेल कंपनी के शेयर बने रॉकेट

नवरत्न कंपनी को साउथ सेंट्रल रेलवे से मिला है काम

नईदिल्ली, एजेंसी। रेल कंपनी राइट्स लिमिटेड के शेयरों में अच्छी तेजी आई है। नवरत्न कंपनी के शेयर शुक्रवार को 5 पर्सेंट से ज्यादा चढ़कर 224.80 रुपये पर पहुंच गए हैं। राइट्स लिमिटेड के शेयरों में यह तेज उछाल एक प्रोजेक्ट मिलने से आया है। रेल कंपनी ने अनाउंस किया है कि उसे 27.96 करोड़ रुपये के एक प्रोजेक्ट के लिए लेटर ऑफ एक्सेप्टेंस मिला है। पिछले 5 दिन में राइट्स लिमिटेड के शेयरों में 12 पर्सेंट का उछाल देखने को मिला है। रेल कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 398.45 रुपये है। वहीं, नवरत्न कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 192.40 रुपये है।

नवरत्न कंपनी को साउथ सेंट्रल रेलवे से मिला है काम– नवरत्न कंपनी राइट्स लिमिटेड को 27.96 करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट के लिए साउथ सेंट्रल रेलवे से लेटर ऑफ एक्सेप्टेंस मिला है। राइट्स को यह प्रोजेक्ट 8 महीने में पूरा करना है। 31 दिसंबर 2024 तक के डेटा के मुताबिक, राइट्स की ऑर्डर बुक 7978 करोड़ रुपये की रही। दिसंबर 2023 में राइट्स की ऑर्डर बुक 5,690 करोड़ रुपये थी। रेल कंपनी के पास फिलहाल 700 प्रोजेक्ट्स हैं जिन पर काम चल रहा है, इसमें सरकार के लिए स्ट्रैटेजिक प्रोजेक्ट्स भी शामिल हैं।

6 महीने में 30 प्रतिशत से ज्यादा टूट गए हैं राइट्स के शेयर– राइट्स लिमिटेड के शेयर पिछले 6 महीने में 30 पर्सेंट से अधिक लुढ़क गए हैं। रेल कंपनी के शेयर 9 सितंबर 2024 को 336.38 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 7 मार्च 2025 को 224.80 रुपये पर पहुंच गए हैं। इस साल अब तक राइट्स लिमिटेड के शेयरों में करीब 25 पर्सेंट की गिरावट देखने को मिली है। रेल कंपनी के शेयर इस साल की शुरुआत में 1 जनवरी 2025 को 295.20 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 7 मार्च 2025 को 224.80 रुपये पर जा पहुंचे हैं।

सख्त होंगे नियमः गोल्ड लोन देना होगा मुश्किल

सोने के मूल्यांकन व कर्ज में आरबीआई को मिली खामियां

नईदिल्ली, एजेंसी। बैंकों और वित्तीय संस्थानों को सोने के एवज में कर्ज देना मुश्किल हो सकता है। भारतीय रिजर्व बैंक यानी आरबीआई अब इससे संबंधित नियमों को कड़ा करने की योजना बना रहा है। इसमें अंडरराइटिंग प्रक्रियाओं का पालन करने व पैसे के सही उपयोग करने का निर्देश दिया जा सकता है।

आरबीआई को पिछले साल सितंबर में गोल्ड लोन में कई तरह की अनियमितताएं मिली थीं। हाल के समय में सोने के एवज में कर्ज बहुत तेजी से

बढ़ा है। ऐसे में आरबीआई इस पर लगाम लगाना चाहता है। केंद्रीय बैंक चाहता है कि बैंक और गैर-बैंकिंग वित्तीय संस्थाएं (एनबीएफसी) भी उधार लेने वाले ग्राहकों की पृष्ठभूमि की जांच करें।

गिरवी रखे जा रहे सोने के मालिकाना हक का पता लगाएं। आरबीआई यह सुनिश्चित करना चाहता है कि संस्थाएं मानक प्रोटोकॉल का पालन जरूर सुनिश्चित करें और गोल्ड लोन क्षेत्र में कोई भी वृद्धि सीमा से बाहर न हो।

बैंकों के एजेंट ले रहे थे सोना

बैंकों के फिनटेक एजेंट सोना इकट्ठा कर रहे थे। उसका भंडारण और वजन कर रहे थे। नियमों के मुताबिक, यह सब काम बैंकों या कर्ज देने वाले संस्थानों को करना चाहिए। बैंक कर्ज नहीं चुकाने वाले ग्राहकों को जानकारी दिए बिना ही सोने की नीलामी भी कर रहे थे। सितंबर, 2024 से दिसंबर तक बैंकों के गोल्ड लोन में 50 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई, जो समग्र ऋणों की वृद्धि से अधिक है। इस दौरान जांच करने पर आरबीआई को लोन के साथ सोने के मूल्यांकन में भी खामियां मिली थीं।

कंपनी को मिला 2306 करोड़ रुपये का नया काम

नईदिल्ली, एजेंसी। कलपतरु प्रोजेक्ट्स इंटरनेशनल के शेयरों में आज करीब 7 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। कंपनी के शेयरों में इस उछाल की वजह नया प्रोजेक्ट बना है। कंपनी ने बताया है कि उन्हें 2306 करोड़ रुपये का काम मिला है।

लगातार चौथा कारोबारी दिन कंपनी के शेयरों में दिखी तेजी– बीएसई में आज कलपतरु प्रोडेक्ट इंटरनेशनल के शेयर 956.85 रुपये के लेवल पर खुले थे। दिन में कंपनी के शेयरों का भाव 978.05 रुपये के लेवल पर चला गया। करीब 12 बजे कंपनी के शेयर बीएसई में 940 रुपये के आस-पास ट्रेड कर रहा था। बता दें, यह लगातार चौथा कारोबारी दिन है जब कंपनी के शेयरों की कीमतों में तेजी देखने को मिली है।

30 देशों में चल रहा है काम– कंपनी को मिला नया काम उसे भारत के बाहर करना है। चालू वित्त वर्ष में कंपनी को 22,500 करोड़ रुपये का काम मिल चुका है। बता दें, यह देश की दिग्गज कंपनियों में से एक है। जोकि ट्रांसमिशन एंड डिस्ट्रीब्यूशन, बिल्डिंग्स और फैक्टरीज़, वाटर सप्लाई, इरीगेशन, रेलवे, ऑयल एंड गैस पाइपलाइन, अर्बन मोबिलिटी, हाईवे और एयरपोर्ट आदि से जुड़ा काम लेती है। मौजूदा समय में कंपनी 30 से अधिक देशों में काम कर रही है। कलपतरु प्रोजेक्ट्स लिमिटेड 75 देशों में मौजूद है।

शेयरों के लिए अच्छा नहीं रहा पिछला एक साल– पिछला एक साल इस कंपनी के शेयरों के लिए भी अच्छा नहीं रहा है। इस दौरान कंपनी के शेयरों की कीमतों में करीब 11 प्रतिशत की गिरावट आई है। जबकि सेंसेक्स इस दौरान 0.33 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। बता दें, बीते 2 साल में कंपनी के शेयरों का भाव 65 प्रतिशत बढ़ा है। वहीं, 3 साल में स्टॉक का भाव 148 प्रतिशत बढ़ा है।

2385 पर्सेंट का मल्टीबैगर रिटर्न देने वाला सुजलॉन 4 दिन से भर रहा ऊंची उड़ान

नईदिल्ली, एजेंसी। सुजलॉन एनर्जी के शेयर की कीमत लगातार चौथे दिन बढ़ोतरी के साथ आज सुबह के कारोबार में 5 प्रतिशत से ज्यादा की छलांग लगाई। सुजलॉन एनर्जी के शेयर 52.13 के पिछले क्लोज के मुकाबले 51.94 पर खुले और फिर 5.5 प्रतिशत की बढ़त के साथ 55 के स्तर तक पहुंच गए। करीब 11ः00 बजे तक, यह रिन्यूएबल एनर्जी स्टॉक 4.76 प्रतिशत की बढ़त के साथ 54.58 पर कारोबार कर रहा था। इन चार सत्रों में, स्टॉक ने लगभग 11 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की है। 5 साल में इसने 2385 पर्सेंट का मल्टीबैगर रिटर्न दिया है। यह स्टॉक 2.20 रुपये से इस मुकाम तक पहुंचा है।

सुजलॉन एनर्जी शेयर प्राइस हिस्ट्री– 6 मार्च के क्लोज के मुताबिक, सुजलॉन एनर्जी के शेयर ने पिछले एक साल में 35 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़ोतरी दर्ज की है। क्टूबर में शेयर में 16 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई, इसके बाद नवंबर में 6 प्रतिशत और दिसंबर में 1 प्रतिशत की गिरावट आई। जनवरी और फरवरी 2025 में, शेयर में क्रमशः 7 प्रतिशत और 14.5 प्रतिशत की गिरावट आई। कुल मिलाकर, अक्टूबर से फरवरी तक शेयर में 38 प्रतिशत की गिरावट आई। सुजलॉन एनर्जी के शेयर ने पिछले साल 14 मार्च को 52-सप्ताह का लो लेवल 35.49 छुआ था, जबकि 12

सितंबर को 52-सप्ताह का हाई 86.04 दर्ज किया था।

क्यों बढ़ रहे हैं सुजलॉन एनर्जी के शेयर भाव– सुजलॉन एनर्जी के शेयर की कीमत 4 मार्च से बढ़ रही है, जब कंपनी ने जिंदल रिन्यूएबल्स के साथ अपने सबसे बड़े कॉमर्शियल और इंडस्ट्रियल ऑर्डर को बढ़ाने की घोषणा की थी। सुजलॉन ने 4 मार्च को एक एक्सचेंज फाइलिंग में कहा, सुजलॉन ने जिंदल रिन्यूएबल्स की सहायक कंपनी जिंदल ग्रीन विंड 1 प्राइवेट लिमिटेड से 204.75 मेगावाट का तीसरा ऑर्डर हासिल किया है, जो भारत में कम कार्बन डाई ऑक्साइड स्टील क्रांति को और तेज करेगा। यह साझेदारी अब सुजलॉन का सबसे बड़ा कॉमर्शियल और इंडस्ट्रियल ऑर्डर बन गया है, जिसकी कुल क्षमता 907.20 मेगावाट है।

- **जिंदल स्टील हासिल किए ऑर्डर–** सुजलॉन ने आगे कहा, इससे पहले, सुजलॉन ने छत्तीसगढ़ और ओडिशा में जिंदल स्टील के प्लांट्स को पावर देने के लिए दो ऑर्डर हासिल किए थे, जिससे 702.45 मेगावाट की विंड एनर्जी जुड़ी। वर्तमान में, सी एंड आइ कस्टमर्स सुजलॉन के कुल ऑर्डर बुक का 59 प्रतिशत हिस्सा हैं, जो अब रिकॉर्ड 5.9 गीगावाट तक पहुंच गया है। यह कंपनी के इतिहास में सबसे ज्यादा है।
- **यूनीक कंडीशन में है कंपनी–** सुजलॉन ग्रुप के चीफ एग्जीक्यूटिव ॉफिसर जेपी चालसानी ने कहा, दशकों के रिन्यूएबल एनर्जी के अनुभव के साथ, सुजलॉन स्टील और भारी उद्योगों जैसे क्षेत्रों के डीकार्बोनाइजेशन को आगे बढ़ाने के लिए यूनीक कंडीशन में है। जैसे-जैसे औद्योगिक विकास तेज हो रहा है, सस्टेनेबल एनर्जी सॉल्यूशंस की जरूरत पहले से कहीं ज्यादा बढ़ गई है। सुजलॉन इनोवेटिव विंड एनर्जी सॉल्यूशंस देने के लिए प्रतिबद्ध है।

नागपुर में शुरू होगा पतंजलि मेगा फूड एंड हर्बल पार्क

1500 करोड़ रुपये के निवेश की है योजना

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत की औद्योगिक प्रगति और कृषि उत्पादों के वैश्विक विस्तार की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए, पतंजलि नागपुर के मिहान क्षेत्र में अपना मेगा फूड एंड हर्बल पार्क शुरू करने जा रहा है। यह अत्याधुनिक संयंत्र न केवल किसानों को उनके फलों और सब्जियों का बेहतरीन मूल्य दिलाने में सहायक होगा, बल्कि देश में प्राकृतिक और शुद्ध उत्पादों की मांग को भी पूरा करेगा। नागपुर के मिहान (नागपुर में मल्टी-मॉडल इंटरनेशनल कार्गो हब और एयरपोर्ट) क्षेत्र में पतंजलि मेगा फूड एंड हर्बल पार्क में परिचालन 9 मार्च, 2025 से शुरू होना है। मिहान में फूड प्रोसेसिंग यूनिट के लिए भूमि पूजन का कार्य सितम्बर 2016 में शुरू किया गया था।

पतंजलिक के नागपुर प्लांट में सिटरस और ट्रॉपिकल फल व सब्जियों को प्रोसेस करके जूस, जूस कन्संट्रेट, पल्प, पेस्ट व प्यूरी का उत्पादन होगा। नागपुर पूरे विश्व में ऑरेंज सिटी के नाम से प्रसिद्ध है, यहां सिटरस फ्रूट्स जैसे संतरा, कीनू, मौसम्मी, नींबू इत्यादि की बहुलता है। इसे देखते हुए पतंजलि ने सिटरस प्रोसेसिंग प्लांट स्थापित किया है। इस सिटरस प्रोसेसिंग प्लांट में प्रतिदिन 800 टन फ्रूट प्रोसेस करके फ्रोजन जूस कन्संट्रेट बना सकते हैं। यह जूस 100 प्रतिशत प्राकृतिक है और इसमें किसी भी

प्रकार के प्रिजर्वेटिव या शुगर का प्रयोग नहीं किया जाता।

पतंजलि के नागपुर प्लांट में होगा फलों का प्रसंस्करण– इसके साथ-साथ इस संयंत्र में ट्रापिकल फ्रूट्स का भी प्रसंस्करण किया जाता है जिसमें आंवला प्रतिदिन 600 टन, आम प्रतिदिन 400 टन, अमरूद प्रतिदिन 200 टन, पपीता प्रतिदिन 200 टन, सेव प्रतिदिन 200 टन, अनार प्रतिदिन 200 टन, स्ट्रॉबेरी प्रतिदिन 200 टन, प्लम प्रतिदिन 200 टन, नाशपाती प्रतिदिन 200 टन, टमाटर प्रतिदिन 400 टन, लौकी प्रतिदिन 400 टन, करेला प्रतिदिन 400 टन, गाजर 160 टन, एलोविरा 100 टन प्रतिदिन टन प्रोसेस करके वैश्विक विनिर्देश के अनुसार जूस, जूस कन्संट्रेट, पल्प, पेस्ट व प्यूरी का उत्पादन किया जा सकता है। फलों से सीधे प्रोसेसिंग की प्रक्रिया को प्राइमरी प्रोसेसिंग कहते हैं।

कोई भी बाय प्रोडक्ट नहीं होगा वेस्ट

पतंजलि के इस प्लांट की एक और खासियत होगी यहां किसी भी बाय प्रोडक्ट को वेस्ट नहीं जाने दिया जाता। उदाहरण के लिए, संतरे से जूस निकालने के बाद इसके छिलके का पूरा प्रयोग जाता है। इसके छिलके में एक कोल्ड प्रेस तेल होता है जिसकी बाजार में काफी मांग है। इसके अलावा नागपुर ऑरेंज बर्फी में रॉ-मैटिरियल के रूप में प्रयोग होने वाला प्रीमियम पल्प भी पतंजलि संतरे से निकाल रहे हैं इसके साथ ही ऑयल बेस्ड अरोमा और वाटर बेस्ड अरोमा एसेंस भी निकाला जा रहा है। कॉस्मेटिक और अन्य वैल्यू प्रोडक्ट्स बनाने के लिए संतरे के छिलके का पाऊडर इस्तेमाल में लाया जाता है। इसके लिए संतरे के छिलके को ड्राइ करके पाऊडर बनाने का भी काम यहां होता है। इस प्लांट में ऐसा कोई भी बाय प्रोडक्ट नहीं है जिसे रिकवर न किया जा रहा हो। इसके अतिरिक्त यहां आटा मिल भी स्थापित की गई है जिसमें प्रतिदिन 100 टन गेहूं को प्रोसेस कर पतंजलि के जालना, आंध्रा व तेलंगाना आदि बिस्कुट यूनिट में सप्लाई किया जाता है। इसके लिए पतंजलि गेहूं सीधा किसानों से लेता है।

मंदी का दिख रहा है असर

क्रेडिट कार्ड की संख्या घटकर चार साल के निचले स्तर पर खर्च भी हो रहा कम

नईदिल्ली, एजेंसी। क्रेडिट कार्ड क्षेत्र में मंदी दिख रही है। जनवरी में इसके कार्ड की संख्या घटकर चार साल के निचले स्तर पर आ गई है। एक रिपोर्ट के अनुसार, कुल खर्च में भी गिरावट देखी जा रही है। जनवरी में क्रेडिट कार्ड से कुल खर्च 1.84 लाख करोड़ रुपये रहा, जो दिसंबर, 2024 में 1.88 लाख करोड़ रुपये रहा था। खर्च और लेन-देन में घटती मासिक वृद्धि

सतर्क उपभोक्ता भावना का संकेत है। रिपोर्ट के अनुसार, इस गिरावट के बावजूद सालाना आधार पर जनवरी में खर्च में 14 प्रतिशत की वृद्धि हुई। हालांकि, दिसंबर में खर्च इसलिए बढ़ा क्योंकि लोगों ने साल के अंत में त्योहारों और नए साल के जश्न के कारण ज्यादा उपयोग किया। लेन-देन का वॉल्यूम भी मासिक आधार पर एक फीसदी घटकर 43 करोड़ रह गया। हालांकि, सालाना आधार पर लेन-देन की वृद्धि 31 फीसदी रही। साथ ही रिपोर्ट के अनुसार, मार्च, 2024 के बाद से लेनदेन की मात्रा में यह सबसे कमजोर वार्षिक वृद्धि थी। जनवरी में क्रेडिट कार्ड की संख्या में 12 लाख की कमी आई है। दिसंबर में 11 करोड़ कार्ड थे जो जनवरी में 10.9 करोड़ रह गए। प्रति कार्ड औसत खर्च भी दिसंबर में 17,093 रुपये से घटकर जनवरी में 16,911 रुपये हो गया।

'आश्रम' सीरीज खराब होती तो पांच साल तक नहीं चलती

बॉबी देओल की चर्चित सीरीज 'आश्रम' में चंदन रॉय सान्याल ने भोपा स्वामी का किरदार निभाया है। यह बॉबी देओल के किरदार निराला बाबा का करीबी व्यक्ति दिखाया गया है। हालिया रिलीज 'आश्रम 3' में भी चंदन, भोपा के किरदार में दिखे। इस सीरीज को लेकर जो आलोचना की जा रही है, उस पर एक्टर ने अपना नजरिया बताया है।

आलोचना को लेकर बोले चंदन

हाल ही में एक बातचीत में चंदन रॉय सान्याल बताते हैं कि उन्हें सीरीज 'आश्रम 3' के लिए दर्शकों का काफी सपोर्ट मिला है। वहीं जो आलोचना सीरीज की हो रही है, उसे लेकर चंदन का मानना है कि अगर सीरीज खराब होती तो पांच साल तक नहीं चलती। बॉबी देओल के साथ काम करने के एक्सपीरियंस को भी चंदन रॉय सान्याल काफी खास बताते हैं।

क्या है 'आश्रम 3' सीरीज की कहानी

वेब सीरीज 'आश्रम 3' की कहानी में बाबा निराला के बनाए साम्राज्य को खत्म करने की कोशिश कई किरदारों द्वारा की जा रही है। यह बाबा दुनिया की नजरों में भला व्यक्ति है लेकिन पर्दे के पिछले अलग ही कांड नजर आते हैं, जिसे देखकर दर्शक दंग रह जाते हैं। बॉबी देओल, बाबा निराला बने हैं, वहीं चंदन ने भोपा स्वामी का रोल किया है।

चंदन ने वेब सीरीज के अलावा की हैं फिल्में

चंदन रॉय सान्याल वेब सीरीज 'आश्रम' के कारण ही चर्चा में नहीं आए हैं। वह फिल्मों में लंबे समय से सक्रिय हैं। अभिनेता ने ओमप्रकाश मेहरा की फिल्म 'रंग दे बंसती (2006)' में क्रांतिकारी बटुकेश्वर दत्त का किरदार निभाया था। वहीं विशाल भारद्वाज की फिल्म 'कमीने' में चंदन ने मिखाइल का किरदार निभाया था। इन किरदारों को काफी पसंद किया गया था।

चंदन के अपकमिंग प्रोजेक्ट्स

चंदन रॉय सान्याल हिंदी के अलावा बंगाली फिल्मों में भी एक्टिंग करते हैं। वह एक अपकमिंग बंगाली फिल्म 'बिनोदिनी' में गुरु रामकृष्ण की भूमिका भी निभा रहे हैं। पिछले दिनों अपनी इस फिल्म को लेकर चंदन रॉय सान्याल ने काफी सारी जानकारी साझा की।

प्रेग्नेंसी अनाउंसमेंट के बाद कियारा आडवाणी ने छोड़ी डॉन 3, वॉर-2 और टॉक्सिक की शूटिंग पूरी करेंगी

कियारा आडवाणी ने हाल ही में प्रेग्नेंसी अनाउंस कर फैंस को गुड न्यूज दी है। हालांकि इससे फरहान अख्तर के निर्देशन में बन रही अपकमिंग फिल्म डॉन 3 पर बुरा असर पड़ता नजर आ रहा है। रिपोर्ट्स के अनुसार, कियारा आडवाणी परिवार के लिए फिल्मों से ब्रेक लेने वाली हैं, जिसके चलते उन्होंने फिल्म डॉन–3 छोड़ दी है। हाल ही में आई रिपोर्ट में कियारा के करीबी सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि कियारा फिलहाल टॉक्सिक और वॉर 2 की शूटिंग पूरी कर रही हैं। इसके बाद वो अपने परिवार और आने वाले बच्चे के लिए समय निकालना चाहती हैं। इसके लिए वो फिल्मों से ब्रेक लेंगी। उनके इस फैसले का डॉन 3 के मेकर्स ने भी सम्मान किया और अब इस फिल्म के लिए नई एक्ट्रेस की तलाश शुरू हो गई है।

कुछ समय पहले ही अनाउंस की है प्रेग्नेंसी

कियारा आडवाणी ने हाल ही में सोशल मीडिया पर प्रेग्नेंसी अनाउंस की है। उन्होंने एक तस्वीर पोस्ट कर लिखा है, हमारी जिंदगी का सबसे खूबसूरत तोहफा आने वाला है।

कियारा आडवाणी के पास हैं कई बड़ी फिल्में

कियारा आडवाणी इस साल रिलीज होने वाली फिल्म वॉर 2 की शूटिंग कर रही हैं। इसके अलावा वो केजीएफ स्टार यश के साथ फिल्म टॉक्सिक में नजर आएंगी। इसके अलावा उनके पास दिनेश विजन के निर्देशन में बनने वाली हॉरर कॉमेडी शक्ति शालिनी भी है। रिपोर्ट्स के अनुसार, कियारा शक्ति शालिनी की शूटिंग मैटरनिटी लीव से लौटने के बाद करेंगी। खबरें ये भी रहीं कि कियारा रणबीर कपूर के साथ धूम 4 में भी कास्ट होने वाली हैं।

फिर टल सकती है डॉन 3 की शूटिंग

बताते चलें कि फरहान अख्तर के निर्देशन में बन रही फिल्म डॉन 3 की शूटिंग 2024 के आखिर तक शुरू की जाने वाली थी, हालांकि इसे टाल दिया गया था। अब किराया के फिल्म छोड़ने के बाद फिर फिल्म की शूटिंग टल सकती है। इस फिल्म में रणवीर सिंह लीड रोल में हैं, जबकि विक्रांत मेस्सी फिल्म में नेगेटिव रोल में दिखेंगे। इससे पहले दोनों एक्टर साल 2013 में रिलीज हुई फिल्म लुटेरा में साथ काम कर चुके हैं। डॉन फ्रेंचाइजी के पहले पार्ट में अमिताभ बच्चन डॉन के किरदार में नजर आए थे। फिल्म 12 मई 1978 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। वहीं, फिल्म का दूसरा पार्ट साल 2006 में रिलीज हुआ था। फिल्म में शाहरुख खान के साथ प्रियंका चोपड़ा लीड रोल में नजर आई थी। इसी फिल्म का सीक्वेल डॉन 3 है। फिल्म का डायरेक्शन फरहान अख्तर कर रहे हैं।

रोमांटिक गीत के लिए साथ आए ईशान खट्टर-तारा सुतारिया

ईशान खट्टर और तारा सुतारिया बॉलीवुड अब एक साथ स्क्रीन साझा करने के लिए तैयार हैं। प्रशंसक जल्द ही इस नई जोड़ी को साथ देख सकते हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, ईशान खट्टर और तारा सुतारिया जल्द ही एक आगामी म्यूजिक वीडियो में अभिनय करेंगे, जिसमें रितो रीबा और श्रेया घोषाल की आवाजें होंगी।

रोमांटिक ट्रैक में नजर आएंगे ईशान–तारा

काफी दिनों से ईशान और तारा की किसी प्रोजेक्ट के लिए साथ आने की खबरें थीं। हालांकि, यह तय हो गया है कि ईशान खट्टर और तारा सुतारिया, रितो रीबा और श्रेया घोषाल के आने वाले गाने में साथ नजर आएंगे। प्ले डीएमएफ के तहत अंशुल गर्ग द्वारा निर्मित इस रोमांटिक ट्रैक को कश्मीर की शानदार बैकग्राउंड पर फिल्माया गया है।

इस दिन रिलीज होगा गाना

इस गाने के लिए प्रशंसकों को ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़ेगा, क्योंकि यह गाना 7 मार्च, 2025 को रिलीज होने वाला है। सोशल मीडिया पर फैंस इसे लेकर खुशी जाहिर कर रहे हैं। फैंस का कहना है कि रितो रीबा की दिल को छू लेने वाली गायकी, श्रेया घोषाल की जादुई आवाज और ईशान और तारा की केमिस्ट्री के साथ यह गाना वाकई एक बेहतरीन अनुभव होने वाला है। यह गाना कश्मीर के खूबसूरत नजारों के साथ शूट किया गया है।

रितो रिबा ने जताई खुशी

प्रोजेक्ट के बारे में बात करते हुए लोकप्रिय गायक रितो रीबा ने कहा, यह गाना मेरे लिए वाकई खास है। श्रेया मैम के साथ काम करना एक सपने के सच होने जैसा है और ईशान और तारा द्वारा इस गाने को स्क्रीन पर देखना अविश्वसनीय है। इसे संभव बनाने के लिए अंशुल सर का बहुत–बहुत धन्यवाद।

रकुल ने दे दे प्यार दे 2 को लेकर शेयर किया पोस्ट

रकुल प्रीत सिंह शादी के बाद से लगातार हिंदी फिल्मों में काम कर रही हैं। अब उन्होंने अपनी नई फिल्म दे दे प्यार दे 2 के पटियाला शेड्यूल के खत्म होने की खुशखबरी सोशल मीडिया पर शेयर की है और साथ ही एक खास नोट भी लिखा है। रकुल प्रीत सिंह ने फिल्म दे दे प्यार दे 2 को लेकर अपनी खुशी इंस्टाग्राम की स्टोरी पर शेयर करते हुए एक तस्वीर शेयर की है, जिसमें उनके साथ क्रू के कई लोग नजर आ रहे हैं। इस खास तस्वीर के साथ रकुल ने लिखा, इसके साथ ही हमने दे दे प्यार दे 2 का पटियाला शेड्यूल पूरा कर लिया है। यह महीना बहुत अच्छा और संतोष देने वाला रहा। हां, ठंड बहुत थी और काम भी खूब था, लेकिन मेरी टीम ने मेरी मदद की और सब आसानी से हो गया। मैं चाहती हूं कि आप सब फिल्म देखें और उम्मीद है कि आपको आयशा का किरदार फिर से पसंद आएगा।

फिल्म दे दे प्यार दे 2

फिल्म दे दे प्यार दे 2 साल 2019 में आई दे दे प्यार दे की दूसरी किस्त है। इस फिल्म का पहला पार्ट काफी सफल रहा था। वहीं अब दे दे प्यार दे के प्रशंसकों को इसकी दूसरी किस्त का बेसब्री से इंतजार है। इसका निर्देशन अंशुल शर्मा ने किया है। दे दे प्यार दे 2 में रकुल प्रीत सिंह मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगी। पहली फिल्म को बहुत पसंद किया गया था, इसलिए फैंस को इस सीक्वल का बेसब्री से इंतजार है। 'दे दे प्यार दे 2' में रकुल प्रीत 'आयशा' की अपनी भूमिका को दोहराती नजर आएंगी। अंशुल शर्मा के निर्देशन में तैयार सीक्वल में आर. माधवन भी हैं। हालांकि, अजय देवगन भी अपनी भूमिका को निभाते नजर आएंगे।

शुरू हुआ उड़ता पंजाब के सीक्वल पर काम, शाहिद निभाएंगे अहम रोल

अभिषेक चौबे के निर्देशन में बनी फिल्म उड़ता पंजाब का जल्द ही सीक्वल आने वाला है। साल 2016 में रिलीज हुई इस फिल्म में शाहिद कपूर और आलिया भट्ट अहम किरदार में थे। खबरों के मुताबिक निर्माता एकता कपूर इस फिल्म को प्रोड्यूस कर रही हैं। फिल्म को आकाश कौशिक लिख रहे हैं। आकाश कौशिक हाउसफुल 4 और भूल भुलैया 2 को लिखने के लिए जाने जाते हैं। आकाश कौशिक ही इस फिल्म का निर्देशन करने वाले हैं। अभी इस फिल्म की कहानी लिखी जा रही है। एक खबर के मुताबिक उड़ता पंजाब के सीक्वल में फिल्म में एक नई कहानी हो सकती है। हालांकि पुरानी वाली उड़ता पंजाब फिल्म में सिर्फ ड्रग्स की कहानी दिखाई गई थी। फिल्म में अहम किरदार अदा करने वाले शाहिद कपूर दोबारा इसमें अहम भूमिका में आ सकते हैं। सूत्रों के मुताबिक एकता कपूर उन्हें फिल्म के लिए साइन कर सकती हैं। बताया जाता है कि फिल्म की पटकथा तैयार होने के बाद एकता कपूर शाहिद कपूर से संपर्क कर सकती हैं। फिल्म की शूटिंग अगले साल शुरू हो सकती है।

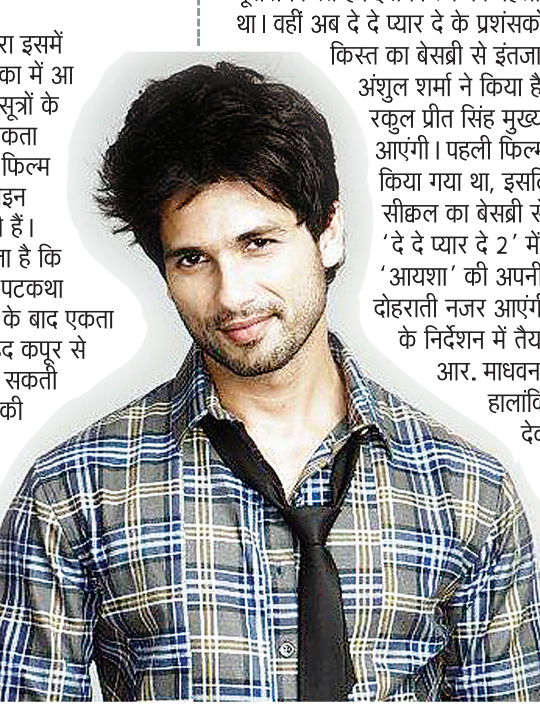

बॉलीवुड 800 करोड़ रुपये वाली फिल्म के पीछे भाग रहा है

अनुराग कश्यप ने बॉलीवुड में लीक से हटकर फिल्में बनाई हैं। लेकिन पिछले कुछ समय से वह बॉलीवुड के वर्क कल्चर को लेकर काफी परेशान नजर आए। इसलिए निर्देशक ने मुंबई छोड़ने का मन बनाया। वह अब मुंबई से दूर दक्षिण भारत में जाकर बस गए। हाल ही में अनुराग कश्यप ने फिर से बॉलीवुड के खराब वर्क कल्चर को लेकर बात की।

बॉलीवुड में क्रिएटिव माहौल नहीं

द हिंदू से हालिया बातचीत में अनुराग कश्यप ने बताया कि बॉलीवुड इंडस्ट्री टॉक्सिक हो चुकी है, इसलिए उन्होंने मुंबई छोड़ा। वह ऐसे लोगों से दूर रहना चाहते हैं। अनुराग का यह भी कहना है कि बॉलीवुड में हर कोई 800 करोड़ रुपये की कमाई करने वाली फिल्म का टारगेट बनाकर चल रहा है, उस टारगेट का पीछा कर रहा है। इससे क्रिएटिव माहौल खत्म हो गया है। अनुराग से जुड़े करीबी सूत्रों का कहना है कि निर्देशक अब बेंग्लुरु में शिफ्ट हो चुके हैं।

बनाना चाहते हैं साउथ में फिल्म

आगे बातचीत में अनुराग कश्यप ने यह भी बताया कि वह मलायलम और तमिल फिल्म फ्यूचर में बनाना चाहते हैं। अनुराग ने बतौर अभिनेता कुछ दक्षिण भारतीय फिल्मों में काम किया है, अधिकतर फिल्मों में वह नेगेटिव रोल में नजर आए।

स्टार ट्रीटमेंट से भी परेशान अनुराग

पिछले दिनों भी एक इंटरव्यू में अनुराग कश्यप ने बॉलीवुड एक्टर्स के बिहेवियर पर भी बात की है। वह इंटरव्यू में कहते हैं कि हिंदी फिल्मों में हर एक्टर को स्टार ट्रीटमेंट चाहिए। जबकि साउथ इंडस्ट्री में ऐसा नहीं है, बड़े से बड़ा एक्टर फिल्म के बाकी लोगों की तरह ही खुद को ट्रीट करता है।

मुझे नहीं लगता कि मैं बॉलीवुड के खांचे में पूरी तरह फिट हूं

परिणीति चोपड़ा अक्सर अपने काम को लेकर चचा में रहती हैं। हाल ही में उन्होंने दिलजीत दोसांझ के साथ फिल्म अमर सिंह चमकीला में काम किया और अब एक वेब सीरीज की शूटिंग शुरू कर दी है। एक इंटरव्यू में परिणीति ने अपने करियर के बारे में खुलकर बात की और कहा कि अगर उन्होंने अधिक तैयारी के साथ शुरुआत की होती तो आज उनका करियर कुछ और ही होता। परिणीति ने कहा...मुझे नहीं लगता कि मैं बॉलीवुड के खांचे में पूरी तरह से फिट बैठती हूं। मैं चौबीसों घंटे एक कलाकार की तरह नहीं सोचती। मैं इंडस्ट्री में लोगों को नहीं जानती थी और मुझे नहीं पता था कि कलाकार कैसे बनते हैं। मैं इस खेल से अनजान थी और अब सीख रही हूं। उस समय मैं सिर्फ सेट पर आकर अभिनय करना जानती थी। उन्होंने आगे कहा... मैं सिर्फ अभिनय करती थी, मुझे रिलीज या प्रचार के बारे में कुछ नहीं पता था। आज के नए कलाकार अधिक तैयार हैं। वे जानते हैं कि किसे कब कॉल करना है, किसे मैसेज करना है, किसकी पार्टी में जाना है और किससे दोस्ती करनी है। मुझे बॉलीवुड के दाव–पेंच नहीं पता थे लेकिन मैं सबसे साफ और नेक इरादे वाली इंसान थी, जो सिर्फ अभिनय करने के लिए बॉलीवुड में आई थी।

बेन स्टोक्स को मिल सकती है इंग्लैंड टीम की कप्तानी

लंदन, एजेंसी। जोस बटलर के इस्तीफे के बाद इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स सीमित ओवरों के प्रारूप में अगले कप्तान हो सकते हैं और ईसीबी के निदेशक रॉब की ने कहा कि खुद को 'अविश्वसनीय रणनीतिकार साबित कर चुके इस करिश्माई हरफनमौला के नाम पर विचार नहीं करने वाला मूर्ख ही होगा। चैम्पियंस ट्रॉफी में इंग्लैंड के एक भी जीत दर्ज नहीं कर पाले के बाद बटलर ने टूर्नामेंट के बीच में ही कप्तानी छोड़ दी थी। इससे पहले भारत में श्रृंखला में भी उसे पराजय मिली। 33 बरस के स्टोक्स हैमस्ट्रिंग चोट के कारण चैम्पियंस ट्रॉफी से बाहर थे। उन्होंने 2023 विश्व कप के बाद से वनडे क्रिकेट नहीं खेली है जब उन्होंने इस प्रारूप से विदा लेने का अपना फैसला वापस ले लिया था। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड में पुरूष क्रिकेट निदेशक की ने कहा, 'बेन स्टोक्स सर्वश्रेष्ठ कप्तानों में से है। उसके नाम पर विचार नहीं करने वाला मूर्ख होगा। उन्होंने कहा, 'वह अविश्वसनीय रूप से अच्छा रणनीतिकार है जो हमने टेस्ट क्रिकेट में देखा। वह खिलाड़ियों से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करा पाता है। वह ऐसा इंसान है जो दबाव के हालात में खिलाड़ियों की ढाल बनकर उन्हें खुद पर भरोसा रखने में मदद करता है। स्टोक्स इस समय अबुधाबी में इंग्लैंड लायंस अभ्यास समूह के साथ हैं और भारत के खिलाफ जून से अगस्त तक होने वाली पांच टेस्ट की श्रृंखला तक फिट हो जाएंगे। इस समय यूएई में मौजूद की का मानना है कि स्टोक्स में वनडे टीम में जोश का संचार करने की क्षमता है जो उसने टेस्ट टीम के साथ किया। स्टोक्स का कोच ब्रेंडन मैकुलम के साथ भी अच्छा तालमेल है जिससे उनकी दावेदारी को बल मिलता है। वैसे मैकुलम के सीमित ओवरों का प्रभार भी संभालने के बाद से इंग्लैंड ने 11 में से 10 मैच गंवाए हैं। वहीं 2022 से इंग्लैंड ने 35 में से 32 टेस्ट जीते हैं।

सुनील छेत्री फिर करेंगे वापसी

भारतीय फुटबॉल के लिए यह एक बहुत बड़ी खबर है। 40 वर्षीय स्टार फुटबॉलर सुनील छेत्री ने तत्काल प्रभाव से संन्यास से वापसी करने का फैसला किया है। सुनील छेत्री ने मार्च 2025 से शुरू होने वाले आगामी फीफा अंतरराष्ट्रीय विंडो में भारतीय टीम की मदद करने के लिए यह फैसला लिया है। वह 25 मार्च को बांग्लादेश के खिलाफ एएफसी एशियन कप 2027 के क्वालिफायर के तीसरे दौर में खेलेंगे। शिलांग का जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम भारतीय सीनियर पुरुष टीम के दो मैचों की मेजबानी करेग. इस संबंध में इंडियन फुटबॉल टीम की ओर से 6 मार्च 2025 को ङ्क पर एक पोस्ट शेयर की गई। पोस्ट में सुनील छेत्री की तस्वीर के साथ जो कैप्शन दिया गया, उसमें लिखा था, 'कप्तान, लीडर, दिग्गज खिलाड़ी मार्च में फीफा इंटरनेशनल विंडो के लिए भारतीय राष्ट्रीय टीम में वापसी करेंगे।' सुनील छेत्री ने यह कदम अपने शानदार करियर के बाद संन्यास की घोषणा के एक साल से भी कम समय बाद उठाया है। उनके संन्यास के बाद भारतीय फुटबॉल में एक बड़ा खालीपन पैदा हो गया है जिसे भरना अभी बाकी है। भारत के सर्वकालिक अग्रणी गोल-स्कोरर सुनील छेत्री ने पिछले साल जून में कोलकाता के साल्ट लेक स्टेडियम में अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास की घोषणा की थी। उन्होंने भारतीय टीम को आंसुओं के साथ अलविदा कहा था। तब भारत ने फीफा विश्व कप 2026 क्वालिफायर में कुवैत के साथ गोल रहित ड्रॉ खेला था। सुनील छेत्री पुरुष फुटबॉल में सर्वकालिक अग्रणी गोल करने वालों की सूची में केवल क्रिस्टियानो रोनाल्डो, लियोनेल मेसी और अली डेई से पीछे हैं।

इंग्लैंड सीरीज के लिए भूख और बढ़ गई है दोनों हाथों से मौका लपकने को तैयार हूं

टीम इंडिया में वापसी पर बोले चेतेश्वर पुजारा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टेस्ट क्रिकेट के सबसे बड़े नामों में से एक चेतेश्वर पुजारा फिलहाल टीम से बाहर चल रहे हैं। हालांकि, वह भारतीय टीम में वापसी का मौका हासिल करने और जोरदार कमबैक करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। चेतेश्वर पुजारा भारतीय टेस्ट टीम के नंबर 3 स्थान के मजबूत स्तंभ रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड में उनकी शानदार पारियों और दृढ़ संकल्प को कौन भूल सकता है। हालांकि, पिछले कुछ समय से उनकी फॉर्म में गिरावट देखी गई। इसके चलते डब्ल्यूटीसी

2023 फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ नाकामी के बाद उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 में भारत को 1-3 से हार का सामना करना पड़ा, खासकर अंतिम 4 टेस्ट में नंबर 3 की स्थिति टीम के लिए एक बड़ी समस्या बनी रही। ऐसे में, चेतेश्वर पुजारा की गैरमौजूदगी को काफी महसूस किया गया। अब सवाल यह उठता है कि क्या पुजारा घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन कर वापसी कर सकते हैं? क्या चयनकर्ता उन्हें एक और मौका देंगे? चेतेश्वर पुजारा ने एक मीडिया कंपनी के कॉन्क्लेव में ऐसे ही कुछ सवालों के बेबाकी से जवाब दिये। भारत का अगला टेस्ट असाइनमेंट एक और विदेशी दौरा है। उसे इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैच की टेस्ट सीरीज खेलनी है, जो विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 का हिस्सा होगी। यह सीरीज इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के समापन के बाद जून 2025 में शुरू होगी। इस सीरीज से पहले क्रिकेट विशेषज्ञों के बीच चर्चा तेज हो गई है कि क्या चेतेश्वर पुजारा की भारतीय टीम में वापसी होगी?

फिलहाल, चेतेश्वर पुजारा सौराष्ट्र की रणजी ट्रॉफी टीम का हिस्सा हैं। इस सीजन उनका प्रदर्शन उतार-चढ़ाव वाला रहा, लेकिन उन्होंने दो अहम पारियां खेलीं। छत्तीसगढ़ के खिलाफ 234 रन और असम के खिलाफ 99 रन की पारियां। रणजी ट्रॉफी में भले ही उनका प्रदर्शन मिश्रित रहा हो, लेकिन विदेशी परिस्थितियों में उनका अनुभव और सफलता उन्हें टीम में वापसी का मजबूत दावेदार बनाती है।चेतेश्वर पुजारा ने कहा, 'टेस्ट क्रिकेट की बात करें तो ऑस्ट्रेलिया सबसे मुश्किल है। भारत ऑस्ट्रेलिया से हारना कभी पसंद नहीं करता, इसलिए 2018 और 2020-21 की जीत विश्व कप जीतने जैसी थी। यह मेरे टेस्ट करियर की सबसे बड़ी उपलब्धि थी।'चेतेश्वर पुजारा ने टीम इंडिया में अपनी वापसी को लेकर कहा, 'मैं घरेलू क्रिकेट खेल रहा हूं। अगर मौका मिला, तो मैं उसे दोनों हाथों से लपक लूंगा। मेरी भूख अब और भी ज्यादा बढ़ गई है। जब आप उम्रदराज होते हैं, तो आपको और ज्यादा मेहनत करनी होती है।' चेतेश्वर पुजारा इंटरनेशनल क्रिकेट में वापसी के लिए जी-तोड़ मेहनत भी कर रहे हैं। वह 22 की जगह 18 गज की दूरी से गेंदों का सामना कर रहे हैं। पुजारा ने अपनी तैयारी पर कहा, '16-18 गज की दूरी से सीमेंट की पिच पर बाएं हाथ के तेज गेंदबाज और अंडर-19 दिनों के साथी कुलदीप शर्मा का सामना किया।'

हर दिन होना चाहिए महिला दिवस: साक्षी मलिक

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की प्रसिद्ध महिला पहलवान साक्षी मलिक ने न्बातचीत के दौरान महिला दिवस के मौके पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने न केवल अपने व्यक्तिगत अनुभवों को उजागर किया, बल्कि समाज में बदलते परिवेश और महिलाओं की भूमिका पर भी प्रकाश डाला। ओलंपिक मेडलिस्ट साक्षी मलिक का मानना है कि महिलाओं के संघर्ष और योगदान को केवल एक दिन तक सीमित नहीं करना चाहिए। साक्षी मलिक का कहना है कि महिलाओं को किसी एक खास दिन, जैसे 8 मार्च को मनाया जाने वाले अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस तक ही सीमित नहीं रखना चाहिए। उनके अनुसार, हर दिन महिला दिवस होना चाहिए। उन्होंने अपने जीवन का उदाहरण देते हुए बताया कि एक महिला अपने जीवन में कई तरह के संघर्षों का सामना करती है। साक्षी ने कहा, जब मैंने कुश्ती शुरू की थी, तब मुझे बेहद कम संसाधनों के साथ तैयारी करनी पड़ी थी। इन कठिनाइयों के बावजूद मैंने न केवल अपने करियर में सफलता हासिल की, बल्कि मां बनने के बाद भी अपने कार्यों को संतुलित किया। एक मां के पास कई जिम्मेदारियां होती हैं और वह इन सभी को एक साथ संभाल सकती है। इसलिए, महिलाओं के योगदान को हर दिन सम्मान मिलना चाहिए। साक्षी ने कहा कि पहले हरियाणा में लड़के और लड़कियों के बीच बहुत भेदभाव होता था। लेकिन अब इसमें काफी बदलाव आया है। उन्होंने अपने मेडल जीतने के अनुभव को साझा करते हुए बताया कि उनकी सफलता ने समाज की सोच को बदलने में मदद की। महिला खिलाड़ियों की उपलब्धियों पर फिल्में बनीं, जिसके बाद लोग अपनी बेटियों को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित हुए। आज लड़कियां हर क्षेत्र में बेहतरीन प्रदर्शन कर रही हैं, चाहे वह खेल हो या कोई अन्य क्षेत्र। साक्षी ने हाल के ओलंपिक का उदाहरण दिया, जहां हरियाणा की मनु भाकर ने इतिहास रचकर यह साबित कर दिया कि लड़कियां किसी से कम नहीं हैं।

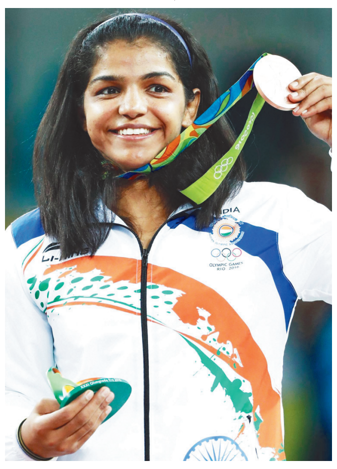

श्रेयस अय्यर को मिल सकता है बड़ा इनाम

बीसीसीआई ने चैंपियंस ट्रॉफी के बाद बनाया ऐसा करने का प्लान

नई दिल्ली, एजेंसी। कुछ खिलाड़ी होते हैं जिनका नाम होता है. और, कुछ वो होते हैं, जिनका नाम तो नहीं होता पर काम बोलता रहता है. श्रेयस अय्यर इसी दूसरी कैटेगरी के खिलाड़ी है. विराट-रोहित जैसे बड़े नामों के बीच भले ही चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में उनका नाम उतना नहीं गूंज रहा लेकिन उनके अपने बल्ले के जोर पर वो टूर्नामेंट के टॉप रनवीरों में शामिल हैं. अय्यर को उनके उसी प्रदर्शन का चैंपियंस ट्रॉफी के बाद इनाम मिल सकता है. खबर है कि बीसीसीआई चैंपियंस ट्रॉफी के खत्म होने के बाद खिलाड़ियों के सेंट्रल कॉन्ट्रेक्ट को रिन्यू करेगी, जिसमें फिर से श्रेयस अय्यर की एंट्री हो सकती है.

अय्यर की होगी नए कॉन्ट्रेक्ट में वापसी!

तो क्या अभी तक श्रेयस अय्यर बीसीसीआई की सालाना कॉन्ट्रेक्ट प्लेयर लिस्ट से बाहर थे? जी हां, वो बाहर थे क्योंकि पिछले साल बीसीसीआई ने उन्हें अनुशासनहीनता का दोषी पाते हुए एक्शन लिया था. उन्होंने घरेलू क्रिकेट ना खेलकर बीसीसीआई का नियम तोड़ा था. लेकिन, अब कहानी बदल चुकी है. श्रेयस अय्यर ने ना सिर्फ उस घटना से सबक लिया है बल्कि खुद में पहले से कहीं ज्यादा मैच्योरिटी भी लेकर आए हैं.

रिपोर्ट के मुताबिक बीसीसीआई ने चैंपियंस ट्रॉफी के बाद खिलाड़ियों के सालाना करार को रिन्यू करने का फैसला इसलिए किया, क्योंकि वो इसआईसीसी टूर्नामेंट में उनके प्रदर्शन की समीक्षा करना चाहती थी. नए कॉन्ट्रेक्ट में खिलाड़ियों के ग्रेड को लेकर फैसला उनके तीनों फॉर्मेट में प्रदर्शन के आधार पर होगा. रिपोर्ट में ये भी कहा गया कि बीसीसीआई ग्रेड ए प्लस की भी समीक्षा करेगी , जिसमें अभी रोहित शर्मा, विराट कोहली, जसप्रीत बुमराह और रवींद्र जडेजा हैं.

रोहित-विराट होंगे टॉप ग्रेड से बाहर?

रिपोर्ट के मुताबिक, आने वाले नए सेंट्रल कॉन्ट्रेक्ट में रोहित-विराट और जडेजा की जगह खतरे में है. इन तीनों को टॉप ग्रेड यानी ग्रेड ए प्लस से बाहर किया जा सकता है. ऐसा इसलिए क्योंकि बीसीसीआई वहां सिर्फ उन्हीं खिलाड़ियों को तरजीह देने की सोच रही है, जो तीनों फॉर्मेट खेल रहे हैं. रोहित, विराट और जडेजा तीनों ही टी-20 फॉर्मेट से रिटायर हो चुके हैं. वहीं टेस्ट सीजन में भी उनका प्रदर्शन उतना अच्छा नहीं रहा है. हालांकि, रिपोर्ट में ये भी कहा गया कि चैंपियंस ट्रॉफी में खिताबी जीत के साथ इनके पोजिशन की सेंट्रल कॉन्ट्रेक्ट में बचने की उम्मीद है.

फीफा ने पाकिस्तान-रूस समेत इन देशों को फुटबॉल वर्ल्ड कप से किया बैन, बड़ी वजह आई सामने

नई दिल्ली, एजेंसी। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी का मेजबान पाकिस्तान टूर्नामेंट से बाहर हो चुका है. वहीं, भारतीय टीम ने टूर्नामेंट के लिए पाकिस्तान दौरे से इनकार कर दिया. रोहित शर्मा की कप्तानी वाली टीम इंडिया हाइब्रिड मॉडल के तहत अपने मैच दुबई में खेल रही है. वहीं, अब क्रिकेट के बाद पाकिस्तान को फुटबॉल में झटका लगा है. दरअसल, फीफा ने पाकिस्तान के अलावा रूस और कॉन्गो को वर्ल्ड कप 2026 से बैन कर दिया है. चैंपियंस ट्रॉफी में किरकिरी के बाद फीफा वर्ल्ड कप से बैन होना पाकिस्तान के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है.

फीफा ने पाकिस्तान को क्यों किया बैन

फीफा वर्ल्ड कप 2026 की मेजबानी संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको करेगा. इस टूर्नामेंट के इतिहास में पहली बार 48 टीमें भाग लेंगी. लिहाजा, यह टूर्नामेंट काफी बड़ा होने वाला है. लेकिन इस बीच फीफा ने पाकिस्तान के अलावा रूस और कांगो को बैन कर दिया है. अब सवाल है कि इन देशों को बैन क्यों किया गया? मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पाकिस्तान फुटबॉल महासंघ ने स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों की गारंटी देने वाला नया संविधान नहीं अपनाया. जबकि फीफा और एशियाई फुटबॉल परिसंघ ने इसे लागू करने की शर्त रखी थी.

फीफा ने रूस को किया बाहर

वहीं, रूस फीफा वर्ल्ड कप 2026 के लिए योग्यता की आवश्यकता को पूरा नहीं कर पा रहा है. दरअसल, तकरीबन 3 साल पहले रूसी राष्ट्रीय फुटबॉल टीम को यूक्रेन पर आक्रमण से शुरू होने वाले स्नढ्ढस्न और श्वस्न दोनों के तहत अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने से बैन कर दिया गया था. लिहाजा, यह बैन रूस पर जारी रहेगा.

इसके अलावा फीफा ने कांगोलीज फुटबॉल फेडरेशन के प्रबंधन में अवैध तरीके से तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप का हवाला दिया है. साथ ही कांगो को टूर्नामेंट से बाहर कर दिया है. बताते चलें कि फीफा नियमों के मुताबिक, फुटबॉल प्रशासन में बाहरी प्रभाव की अनुमति नहीं है, लेकिन कांगो समय के साथ समस्या का समाधान करने में नाकाम रहा है. लिहाजा, अब फीफा ने कांगो को बैन कर दिया है.

बस 9 मार्च का इंतजार... कीवियों से हर दर्द का हिसाब लेगी रोहित ब्रिगेड

9 मार्च 2025 की तारीख... भारतीय टीम न्यूजीलैंड (कीवी टीम) से चैम्पियंस ट्रॉफी फाइनल के दिन 3 इंतकाम लेगी... क्रिकेट के मैदान पर जो जख्म कीवी टीम ने साल 2000 में पहली बार दिया, 2019 में दूसरी बार, 2021 में तीसरी और हाल फिल्हाल में 2024 में चौथी बार... इन सभी का बदला लेने का समय गया है.

दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में टीम इंडिया चैम्पियंस ट्रॉफी में न्यूजीलैंड को रौंदकर सारा पुराना हिसाब सूद समेत वसूलने के लिए उतरेगी. न्यूजीलैंड ने टीम इंडिया का लास्ट मोमेंट पर कई बार खेल बिगाड़ा है. कई बार भारतीय टीम को हार का जख्म दिया है. वो भी तब, जब भारतीय टीम बड़े खिताब की ओर अग्रसर थी. इन 4 पलों के दौरान भारतीय टीम के जीतने की सबसे ज्यादा दावेदारी जताई गई, लेकिन न्यूजीलैंड ने टीम इंडिया के सारे समीकरण फेल कर दिए.

आपको पहले करीब दो दशक पहले ले चलते हैं, साल 2000 था, तारीख 15 अक्टूबर थी, मैदान नैरौबी का था. मौका भारत और न्यूजीलैंड के बीच चैम्पियंस ट्रॉफी के फाइनल का था. तब के भारतीय कप्तान सौरव गांगुली ने 119 रनों की पारी खेली, सर्च?न तेंदुलकर ने 69 रन बनाए और स्कोर बना 264/6.

इसके बाद न्यूजीलैंड ने रनचेज शुरू किया, भारतीय गेंदबाजों ने शुरुआत में ही न्यूजीलैंड की कमर तोड़ दी. क्रेग स्पीयरमैन (3) कप्तान स्टीफन फ्लेमिंग (5) दोनों को वेंकटेश प्रसाद ने चलता कर दिया. 132 के स्कोर तक आते-आते न्यूजीलैंड के पांच विकेट धड़ाम हो गए, यहां से लगा कि भारतीय टीम इस मुकाबले को आसानी से जीत लेगी.

लेकिन यहीं से क्रिस केयर्न्स और क्रिस हैरिस (46) ने ऐसा खूंटा गाड़ा कि अपनी टीम को जीत दिलाकर ही दम ली. केयर्न्स तो 102 रनों पर नाबाद लौटे. इस तरह न्यूजीलैंड ने पहली बार कोई आईसीसी का टूर्नामेंट जीता. यह पहली बार था जब न्यूजीलैंड ने भारत का सपना किसी आईसीसी टूर्नामेंट में तोड़ा था.

आज से थोड़ा सा पीछे चलते हैं, वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप के ओपनिंगसीजन का फाइनल जून 2021 में खेला गया था. भारत और न्यूजीलैंड की टीम इस फाइनल को खेल रही थीं. लेकिन इस मुकाबले में एक बार फिर से न्यूजीलैंड की टीम भारत पर भारी पड़ी. न्यूजीलैंड ने इस फाइनल को 8 विकेट से जीता. इस पूरे टेस्ट मैच में भारतीय टीम कहीं से भी लय में नहीं दिखी. यह दूसरी बार था, जब 2000 की चैम्पियंस ट्रॉफी के फाइनल के बाद न्यूजीलैंड ने किसी बड़े ढ्ढष्टष्ट के टूर्नामेंट में भारत को रौंदा हो.

संक्षिप्त समाचार

सदर बाजार की दुकानों पर लटकी सीलिंग की तलवार, एमसीडी ने भेजा नोटिस; सीएम से मांगा मिलने का समय

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के सदर बाजार की कई दुकानों पर सीलिंग की तलवार लटकी हुई है। एमसीडी की ओर से दुकानदारों को पूर्व में भेजे गए कन्वर्जन और पार्किंग शुल्क जमा करने के नोटिस की वजह से दुकानदार परेशान हैं। फिलहाल सीलिंग पर रोक है, लेकिन इस आदेश की अवधि समाप्त हो जाने के बाद दुकानें सील होने की आशंका से व्यापारियों में आक्रोश है। उन्होंने सदर बाजार को व्यावसायिक क्षेत्र घोषित किए जाने की मांग की है। सदर बाजार के व्यापारियों ने मुख्यमंत्री से मिलने का समय मांगा है। फेडरेशन ऑफ सदर बाजार ट्रेडर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष राकेश यादव का कहना है कि वर्ष 2004 में जब पूरी दिल्ली में सीलिंग की जा रही थी, तब नगर निगम के सिटी जोन के तत्कालीन डीसी ने सदर बाजार में सर्वे कराया था। उन्होंने अपनी रिपोर्ट में माना था कि सदर बाजार व्यावसायिक क्षेत्र है। ऐसे में यहां सीलिंग नहीं की जा सकती है। यह रिपोर्ट उन्होंने डीडीए के तत्कालीन उपाध्यक्ष को भी भेजी थी। इसके बाद भी सदर बाजार को व्यावसायिक क्षेत्र घोषित नहीं किया गया, जिसकी वजह से अधिकारी इसे अभी भी रिहाइशी क्षेत्र मानते हुए सीलिंग नोटिस भेज रहे हैं। फेडरेशन के अध्यक्ष का कहना है कि करीब डेढ़ साल पहले एमसीडी की ओर से 24 दुकानदारों को सीलिंग के नोटिस भेजे गए थे और तकरीबन 300 अन्य दुकानदारों को नोटिस भेजने की तैयारी थी। दुकानदारों की ओर से पक्ष रखे जाने पर सीलिंग की कार्रवाई को स्थगित किया गया है, लेकिन कुछ लोग मॉनिटरिंग कमेटी से शिकायत कर रहे हैं, ताकि दुकानदारों पर दबाव बनाकर उनसे अवैध वसूली की जा सके। व्यापारियों का कहना है कि होली बाद बैठक कर सीएम से सदर बाजार को व्यावसायिक क्षेत्र घोषित कराए जाने की मांग करेंगे, ताकि सीलिंग की कार्रवाई का स्थायी समाधान हो सके। इसी तरह नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) ने 380 संपत्ति कर बकाएदारों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है, जिसमें बकाया राशि का भुगतान न करने पर कुर्की और खाता फ्रीज करने सहित सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। परिषद ने एक बयान में कहा कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में, एनडीएमसी ने कर वसूली के अपने प्रयासों को तेज कर दिया है, जिसमें 3,200 करदाताओं की पहचान की गई है, जिन्होंने लगातार तीन सालों से टैक्स नहीं दिया है।

90 घंटे काम की सलाह देने वाले एल एंड टी चेयरमैन ने महिला कर्मचारियों को दी खुशखबरी

नई दिल्ली, एजेंसी। एल एंड टी के चेयरमैन एस एन सुब्रह्मण्यन ने कुछ दिनों पहले कहा था कि कर्मचारियों को एक हफ्ते में 90 घंटे काम करनी चाहिए। उन्होंने इतना तक कह दिया था कि कोई पति घर में अपनी पत्नी को कितनी देर तक घूर सकता है। एस एन सुब्रह्मण्यन के इस बयान की काफी आलोचना हुई थी। हालांकि, एल एंड टी के चेयरमैन ने अब एक ऐसा फैसला लिया है, जिसकी काफी तारीफ हो रही है। दरअसल, अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस से ठीक पहले उन्होंने घोषणा की है कि पैरेंट ग्रुप की कंपनी में काम करने वाली महिलाएं पीरियड्स के दिनों में एक दिन की छुट्टी ले सकेंगी। पांच हजार से ज्यादा महिलाओं को मिलेगी राहत रूञ्ज कंपनी में काम करने वाली महिलाओं के लिए यह एक बड़ी राहत भरी खबर है। इस कंपनी में 60,000 कर्मचारियों में महिला कर्मचारी लगभग 9 प्रतिशत हैं। उनके इस फैसले से लगभग 5 हजार महिलाओं को फायदा मिलेगा। गौरतलब है कि कई राज्यो में प्राइवेट और सरकारी, दोनों क्षेत्रों में महिलाओं को पीरियड्स लीव दी जाती है।

हिंसा पीड़ित महिलाएं वन स्टाप सेंटर में रुक सकती हैं दस दिन, विशेष परिस्थितियों में 20 दिन रुकने की इजाजत

नई दिल्ली, एजेंसी।
हिंसा पीड़ित महिलाओं को तत्काल एक जगह सारी सुविधाएं उपलब्ध कराने वाले सरकार संचालित वन स्टाप सेंटरों में अब दस दिन तक रुकने की इजाजत है। केंद्र सरकार ने वन स्टाप सेंटर में हिंसा पीड़ित महिलाओं के रुकने की अवधि पांच दिन से बढ़ा कर दोगुनी यानी दस दिन कर दी है। विशेष परिस्थितियों में पीड़ित महिलाएं 20 दिनों तक वन स्टाप सेंटर में रुक सकती हैं।

केंद्र सरकार ने पीड़ित महिलाओं की सहूलियत के लिए यह अवधि बढ़ाई है। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने हिंसा पीड़ित महिलाओं को तत्काल मदद और सुरक्षित माहौल देने के संबंध में गुरुवार को बताया कि केंद्र सरकार ने हिंसा पीड़ित महिलाओं को एक जगह सारी सुविधाएं और मदद देने के लिए एक अप्रैल, 2015 में वन स्टाप सेंटर योजना शुरू की थी।

महिला पंचायत प्रधान नारी सशक्तीकरण

बुधवार को महिला बाल विकास मंत्री ने देश भर से आई महिला प्रधानों को रात्रि भोज में आमंत्रित किया था और बातचीत के दौरान उन्हें बताया कि सरकार ने अब वन स्टाप सेंटर में हिंसा पीड़ित महिलाओं के रुकने की अवधि बढ़ा कर दोगुनी यानी दस दिन कर दी है। देश भर से महिला पंचायत प्रधान नारी सशक्तीकरण के कार्यक्रम में शामिल होने दिल्ली आयीं थी। दो दिनों के कार्यक्रम के

बाद बुधवार की शाम केंद्रीय महिला बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने अपने आवास पर उनके लिए रात्रि भोज आयोजित किया था। इस मौके पर विभिन्न राज्यों विशेषकर झारखंड से आई महिला प्रधानों ने अपने गांवों में महिला सशक्तीकरण के कार्यों की जानकारी दी।पिछले वर्ष नवंबर में केंद्र ने सभी राज्यों को पत्र भेजा था और वन स्टाप सेंटर में हिंसा पीड़ित महिलाओं के रुकने की अवधि बढ़ाने के निर्देश दिए थे। उस पत्र में राज्यों से कहा गया था कि पांच दिन तक पीड़ित महिला वन स्टाप सेंटर में रुक सकती है लेकिन उसे ज्यादा लंबे समय तक रुकने की जरूरत हो सकती है। जैसे कि कहीं पास में सखी सदन उपलब्ध नहीं हो जहां वह स्थानांतरित की जा सके ऐसी स्थिति में वन स्टाप सेंटर के प्रशासन के पास अवधि बढ़ा कर दस दिन करने का विवेकाधिकार होगा।

भ्रष्टाचार मुक्त समाज के लिए रिहाई से इनकार करने में संकोच न करें अदालतें, सुप्रीम कोर्ट ने दी हिदायत

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि भ्रष्टाचार मुक्त समाज के लिए अदालतों को अभियुक्तों की रिहाई से इन्कार करने में संकोच नहीं करना चाहिए। जस्टिस जेबी पार्डीवाला और जस्टिस आर महादेवन की पीठ ने भ्रष्टाचार के एक मामले में एक सरकारी अधिकारी की अग्रिम जमानत खारिज करने के फैसले को बरकरार रखा। न्यायालय ने इस बात पर अफसोस जताया कि भ्रष्टाचार में बहुत खतरनाक आशंकाएं हैं।

शीर्ष अदालत पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट के उस आदेश के खिलाफ एक लोक सेवक की याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें उसे राहत देने से इनकार कर दिया गया था। हाई कोर्ट ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 और भारतीय न्याय संहिता, 2023 के प्रविधानों के तहत पटियाला में उसके खिलाफ दर्ज मामले में उसकी अग्रिम जमानत खारिज कर दी।

शीर्ष अदालत ने कहा कि आरोपित पर एक ग्राम पंचायत में विकास कार्यों के ऑडिट के लिए रिश्वत मांगने का आरोप है। पीठ ने तीन मार्च के अपने आदेश में कहा- यदि भ्रष्टाचार की भयावहता के बारे में जनता द्वारा जो कुछ कहा जाता है, उसका एक अंश भी सत्य है तो यह सत्य से बहुत दूर नहीं होगा कि उच्च पदस्थ व्यक्तियों द्वारा दंडाभाव में किए जा रहे व्यापक भ्रष्टाचार के कारण ही इस देश में आर्थिक अशांति पैदा हुई है। इसमें कहा गया है कि यदि किसी से पूछा जाए कि हमारे समाज की समृद्धि की ओर प्रगति में बाधा डालने वाला एकमात्र कारक क्या है तो वह भ्रष्टाचार है। कोर्ट ने कहा कि सरकार और राजनीतिक दलों के उच्च पदों पर भ्रष्ट तत्वों का खतरा विकासशील देश के समाज में कानून और व्यवस्था पर हमला करने वाले भाड़े के हत्यारों से भी कहीं अधिक है। कोर्ट ने कहा कि निर्दोष होने की धारणा ही अग्रिम जमानत देने का एकमात्र आधार नहीं हो सकती। पीठ ने कहा कि निर्दोष होने की धारणा एक ऐसा कारक है जिस पर अदालत को अग्रिम जमानत की याचिका पर विचार करते समय ध्यान देने की जरूरत है। उचित नियम यह है कि आरोपित के पक्ष और सार्वजनिक न्याय के पक्ष के बीच संतुलन बनाया जाए। पीठ ने कहा - यदि भ्रष्टाचार मुक्त समाज सुनिश्चित करने के लिए किसी आरोपित को स्वतंत्रता से वंचित किया जाना है तो अदालतों को ऐसी स्वतंत्रता से इनकार करने में संकोच नहीं करना चाहिए।

देश के 100 करोड़ मतदाताओं को मिलेगा अनूठा पहचान नंबर, ट्रांसफर होने पर भी नहीं बदलेगा

नई दिल्ली, एजेंसी। मतदाताओं की पहचान में अब किसी तरह का घालमेल या दोहराव नहीं हो सकेगा। चुनाव आयोग जल्द ही देश के सभी मतदाताओं को एक अनूठे मतदाता फोटो पहचान पत्र (यूनिक इपिक) से लैस करेगा। जिसमें मतदाताओं को आधार की तरह एक अनूठा नंबर मुहैया कराया जाएगा। जो उनके एक स्थान से दूसरे स्थान पर स्थानांतरित होने पर भी नहीं बदलेगा।

जब तक वह मतदाता रहेंगे तब तक वे उसी अनूठे इपिक नंबर से पहचाने जाएंगे। मतदाताओं के पास वैसे तो अभी भी एक इपिक नंबर है लेकिन ये अनूठे नंबर नहीं है। राज्यों ने इसे अपने स्तर पर ही अलग-अलग पैटर्न पर जारी किए गए है। चुनाव आयोग ने मतदाता सूची को त्रुटिरहित बनाने की दिशा में यह कदम ऐसे समय बढ़ाया है, जब मतदाता सूची में गड़बड़ियों को लेकर शिकायतों की बाढ़ आयी हुई है। हरियाणा, महाराष्ट्र के बाद हाल ही में दिल्ली विधानसभा चुनाव में भी राजनीतिक दलों ने मतदाता सूची में गड़बड़ी के आरोप लगाए गए है। यह बात अलग है कि इनमें से ज्यादातर शिकायतों के गलत पाए जाने के बाद आयोग उनके आरोपों को खारिज कर चुका है। इस बीच आयोग ने यूनिक इपिक नंबर को लेकर अपनी तैयारियों को रफ्तार दी है। सूत्रों की मानें तो अगले कुछ महीनों में देश भर में इसे लेकर काम शुरू हो जाएगा। मौजूदा समय में देश में मतदाताओं की संख्या 99 करोड़ से अधिक है। ऐसे में इससे लैस करने में आयोग को दो से तीन साल तक का समय लग सकता है।

अनूठे इपिक नंबर की तरह हाल ही में स्कूलों में पढ़ने वाले प्रत्येक बच्चों को भी अपार (आटोमेटिक परमामेंट एकेडमिक अकाउंट रजिस्ट्री) नंबर से लैस किया जा रहा है। अब तक 31 करोड़ स्कूली बच्चों को इससे जोड़ा जा चुका है। आयोग से जुड़े सूत्रों की मानें तो अनूठे ईपिक नंबर से मिलने के बाद मतदाता कहीं भी स्थानांरित होता है तो उसे उसे उसी यूनिक नंबर से दूसरी जगह मतदाता सूची में जोड़ दिया जाएगा। साथ ही वह पहले जहां से मतदाता था वहां से उसके नाम को स्वतः ही हटा दिया जाएगा।

मतदाता अभी कहीं स्थानांतरित होने पर अपना नाम मतदाता सूची में नई जगह तो दर्ज करा लेते है

लेकिन वह पहले जहां से मतदाता रहते है उसे कटाते नहीं है।

ऐसे में जब भी ऐसे लोगों का सर्वे के बाद नाम कटता है तो उनकी संख्या अचानक से काफी हो जाती है। बाद में राजनीतिक दल उसे ही मुद्दा बनाते है और बड़ी संख्या में लोगों के नाम काटने का आयोग पर आरोप लगाते है।

मतदाताओं के अनूठे इपिक नंबर से लैस होते ही पश्चिम बंगाल जैसे कई राज्यों में इपिक नंबरों की एकरूपता का मुद्दा भी खत्म हो जाएगा। अभी पश्चिम बंगाल, गुजरात व हरियाणा जैसे कई राज्यों ने अपने यहां एक- दूसरे राज्यों से मिलती जुलती इपिक नंबर की सीरीज जारी कर रखी है। अब तक राज्य इस बात से अनभिज्ञ थे लेकिन हाल ही में यह मुद्दा तब बना जब आयोग ने सभी राज्यों के इपिक नंबरों को एक जगह पर केंद्रीकृत किया।

जयशंकर ने कहा-ट्रंप का बहुध्रुवीय व्यवस्था की ओर कदम भारत के लिए फायदेमंद, चीन से संबंधों की नई राह पर भी की बात

वाशिंगटन, एजेंसी।
भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिकी प्रशासन बहुध्रुवीय व्यवस्था की ओर बढ़ रहा है, जो भारत के हितों के अनुकूल है। इसके साथ ही दोनों देशों ने द्विपक्षीय व्यापार समझौते की आवश्यकता पर भी सहमति जताई है। चैथम हाउस थिंक-टैंक में बुधवार को आयोजित एक सत्र में विदेश मंत्री ने रूस-यूक्रेन संघर्ष में भारत की भूमिका, ब्रिक्स देशों की प्रगति, चीन के साथ संबंधों और अन्य विदेश नीति मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। जयशंकर ने कहा, ''भारत उन कुछ देशों में से है जो रूस और यूक्रेन दोनों के साथ विभिन्न स्तरों पर नियमित बातचीत करते रहे हैं। जहां भी यह महसूस हुआ कि भारत कुछ कर सकता है, हम हमेशा इसके बारे में खुले दिमाग से सोचते रहे हैं।''

अमेरिकी प्रशासन पर बात करते हुए जयशंकर ने कहा, ''हम एक ऐसे

राष्ट्रपति और प्रशासन को देख रहे हैं जो बहुध्रुवीयता की दिशा में बढ़ रहा है, और यह भारत के अनुकूल है।'' उन्होंने कहा, ''राष्ट्रपति ट्रंप का दृष्टिकोण हमारे लिए एक बड़ा साझा उपक्रम 'क्वाड' के रूप में सामने आता है, जिसमें हर कोई अपना उचित हिस्सा देता है।'' 'क्वाड' में अमेरिका, भारत, ऑस्ट्रेलिया और जापान शामिल हैं। विदेश मंत्री ने अमेरिकी शुल्क नीतियों पर चर्चा करते हुए कहा कि वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल इस समय वाशिंगटन में द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत कर रहे हैं। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप ने व्हाइट हाउस में बैठक की थी। जयशंकर ने कहा, ''हमने शुल्क के मुद्दे पर खुलकर चर्चा की, और इस बातचीत का परिणाम यह हुआ कि हम द्विपक्षीय व्यापार समझौते की आवश्यकता पर सहमत हुए।''

ब्रिटेन और भारत के बीच मुक्त व्यापार समझौते पर जयशंकर ने कहा कि यह एक जटिल प्रक्रिया है, लेकिन वह आशावादी हैं और उम्मीद करते हैं कि इसमें ज्यादा समय नहीं लगेगा।

चीन के संबंधों पर बात करते हुए जयशंकर ने कहा कि भारत और चीन के संबंध अनोखे हैं क्योंकि केवल दोनों देशों की जनसंख्या दो अरब से अधिक है। उन्होंने कहा, ''हम ऐसा संबंध चाहते हैं, जिसमें हमारे दोनों देशों के हितों का सम्मान हो और जो हम दोनों के लिए लाभकारी हो।'' कश्मीर मुद्दे पर पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए मंत्री ने कहा, ''अनुच्छेद 370 को हटाना पहला कदम था, कश्मीर में विकास, आर्थिक गतिविधि और सामाजिक न्याय को बहाल करना दूसरा कदम था, और तीसरा कदम चुनाव कराना था जिसमें भारी मतदान हुआ।'' उन्होंने आश्वासन दिया कि जब कश्मीर के उस हिस्से को वापस लाया जाएगा जो पाकिस्तान के अवैध कब्जे में है,

हमास ने ट्रंप को दिखाया ठेंगा कहा- अपनी शर्तों पर इजराइली बंधकों को देगा रिहाई

गाजा एजेंसी। आतंकवादी समूह हमास ने बृहस्पतिवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हालिया चेतावनी को खारिज कर दिया और दोहराया कि वह गाजा पट्टी में स्थायी युद्ध विराम के बदले में ही शेष इजराइली बंधकों को रिहा करेगा। हमास ने ट्रंप और इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू पर जनवरी में हुए युद्ध विराम समझौते से पीछे हटने का आरोप लगाया है। इस समझौते में दूसरे चरण की बातचीत का आह्वान किया गया है, जिसमें इजराइली बंधकों को और अधिक फलस्तीनी कैदियों के बदले रिहा किया जाएगा, एक स्थायी युद्ध विराम और गाजा से इजराइल की वापसी शामिल है।

हमास के प्रवक्ता अब्देल लतीफ अल-कनौआ ने कहा कि शेष इजराइली बंधकों को मुक्त करने का सबसे अच्छा तरीका दूसरे चरण की बातचीत है, जिसे फरवरी की शुरुआत में शुरू किया जाना था। हालांकि, अब तक केवल सीमित प्रारंभिक वार्ता ही हुई है। बुधवार को ट्रंप ने आठ पूर्व बंधकों से मुलाकात के बाद हमास को ''आखिरी चेतावनी दी। इस बीच, व्हाइट हाउस ने पुष्टि की कि उसने हमास के साथ अभूतपूर्व सीधी बातचीत की है, जिसे इजराइल और पश्चिमी देश आतंकवादी संगठन मानते हैं। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया मंच 'ट्रुथ पर लिखा, ''सभी बंधकों को अभी रिहा करो और जिन लोगों की तुमने हत्या की है उनके शवों को तुरंत लौटाओ, नहीं तो तुम्हारा अंत हो जाएगा। माना जाता है कि हमास ने अब भी 24 लोगों को बंधक बना रखा है, जिनमें इजराइली-अमेरिकी एडन अलेक्जेंडर भी शामिल हैं।

इंडोनेशिया में बाढ़ और भूस्खलन से एक की मौत, 7 लापता

बेकासी, एजेंसी। इंडोनेशिया के कई इलाकों में बाढ़ और भूस्खलन के बीच जावा द्वीप में एक की जान चली गई और 7 लोग लापता हो गए. ये तबाही बीते एक सप्ताह से राजधानी जकार्ता और आसपास के इलाकों में हो रही भारी बारिश की वजह से हुई है.

आपदा प्रबंधन से जुड़े एक अधिकारी के हवाले से ये बताया गया कि बीते एक सप्ताह से रह-रहकर हो रही मूसलाधार बारिश की वजह से जकार्ता और आसपास के शहरों में तबाही मची हुई है. बाढ़ और पानी में फंसे हजारों लोगों को मुसीबत से बचाकर उन्हें सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाया गया है. इस बचाव कार्य में अत्याधुनिक तकनीक का भी इस्तेमाल किया जा रहा है.

बाढ़ की विनाश लीला के बीच गुरुवार को वेस्ट जावा प्रदेश और उसके आसपास के इलाकों में भारी बारिश से सुकाभूमि जिले के अधिकांश हिस्से में घरों, अस्पतालों और स्कूलों को भारी नुकसान पहुंचा है. लोकल डिजैस्टर एजेंसी के मुताबिक भारी बारिश से एक बच्चे की मौत हो गई और तीन अलग-अलग जिलों में 7 लोगों के लापता होने की खबर है. स्थानीय आपदा एजेंसी के प्रवक्ता एंड्री सेतियावन ने एएफपी न्यूज एजेंसी को बताया कि लंबे समय से खराब मौसम और मूसलाधार बारिश के कारण ये विकराल समस्या खड़ी हुई है.

लगभग 5 फीसदी का वृद्धि लक्ष्य : चीन की अर्थव्यवस्था के लिए एक व्यावहारिक कदम

बीजिंग, एजेंसी।
चीन सरकार द्वारा समीक्षा के लिए चीनी राष्ट्रीय जन प्रतिनिधि सभा (एनपीसी) को सौंपी गई सरकारी कार्य रिपोर्ट-2025 ने दुनिया का ध्यान आकर्षित किया है। जिस बात ने सबसे अधिक ध्यान आकर्षित किया है वह यह है कि चीन ने इस वर्ष के लिए अपना जीडीपी विकास पूर्वानुमान लक्ष्य लगभग 5 फीसदी निर्धारित किया है। कुछ विदेशी मीडिया ने बताया कि यह लक्ष्य बाजार की अपेक्षाओं के अनुरूप है। यह न केवल चीन सरकार के व्यावहारिक रवैये को दर्शाता है, बल्कि चीनी अर्थव्यवस्था के आत्मविश्वास और ताकत को भी दर्शाता है। यह विकास दर पिछले दो वर्षों के अनुरूप बनी हुई है, जो रोजगार को स्थिर करने, जोखिमों को रोकने और लोगों की आजीविका में सुधार करने के चीन के दृढ़ संकल्प को प्रदर्शित करती है।

इस लगभग 5 फीसदी विकास लक्ष्य का वास्तविक मूल्य बहुत अधिक है। यह सिर्फ एक संख्या नहीं है, बल्कि चीन के उच्च गुणवत्ता वाले विकास को बढ़ावा देने की एक ठोस अभिव्यक्ति भी है। उपभोग को बढ़ावा देने और घरेलू मांग के विस्तार के संदर्भ में चीन सरकार ने अपने नागरिकों की आय बढ़ाने, उच्च गुणवत्ता वाली आपूर्ति बढ़ाने और उपभोग वातावरण में सुधार करने पर ध्यान केंद्रित करते हुए उपभोग को बढ़ावा देने के लिए विशेष कदम उठाने का प्रस्ताव दिया है। उपायों की इस श्रृंखला से जीडीपी में उपभोग और सेवा उद्योगों के अनुपात में और वृद्धि होने और निरंतर आर्थिक विकास में नई गति आने की उम्मीद है। विकास लक्ष्य का वास्तविक मूल्य तकनीकी नवाचार में भी परिलक्षित होता है। चीन सरकार कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे उच्च तकनीक उद्योगों के विकास का पुरजोर समर्थन करती है और सरकारी कार्य रिपोर्ट में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि सरकार बड़े मॉडलों के व्यापक अनुप्रयोग का समर्थन करेगी और बुद्धिमान जुड़े नई ऊर्जा वाहनों और बुद्धिमान रोबोट जैसे उभरते उद्योगों का विकास करेगी। ये उपाय न केवल वैश्विक औद्योगिक नवाचार परिदृश्य को नया आकार देंगे, बल्कि दुनिया को चीन की वैज्ञानिक और तकनीकी विकास उपलब्धियों को साझा करने की भी अनुमति देंगे। साथ ही, चीन सरकार की खुली मानसिकता भी प्रभावशाली है। कई क्षेत्रों में खुलेपन पायलटों को बढ़ावा देने से लेकर बेल्ट एंड रोड के उच्च-गुणवत्ता वाले संयुक्त निर्माण तक और उच्च-मानक मुक्त व्यापार क्षेत्रों के वैश्विक नेटवर्क का विस्तार करने तक, ये खुलेपन के उपाय दुनियाभर के देशों के साथ साझी जीत वाले सहयोग के लिए चीन की ईमानदारी और दृढ़ संकल्प को प्रदर्शित करते हैं। चीन के लिए 2025 एक महत्वपूर्ण वर्ष है, यानी 14वीं पंचवर्षीय योजना समाप्त हो जाएगी और 15वीं पंचवर्षीय योजना तैयार की जाएगी। यह कार्य बहुत कठिन है। विभिन्न विकास लक्ष्यों को प्राप्त करना आसान नहीं है और इसके लिए बहुत मुश्किल प्रयासों की आवश्यकता होती है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने की प्रक्रिया में चीन विश्व अर्थव्यवस्था की बहाली में अधिक आत्मविश्वास और ताकत लाएगा।

महिलाएं अपनी शक्ति पहचानें : उपायुक्त

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। महिलाएं अपनी शक्ति पहचानें। वे अजेय हैं। माता पिता धनी है तो भी महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनना होगा। इससे उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा। वे अपने जीवन का निर्णय स्वयं ले सकेगी।
उपरोक्त बातें उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी माधवी मिश्रा ने शुक्रवार को केंद्रीय खनन एवं ईंधन अनुसंधान संस्थान (सिम्फर) में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस को लेकर आयोजित समारोह में बतौर मुख्य अतिथि कही। उन्होंने कहा कि महिलाओं को अपनी प्रतिभा निखारने का समान अवसर मिलना चाहिए। पुरुष और महिला में लैंगिक समानता होनी चाहिए। वर्तमान में महिलाएं हर क्षेत्र में पुरुषों के साथ कंधा से कंधा मिलाकर चल रही है। लाखों महिलाओं ने बुलंदियों को छुआ है। अपनी कड़ी मेहनत और लगन से सर्वोच्च पद हासिल किया है। परंतु समाज में ऐसी भी महिलाएं हैं जो समानता के लिए संघर्ष कर रही है।
महिलाओं को संघर्ष नहीं करना पड़े इसलिए बच्चियों को शिक्षा देना जरूरी है। उन्हें अच्छी शिक्षा मिलेगी तो अपने जीवन का लक्ष्य प्राप्त कर सकेंगी। जब वह कोई मुकाम हासिल कर लेगी तो बाजी पलट सकती है।

महिलाएं जिस क्षेत्र में है वहां अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें।
अपने संबोधन के दौरान उपायुक्त ने कहा कि मेरी माँ मेरे जीवन का सबसे बड़ा और मजबूत स्तंभ है। मेरे पिता मेरी प्रेरणा हैं। उन्होंने सभी महिलाओं को अपनी बच्चियों को अतिरिक्त सहयोग प्रदान करने का आह्वान किया। समारोह को सिम्फर के निदेशक प्रोफेसर अरविंद कुमार मिश्रा, मुख्य वैज्ञानिक डॉ जेके पांडेय, डॉ वी. अंगुसेलवी, डॉ सीमा टोपनो ने भी संबोधित किया। मौके पर डॉ पल्लवी दास, डॉ आरती साहू, डॉ मोनालिसा गंगोपाध्याय, डॉ मौसमी मल्लिक सहित संस्थान के अन्य महिला एवं पुरुष वैज्ञानिक उपस्थित थे।

बंशीधर नगर में राजधानी एक्सप्रेस का होगा ठहराव : सांसद

मेदिनीनगर (पलामू) । रांची नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस ट्रेन संख्या 12453/12454 का श्री बंशीधर नगर (नगर उंटारी) रेलवे स्टेशन पर ठहराव किया जाएगा। उक्त ट्रेन का ठहराव के लिए लोगों द्वारा लगातार मांग की जा रही थी। उक्त बातें पलामू सांसद विष्णु दयाल राम ने कही। उन्होंने कहा कि लोकसभा में शून्य काल एवं नियम 377 के दौरान, मंडल रेल प्रबंधक धनबाद, महाप्रबंधक हाजीपुर, रेलवे बोर्ड के चेयरमैन एवं रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से पत्राचार व व्यक्तिगत रूप से मुलाकात कर मांग की थी। बताया कि उक्त ट्रेन के ठहराव हेतु बहुत जल्द तिथि निर्धारित कर श्री बंशीधर नगर रेलवे स्टेशन पर कार्यक्रम आयोजित कर रांची- नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस के विधिवत ठहराव का शुभारंभ किया जाएगा। इस ट्रेन के ठहराव होने से यात्रियों का आवागमन में सहूलियत होगी। सांसद ने इसके लिए प्रधानमंत्री व रेल मंत्री के प्रति अपनी ओर से व पलामू संसदीय क्षेत्र की समस्त जनता की ओर से धन्यवाद के साथ अभार प्रकट किया है।

बैठक में लंबित वादों की प्रगति की हुई समीक्षा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। समाहरणालय स्थित सभागार में निदेशक डीपीएलआर मेनका की अध्यक्षता में उच्चतम न्यायालय, उच्च न्यायालय, अवमानना वाद एवं अन्य न्यायालयों में लंबित वादों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। मौके पर अपर समाहर्ता, मो मुमताज अंसारी, सहित अन्य उपस्थित थे। उच्चतम न्यायालय, उच्च न्यायालय से संबंधित मामलों की समीक्षा की गई, जिसमें केटेंप अवमाननवाद याचिकाओं पर विचार विमर्श किया गया।
मुख्य रूप से पुलिस अधीक्षक, जियाडा, सामान्य शाखा स्थापना शाखा, जिला शिक्षा पदाधिकारी एवं जिला शिक्षा अधीक्षक से संबंधित वाद पर चर्चा किया गया और शेष जिसमें एक सप्ताह के अंदर पुनः दायर करें। साथ ही सभी को निर्देश दिया गया।
बैठक में निदेशक, डीपीएलआर ने क्रमवार उच्च न्यायालय, झारखंड रांची में जिले के विभिन्न विभाग व पदाधिकारी से संबंधित लंबित वादों की जानकारी लिया तथा विभागवार सभी मामलों के अद्यतन स्थिति की भी समीक्षा किया गया, संबंधित पदाधिकारियों को वादों से संबंधित तथ्य विवरणी विभाग द्वारा कार्यालय को ससमय समर्पित करने का निर्देश दिया। इसमें किसी तरह की कोई लापरवाही नहीं होनी चाहिए।
वहीं अपर समाहर्ता मो मुमताज अंसारी ने संबंधित अंचल अधिकारियों व अन्य

पदाधिकारियों को तथ्य विवरणी में संबंधित एनेक्सचर का उल्लेख स्पष्ट रूप से करने का निर्देश दिया।
निदेशक, डीपीएलआर मेनका ने विभागवार कुल 118 लंबित मामलों की प्रगति का समीक्षा किया। इसमें पुलिस अधीक्षक कार्यालय से संबंधित 05 मामले, वन प्रमंडल पदाधिकारी कार्यालय से संबंधित 04, उप विकास आयुक्त सह सीईओ जिला परिषद से संबंधित एक, अपर समाहर्ता बोकारो से संबंधित 01, क्षेत्रीय निदेशक जियाडा बोकारो प्रक्षेत्र से 01, अनुमंडल पदाधिकारी चास से संबंधित 01, भूमि सुधार उपसमाहर्ता चास से संबंधित 01, निदेशक परियोजना भूमि एवं पुनर्वास से संबंधित 02, अपर नगर आयुक्त चास नगर निगम से संबंधित 02, जिला भू अर्जन पदाधिकारी से संबंधित 08, विशेष भू-अर्जन पदाधिकारी से संबंधित 02, स्थापना उप समाहर्ता से संबंधित 04, जिला आपूर्ति पदाधिकारी से

118 लंबित मामलों की क्रमवार हुई समीक्षा

संबंधित 01, जिला परिवहन पदाधिकारी से संबंधित 02, जिला सामान्य शाखा से संबंधित 10, जिला शिक्षा पदाधिकारी से संबंधित 02, जिला शिक्षा अधीक्षक बोकारो से संबंधित 16, चास बीडीओ से संबंधित 01, चास सीओ से संबंधित 15, चंदनकियारी सीओ से संबंधित 05, जरीडीह सीओ से संबंधित 01 मामले की समीक्षा हुई।
इसके अलावा कसमार सीओ से संबंधित 05, बेरमो सीओ से संबंधित 03, पेटरवार सीओ से संबंधित 03 मामले, नावाडीह सीओ से संबंधित 02, चंद्रपुरा सीओ से संबंधित 03, कार्यपालक अभियंता ग्रामीण कार्य विभाग कार्य प्रमंडल बोकारो से संबंधित 05, कार्यपालक अभियंता भवन प्रमंडल बोकारो से संबंधित 01, कार्यपालक अभियंता, जिला जल एवं स्वच्छता समिति चास बोकारो से संबंधित 01, जिला खनन पदाधिकारी से संबंधित 06, जिला सहकारिता पदाधिकारी बोकारो से संबंधित 01, बाल विकास परियोजना पदाधिकारी चंदनकियारी से संबंधित 02 मामले, कार्यपालक अभियंता विद्युत आपूर्ति प्रमंडल चास से संबंधित 01 मामले शामिल थे।

महाबोधि मंदिर मुक्ति आंदोलन में शामिल होने अनुयाइयों का जत्था रवाना

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। बोधगया में चल रहे महाबोधि मंदिर मुक्ति आंदोलन में भाग लेने के लिए बोकारो बुद्ध विहार से एक टीम रवाना हुई। इस आंदोलन का मुख्य उद्देश्य बिहार राज्य के बोधगया स्थित महाबोधि मंदिर के नियंत्रण को भारतीय बौद्धों के हाथों में लौटाना है, क्योंकि सन 1949 में ब्रिटिश शासन ने मंदिर के नियंत्रण को अपने हाथ में ले लिया था और इसे हिंदू साधुओं को सौंप दिया था। महाबोधि मंदिर, बोधगया में स्थित है। यह वह स्थान है जहाँ भगवान बुद्ध ने बोधि वृक्ष के नीचे ज्ञान प्राप्त किया था। यह बौद्ध धर्म के अनुयायियों के लिए अत्यंत पवित्र स्थल है। 19 वीं शताब्दी में, जब ब्रिटिश साम्राज्य ने भारत पर शासन करना शुरू किया, उन्होंने महाबोधि मंदिर का नियंत्रण अपने हाथों में ले लिया और इसे हिंदू पुजारियों के नियंत्रण में दे दिया, जबकि बौद्ध समुदाय को इससे बाहर रखा गया। इससे बौद्ध समुदाय में विरोध और असंतोष बढ़ा, और इसके बाद महाबोधि मंदिर मुक्ति आंदोलन की शुरूआत हुई। इस आंदोलन का नेतृत्व बौद्ध धर्म के अनुयायियों और कुछ भारतीय नेताओं ने किया। 1880 के दशक में इस आंदोलन ने जोर पकड़ लिया और इसके परिणामस्वरूप ब्रिटिश सरकार ने मंदिर के नियंत्रण को हिंदू धर्म और बौद्धों की एक समिति बनाकर सौंप दिया। विगत माघी पूर्णिमा से बौद्ध भिक्षुओं ने महाबोधि मंदिर का संचालन को पुर्ण रूप से बौद्ध भिक्षुओं को सौंपने को लेकर धरना दे रहे हैं इस धरना के समर्थन में बोकारो बुद्ध विहार से एक टीम बोधगया को प्रस्थान की। टीम में एपी वर्मा, सुनील प्रसाद, कुंवर कुशवाहा, सुनील गांधी, धर्मेंद्र कुमार, अरविंद मेहता आदि लोग प्रमुख रहे।

बालू लदे दो ट्रैक्टर जब्त

बोकारो। उपायुक्त के निदेर्शानुसार शुक्रवार को बोकारो जिला के हरला थानांतर्गत इंटेक वेल तेलमच्चो ब्रिज के समीप दामोदर नदी क्षेत्र पर छापामारी अभियान चलाया गया। जिसमें अवैध रूप से बालू खनिज को लोड करते हुए 02 ट्रैक्टरों को पकड़ा गया।

दो दिवसीय कृषि मेला सह किसान सम्मान सम्मेलन शुरू

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूंटी। कृषि, पशुपालन एवं सहाकारिता विभाग, झारखंड सरकार के तत्वावधान में जिला प्रशासन द्वारा कचहरी मैदान में दो दिवसीय कृषि मेला सह किसान सम्मान सम्मेलन का शुभारंभ किया गया। इसका उद्घाटन मुख्य अतिथि उपायुक्त लाकेश मिश्रा, जिला परिषद, खूंटी अध्यक्ष मसीह गुड़िया, अनुमंडल पदाधिकारी दीपेश कुमारी सहित अन्य पदाधिकारियों ने संयुक्त रुप से दीप प्रज्वलित कर किया। मेले में जिले के किसानों को कृषि की उच्च तकनीक की जानकारी दी जा रही है। जिले के विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाये गये थे, जहां कृषकों को सरकार द्वारा संचालित विविध जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी जा रही है। साथ ही योजनाओं के प्रति जागरुक होकर लाभ लेने की अपील की जा रही है। मेला में कृषि उत्पाद और कृषि के विविध संयत्रों की प्रदर्शनी लगाई गई है।
मौके पर उपायुक्त ने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा किसानों के आय को सुदृढ़ करने हेतु अनेक कल्याणकारी योजनाएं संचालित है। जिला प्रशासन किसानों को सशक्त करने का दिशा में कृतसंकल्पित है। उन्होंने कहा कि किसान उन्नत तकनीक से खेती कर अपनी आर्थिक स्थिति को कैसे सुदृढ़ करें, इस दिशा में जिला प्रशासन की टीम लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने किसानों से अपील करते हुए कहा कि अपने सर्वांगिण विकास के लिए संचालित सरकारी योजनाओं के प्रति जागरुक होकर योजनाओं से लाभ उठाएं। उन्होंने आयोजित मेला के उद्येश्यों की चर्चा करते हुए लोगों से अपील की कि नई फसल व नई तकनीक से खेती की चाहत रखने वाले किसान मेला में आकर आवश्यक जानकारी प्राप्त कर अपनी आमदनी को सुदृढ़ कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल कर कृषक अच्छी आमदनी प्राप्त कर सकते है। उन्होंने कहा कि जिले के किसान वर्तमान में साल में दो ही फसल की खेती कर पाते हैं। जिला के किसान साल में खेती से तीन फसलों को कैसे प्राप्त करें, जिला प्रशासन इस दिशा में प्रयासरत है ताकि अवैध फसल की खेती से लोगों का मोह भंग हो।
उन्होंने लोगों से अवैध फसल खेती को त्याग कर बागवानी, पशुपालन, कुक्कुट पालन, मधुमक्खी पालन आदि को अपनाकर अपनी आमदनी को मजबूत करने की अपील की। उन्होंने कहा कि जिले में स्ट्रॉबेरी, ड्रैगन फ्रूट, तरबूज व मशरूम की खेती में बढ़ोतरी हुई है। जिला में 60 मेट्रिक टन क्षमता वाले कटहल प्रसंस्करण यूनिट संचालित है। उन्होंने कहा कि निकट भविष्य जिले में बहुतायात मात्रा में उत्पादनों को चिन्हित कर अन्य फसलों के भी प्रसंस्करण यूनिटों के अधिष्ठापन कराएं जाएंगे। साथ ही मार्केटिंग की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।
जिला परिषद अध्यक्ष मसीह गुड़िया ने जानकारी के अभाव में लोग सरकार द्वारा सचालित जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ नहीं प्राप्त कर पाते है। उन्होंने विभिन्न योजनाओं की चर्चा करते हुए लोगों से जागरुक होकर लाभ उठाने की अपील की। उन्होंने कहा कि किसान लाह की खेती, बागवानी, बकरी पालन, सुकर पालन, कुक्कुट पालन को अपनाकर अपनी आमदनी को मजबूत कर सकते हैं।

रंगोत्सव का आयोजन

धनबाद। रोटरी क्लब ऑफ धनबाद द्वारा संचालित दिव्यांग बच्चों का विशेष विद्यालय जीवन ज्योति में श्री कच्छ गुर्जर क्षत्रिय समाज धनबाद महिला मंडल के द्वारा रंगोत्सव का आयोजन किया गया। इसके उपरांत बच्चों के बीच विभिन्न खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया और विजेताओं को पुरष्कृत किया गया। महिला मंडल की सचिव शीतल चावड़ा ने जीवन ज्योति के कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि हमारी महिला मंडल के द्वारा आयोजित आज का रंगोत्सव हमसब के लिए अविस्मरणीय रहेगा । कार्यक्रम में कच्छ गुर्जर क्षत्रिय समाज धनबाद महिला मंडल की ममता चावड़ा , रेणुका चावड़ा एवं ममता परमार , शीतल चावड़ा, पीयूष राठौड़ , जीवन ज्योति के राजेश परकेरिया , अपर्णा दास उपस्थित थे।

उपायुक्त से की मृत्यु प्रमाण पत्र निर्गत मामले में गड़बड़ी की शिकायत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। शुक्रवार को जनता दरबार में पहुंचे धोखरा निवासी प्रेम किशोर विप्लवी ने उपायुक्त से धनबाद प्रखंड सदर स्थित ग्राम पंचायत धोखरा कार्यालय के सचिव शिव शंकर राम पर उनकी बुआ विनिया बाउरी के मृत्यु प्रमाण पत्र निर्गत मामले में गड़बड़ी करने की शिकायत की है। उन्होंने उपायुक्त को बताया कि मृत्यु प्रमाण पत्र के लिए नियत समय पर उन्होंने पंजीकरण कराया जो मृत्यु के मूल लेख में दर्ज एवं कार्यालय के रजिस्टर में उल्लेखित है । सारी प्रक्रिया के बाद उन्हें मृत्यु प्रमाण पत्र 24 फरवरी 2023 पंजीयन संख्या ए 383595 निर्गत किया गया। परंतु दिलीप कुमार बाउरी नामक व्यक्ति द्वारा सुनियोजित साजिश के तहत सचिव से मिली भगत कर दस्तावेज के आधार पर पंजीकरण में हेरा फेरी कर मृत्यु प्रमाण पत्र की दूसरी प्रति बनवा लिया है । सूचना अधिकार अधिनियम के तहत प्राप्त सूचना के बाद इस सनसनीखेज मामला उजागर हुआ । यही नही दिलीप ने मृत्यु प्रमाण पत्र जमा कर विनिया बाउरी के नाम बैंक ऑफ इण्डिया ऐना शाखा में जमा राशि लगभग सात लाख रुपये की निकासी भी कर ली। प्रेम किशोर ने दिलीप कुमार बाउरी एंव इस कृत मे संलिप्त व्यक्तियो पर कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

कांग्रेस की बैठक में हंगामा

मेदिनीनगर (पलामू)। कांग्रेस की बैठक में उस वक्त बवाल मच गया जब कांग्रेस नेता जीशान खान ने जिला अध्यक्ष बिट्टू पाठक पर भाजपा से साठगांठ कर चुनाव हरवाने का आरोप लगा दिया। जीशान खान ने कहा, बिट्टू पाठक चुनाव के दौरान भाजपा की बी टीम बनाकर काम करते हैं। इनकी वजह से पार्टी लगातार चुनाव हार रही है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, ₹इनके जैसा सबसे डेड आदमी कोई हो ही नहीं सकता! जीशान का आरोप है कि बिट्टू पाठक भाजपा को सपोर्ट करते हैं और कांग्रेस के प्रत्याशी को हराने का काम करते हैं, जिससे कांग्रेस कम वोटों से हार गई। इस बयान के बाद बैठक में नारेबाजी और हंगामे का माहौल बन गया। अब देखना यह है कि कांग्रेस हाईकमान इस पर क्या फैसला लेता है।

होली मिलन 11 मार्च को

बोकारो। ब्रह्मर्षि परिवार बोकारो की बैठक सेक्टर 4 में हुई, जिसमें 11 मार्च को मां अंबे गार्डन सेक्टर 2 में होली मिलन समारोह का आयोजन करने का निर्णय लिया गया। बैठक ने ब्रह्मर्षि परिवार आयोजन मंडल के वरीय सदस्य कमलेश राय ने कहा, अधिक से अधिक संख्या में सदस्य शामिल हो यह सुनिश्चित करना होगा। समाचार पत्र एवं अन्य डिजिटल माध्यम से इस कार्यक्रम की जानकारी अधिक से अधिक सदस्यों तक पहुचाने की जरूरत है। आयोजक मंडल सदस्य प्रेम कुमार को कार्यक्रम का संयोजक मनोनीत किया गया तथा एनएनपी शाही को कार्यक्रम का सहसंयोजक नियुक्त किया गया। इस अवसर पर नरेंद्र कुमार, सुधीर कुमार सिंह, प्रमोद कुमार ,दीन दयाल शर्मा अनुरंजन शर्मा सुशील ठाकुर, पंकज कुमार, अनिल कुमारआदि मुख्य रूप से उपस्थित थे।

छात्र आकर्ष आनंद गुप्ता को इंस्पायर अवॉर्ड

धनबाद। क्रेडो वर्ल्ड स्कूल , धनबाद झारखंड के कक्षा 8 के छात्र आकर्ष आनंद गुप्ता को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार के प्रतिष्ठित इंस्पायर अवॉर्ड झ मानक के लिए चयनित किया गया है। इस उपलब्धि के तहत उन्हें रु. 10 हजार रुपए का पुरस्कार दिया जाएगा। इंस्पायर अवॉर्ड कार्यक्रम के तहत आकर्ष आनंद गुप्ता को विज्ञान परियोजना/मॉडल तैयार करने के लिए रु. 10 हजार रुपए की प्रारंभिक अनुदान राशि प्रदान की गई है। इस अनुदान का उपयोग वह जिला शिक्षा प्राधिकरण द्वारा आयोजित जिला स्तरीय प्रदर्शनी एवं परियोजना प्रतियोगिता डीएलइपसी में भाग लेने के लिए करेंगे। यदि उनका मॉडल जिला स्तर पर चयनित होता है, तो उन्हें राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भी भाग लेने का अवसर मिलेगा।

हड़ताल सफल बनाने को प्रदर्शन कर बैंक कर्मियों ने दिखाई एकजुटता

24 एवं 25 मार्च को है दो दिवसीय हड़ताल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (यूएफबीयू), जिसमें बैंकों में कार्यरत सभी यूनियनों ने प्रदर्शन किया। जिसमें एआईबीए, एआईबीओसी, एनसीबीए, बीईएफआई एएबीओए, एएनबीईएफआई, एनबीओसी, एनओबीयू, एनओबीओ संगठन शामिल हुए। चास- बोकारो के सभी बैंक कर्मचारी एवं अधिकारियों ने सैकड़ों की संख्या में उपस्थित होकर स्थानीय भारतीय स्टेट बैंक, बोकारो स्टील सिटी शाखा सेक्टर 4 सिटी सेंटर के सामने प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन आगामी 24 एवं 25 मार्च को घोषित दो दिवसीय अखिल भारतीय बैंक हड़ताल के आलोक में आंदोलनात्मक कार्यक्रमों की कड़ी में पूर्व निर्धारित कार्यक्रमों के तहत किया गया।
प्रदर्शन के माध्यम से बैंक कर्मियों ने बेहतर ग्राहक सेवा एवं कार्य स्थल पर तनाव के लिए अविलंब बैंक में सभी संवर्गों में समुचित बहाली की मांग की साथ ही यह भी मांग किया कि बैंकों में पांच दिवसीय बैंकिंग को भी जल्द से ज्यादा लागू किया जाए, इसके साथ यह भी मांग की गई की इंडियन बैंक एसोसिएशन के साथ यूएफबीयू की हुई वार्ताओं में जो मामले लंबित रह गए हैं उसका सकारात्मक समाधान भी जल्द से जल्द किया जाए। इन्हीं मांगों के आलोक में बैंक कर्मियों ने नारों के माध्यम से अपनी आवाज को बुलंद किया। इस प्रदर्शन में महिला बैंक कर्मियों की भारी उपस्थिति उल्लेखनीय रही।
इस अवसर पर यूएफबीयू के जिला संयोजक सिद्धेश नारायण दास ने उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए बताया कि 3 मार्च 2025 को

दिल्ली में हुए प्रदर्शन के दिन के अखिल भारतीय नेतृत्वकर्ता द्वारा भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा निदेशालय (डीएफएस) के अधिकारियों से भी वार्ता कर उन्हें यूएफबीयू द्वारा घोषित हड़ताल के संबंध में दिए गए नोटिस के संबंध में बताया एवं अपनी मांगों से अधिकारियों को अवगत कराया।
डीएफएस अधिकारियों द्वारा कहा गया कि इंडियन बैंक एसोसिएशन इस संबंध में यूएफबीयू से वार्ता कर मामले का निष्पादन करेगी। किंतु अभी तक इंडियन बैंक एसोसिएशन द्वारा वार्ता के लिए कोई सूचना नहीं दी गई है।
उन्होंने कहा कि हम आज के इस देशव्यापी प्रदर्शन के माध्यम से भारत सरकार एवं इंडियन बैंक एसोसिएशन को आगाह करना चाहते हैं यदि हमारी मांगों पर अविलंब ध्यान नहीं दिया गया तो 24 एवं 25 मार्च को दो दिवसीय हड़ताल तो होगी ही साथ ही इसके बाद भी यदि सरकार नहीं चेतती है तो हम अपने बैंकों, बैंक के ग्राहकों एवं अपने अस्तित्व की रक्षा हेतु संघर्ष को और भी तेज करेंगे एवं मांगों की पूर्ति होने तक अंतिम दम तक संघर्ष करेंगे।
आज के इस प्रदर्शन को संबोधित करने वाले वक्ताओं में मुख्य रूप से सिद्धेश नारायण दास, राघव कुमार सिंह, राजेश श्रीवास्तव, प्रदीप झा, राकेश मिश्रा, अवधेश प्रसाद, दिलीप कुमार, प्रशांत कुमार, विवेक ठाकुर, अनिल कुमार, मनमीत कौर, वंदना कुमारी, ममता राउत, ऋचा कुमारी, राजकुमार प्रसाद, रणधीर मिश्रा, मनोज झा आदि उपस्थित थे।

तीन साइबर अपराधियों को किया गिरफ्तार

बोकारो। बोकारो पुलिस ने तीन साइबर अपराधियों को गिरफ्तार करने ने सफलता पाई है। बोकारो पुलिस ने चास मुफस्सिल थाना क्षेत्र के पुपुनकी गांव में साइबर अपराधियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन अपराधियों को गिरफ्तार किया। ये अपराधी आम लोगों को मोबाइल कॉल के जरिए ठगने का काम कर रहे थे। बोकारो पुलिस अधीक्षक को मिली गुप्त सूचना के आधार पर थाना प्रभारी खुर्शीद आलम के नेतृत्व में टीम ने बीती देर रात छापेमारी कर इन अपराधियों को पकड़ा। एसडीपीओ प्रवीण कुमार सिंह ने बताया यह सभी एक्सिस बैंक का डाटा चुराकर एक्सिस बैंक के कस्टमर को कॉल केवाईसी और बैंक संबंधी जानकारी देने के नाम पर लोगो को ठगी का शिकार बनाया करते थे । लैपटॉप और डायरी में लोगों का कॉन्टैक्ट नंबर भी मिला है। गिरफ्तार अपराधी सुबल दास (35 वर्ष) नारायणपुर, जामताड़ा, सुरज दास (26 वर्ष) टुंडी, धनबाद और देवाशीष दास (29 वर्ष) कुल्टी, पश्चिम बंगाल का रहने वाला है। पुलिस ने इन अपराधियों के पास से 1 लैपटॉप एवं चार्जर, 18 मोबाइल फोन व 2 डायरी भी जप्त किया है ।

इंडिया एलायंस कांग्रेस के नेता व कार्यकर्ताओं की नहीं सुनते : के राजू

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। कांग्रेस पार्टी के प्रदेश प्रभारी के राजू राज्य के सभी जिलों में घूम घूम कर जिला अध्यक्ष एवं प्रखंड अध्यक्षों से संगठन सृजन पर परिचर्चा कर रहे है। जीत मैरेज हॉल में आयोजित प्रमंडलीय बैठक कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश एवं पूर्व प्रदेश राजेश ठाकुर भी शामिल हुए। इसी क्रम में बोकारो में बोकारो गिरिडीह धनबाद के जिला अध्यक्ष और प्रखंड अध्यक्षों के साथ बैठक कर उनकी बातों को सुनने का काम किया। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष, पार्टी विधायक दल के नेता, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष मौजूद रहे। इस दौरान नेताओं ने महागठबंधन के विधायकों के द्वारा पार्टी के नेताओं और कार्यकताओं की बात नहीं सुने जाने की बात प्रदेश प्रभारी के समक्ष रखी। संगठन को मजबूत करने और संगठन की कमियों को भी बताया गया। प्रदेश प्रभारी के राजू ने कहा कि झारखंड में घूमने के बाद यह बात सामने आ रही है कि इंडिया एलायंस के विधायक कांग्रेस पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं की बात नहीं सुन रहे। उन्होंने कहा कि राज्य में सरकार बनाने और विधायक को जिताने में पार्टी के कार्यकताओं की हम भूमिका का रही है। इस मुद्दे को लेकर हम मुख्यमंत्री के पास जाएंगे और इस समस्या के समाधान का रास्ता निकालेंगे। वहीं कांग्रेस पार्टी में नेताओं के बीच हो रहे विवाद पर कहा कि अनुशासन जरूरी है। हम लोग नेताओं की काम की समीक्षा भी कर रहे हैं। नेताओं की जिम्मेदारी भी तय की जाएगी।
वही प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने बताया कि प्रदेश प्रभारी के राज्य का दौरा समाप्त होने के बाद पार्टी एक चिंतन शिविर आयोजित करेगी। जिसमें कांग्रेस पार्टी को जमीनी स्तर तक ले जाने और पार्टी को मजबूत करने के लिए चर्चा की जाएगी। हम लोग चाहते हैं कि पार्टी के नेता अपने अपने स्तर पर पार्टी को मजबूत करने के लिए कम करें।

वरीय अधिवक्ता का निधन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। बोकारो के सेक्टर 12 निवासी 68 वर्षीय अधिवक्ता का आज तड़के निधन हो गया। उनका दाह संस्कार गरगा श्मशान घाट पर कर दिया गया। इंडियन एसोसिएशन ऑफ लॉयर्स द्वारा बोकारो सिविल कोर्ट परिसर में अधिवक्ता विश्वनाथ प्रसाद सिंह के आकस्मिक निधन पर शोक सभा का आयोजन किया गया।
शोक सभा में अधिवक्ता रंजन कुमार मिश्रा, फटीक चंद्र सिंह, संजय कुमार प्रसाद, अतुल कुमार, अशोक कुमार महथा, नरेश महतो, शंकर दे, धुर्वेश्वर मंडल, राणा प्रताप शर्मा, संजीत महतो, विष्णु चरण महाराज, नीतीश नंदी, राजेश कुमार,अंकित ओझा, प्रेरणा पांडेय, जितेंद्र कुमार, अंजनी चौधरी, विजय कुमार, ओम प्रकाश लाल, चंदन कुमार, कृष्ण देव प्रसाद, विकास कुमार, राज श्री, दीपिका सिंह, संजीत कुमार सिंह, सुमन वर्मा, विकास प्रजापति, मो हसनैन आलम, वंशिका सहाय, दीप्ति सिंह, रीना कुमारी, अरूप चक्रवर्ती, इंद्रनील चैटर्जी, सुभाष चक्रवर्ती, इत्यादि उपस्थित थे।

सात दिवसीय रुद्र महायज्ञ शुरू

बोकारो। चंदनकियारी के बाबा वृद्धेश्वरनाथ धाम में सप्तम दिवसीय रुद्र महायज्ञ का गवाई नदी से वैदिक मंत्रोच्चार के पश्चात कलश में जल भरकर भव्य झांकी निकालकर प्रारंभ हुआ। इसके पूर्व मुख्य व्रती मनपुरण माहथा के अगुवाई में पीला वस्त्र धारण कर बालिका महिला व पुरुष आम पल्लवयुक्त कलश लेकर गाजे बाजे के साथ गवाई नदी पहुंचे। जहां गवाई नदी तट पर विधि विधान से मुख्यव्रती मनपुरण माहथा एवं उनके सहयोगियों द्वारा पूजा अर्चना की गई तथा संकल्पित जल को कलश में भरकर धर्म की जय हो, अधर्म का नाश हो, प्राणियों में सद्भावना हो, विश्व का कल्याण हो, जय श्री राम, जय बजरंगबली, राधे राधे के नारे से गुंजयान करते हुए बाबा वृद्धेश्वरनाथ धाम, बरकामा मंडप पहुंचे। बता दें इस सप्तम दिवसीय रुद्र महायज्ञ आसपास सहित प्रदेश के दूर दराज से श्रद्धालुओ के पहुंचने की संभावना है, वही दूसरी ओर आचार्य शशिकांत तिवारी ने यज्ञ पर प्रकाश डालते हुए कहें कि यज्ञ में शामिल रहे सभी व्रतियों के साथ जो भक्तगण सच्चे मन से यज्ञ भगवान की आराधना करते उसको मनोवांछित फल प्राप्ति के साथ साथ सभी कल्मष धुल जाते हैं।

पारसनाथ पहाड़ को अतिक्रमण मुक्त कराने को धरना

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत मारांग बुरु पारस नाथ पहाड़ को अतिक्रमण मुक्त करने को लेकर आज धनबाद जिला समाहरणालय के पास सोनोत संथाल समाज केंद्रीय समिति के नेतृत्व में एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया गया।जिसकी अध्यक्षता समाज के केंद्रीय सचिव अनिल कुमार टुडु ने की। धरना प्रदर्शन में बड़ी संख्या में युवाओं ने भाग लिया। धरना प्रदर्शन को सम्बोधित करते हुए अनिल कुमार टुडू ने कहा कि जैन समुदाय के लोगों को मात्र 86 डिसमिल जमीन पर ही पूजा - पाठ करने का अधिकार दिया गया है। उन्हें स्वामित्व नहीं मिला है। पूरे पारसनाथ क्षेत्र इको सेंसेटिव जोन घोषित है, जहाँ कोई भी कंक्रीट का काम नहीं किया जा सकता है। लेकिन पूरे मारांग बुरु (पारसनाथ पहाड़) के शिखर में जैनियों द्वारा पेड़ों / जंगलों को काटकर कंक्रीट का जंगल बनाया जा रहा है इसका हमलोग विरोध करते हैं। केन्द्रीय संयोजक सदस्य रमेश टुडू ने कहा कि संथाल आदिवासी प्रकृति पूजक हैं। आदिकाल से आदिवासियों का पारस नाथ पहाड़ ही मारांग बुरु है और मारांग बुरु ही संथाल आदिवासियों के सबसे बड़े व महान इष्ट देव हैं। आज जैन समुदाय द्वारा आदिवासियों के महान इष्ट देव मारांग बुरु को छीनने का कु - प्रयास किया जा रहा है। श्री टुडू ने कहा कि आगामी 12 मार्च को पूरे झारखंड से आदिवासी समाज के लोग अपने महान इष्ट देव मारांग बुरु को अतिक्रमण मुक्त करने के लिए लाखों की संख्या में विशाल विरोध प्रदर्शन कर महामहिम राष्ट्रपति को एक माँग पत्र दिया जाएगा। प्रदर्शन में धनबाद जिले से भी हजारों की संख्या में आदिवासी समुदाय के लोग शामिल होने गिरिडीह जाएंगे। कार्यक्रम में मुख्य रूप से रमेश टुडू, अनिल कुमार टुडू, गुरुचरण बास्के, राजेन्द्र किस्कू,लखीन्द्र हांसदा, प्रवीण हांसदा, मेनेजर हेम्ब्रम, बिरजू सोरेन, अरुण हेम्ब्रम, राजकुमार हेम्ब्रम, श्रीकांत मुर्मू, नाजीर टुडू, सोनेलाल मरांडी, मनोज मरांडी,शिवकुमार सोरेन, बैजनाथ हेम्ब्रम, अजित हेम्ब्रम, शिवचरण हेम्ब्रम, अरुण मुर्मू, महावीर हांसदा सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित रहे।

हाड़ी जाति समाज सुधार समिति ने की बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। गुरुवार को हीरापुर पुलिस लाइन के समीप सामाजिक संस्था हाड़ी जाति समाज सुधार की महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न हुई जिसमें सर्वसम्मति से धनबाद जिला हाड़ी जाति समाज सुधार समिति के नवनियुक्त पदाधिकारियों का चयन किया गया। जिसमें किशोर हाड़ी जिलाअध्यक्ष, कार्तिक हाड़ी जिला कार्यकारी अध्यक्ष, पुनीत हाड़ी जिला प्रवक्ता, चतुर हाड़ी संगठन सचिव, विनोद हाड़ी (युवा अध्यक्ष,अमित किशोर संरक्षक एवं शिबू हाड़ी संरक्षक सह मीडिया प्रभारी पद पर मनोनीत किए गए। पदाधिकारियों को बैठक में सदस्यों ने बधाई दी।जिलाध्यक्ष ने समिति को ऊंचाइयों में ले जाने के लिए सभी को आश्वस्त किया। मुख्य रूप से उपाध्यक्ष बच्चन हाड़ी, सागर हाड़ी, महासचिव बुच्चू हाड़ी, रक्षा मंत्री भोला हाड़ी, सूचना मंत्री रंजीत हाड़ी,उपसंगठन सचिव संजय हाड़ी व बादल हाड़ी, महासचिव अजय हाड़ी,उपाध्यक्ष मनोज हाड़ी रंजीत हाड़ी, सचिव दिनेश हाड़ी, संगठन सचिव भरत हाड़ी, सूचना मंत्री श्रवण हाड़ी, कार्यकारणी सदस्य संतोष हाड़ी, किशोर हाड़ी, विकास हाड़ी, झरिया प्रखंड उपाध्यक्ष रमन हाड़ी, कोषाध्यक्ष शिबू हाड़ी समेत सभी सदस्य उपस्थित थे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी.कॉर्प.लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लॉट नंबर 31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक: मनोज विशाल फोन नंबर: 9431145865, 8210783623, आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या: JHAHIN/2017/72655, Email : bokaronbt@gmail.com